वाषिकारिपोटा2015-16

कॉर्पोरेट साम जिक उत्तरदायित्व और सतत पहल -

(सीएसआर और सस्टनबल इनिशिएटिव)

भारताडायनमिा लिमिटडा

(भारत सरकार का उद्यम)

ारा स्तु त:

एडमिनिस्टटिव स्टाफाकॉलजाऑफ़ाइडिया

एडमिनिस्टिटिवस्ट ाफ कॉलेज ऑफ़ इडिया (ए.एस.सी.आई)

एडमिनिस्टेटिवस्ट ाफ कॉलेज ऑफ़ इडिया (ए.एस.सी.आई) भारत सरकार और भारतीय उ ोग की पहलस्ट पर 1956 म हैदराबाद में थापित रास्ट्रीय महस्ट का एक स थान है ए.एस.सी.आई ने भारत में प्रबधन प्रशि ण का नेतृस्ट किया है ए.एस.सी.आई की शोध गतिविधियो को फोड फाउडेशन से समथन के साथस्ट 1973 म शुरू किया गया था। वषस्स्से ए.एस.सी.आई ने अपने ज्ञान ` की विशेषज्ञता, शोधित निविष्ट और प्रबधन विशेषज्ञता के बल पर अतरास्ट्रीय पटल म खुद के लिए जगह बनाई हैस्ट्ए.एस.सी.आई नियमित रूपस्ट से अनुसधान और परामश गतिविधियो के माध्यम से कई प्रबधन और विशिष्ट ` म कपनियो को सहायतास्ट करती हैस्ट

भारत डायनामिस्ट लिमिटड (बीडीएल)

बीडीएल को 1970 में थापित किया गया था। बीडीएल एक उच्च तकनीक बहु-अनुशासनात्मक उ ोगस्ट्है, जिसमेस्ट्विभिस्ट `णियो में लगभगस्ट्3200 कमचारीस्ट्कायरतस्ट्हस्टबीडीएलस्ट्कीस्ट्तीनस्ट्इकाइयास्ट्ह: एकस्ट काचनबाग, हैदराबाद म, दूसरा तेलगाना राज्य के मेदक (पटनचेस्टमडल) के भानूर गाव म और तीसरास्ट विशाखापत्तनम जिला, आ प्रदेश म कपनी तेलगाना के रगा रे ी जिले के इ ाहिमपत्तनम म दो नईस्ट इकाइयो की थापना कर रही है और साथ ही महारास्ट्के अमरावती जिले मे एक और इकाइ की थापनास्ट कर रही है रा की सुरक्षा आवश्यकताओ के लिए मह पूण और सामरिक उपकरणो के उ ादन के्ष्ट अलावा, देश की दिशा निर्देशित मिसाइलस्ट्की आवश्यकता के लिए बीडीएल प्रमुख उ ादन एजसी हैस्ट

जाचकता दलस्ट

ए.एस.सी.आईस्ट्से डॉ बलबीरस्ट्सिहस्ट्(टीम लीडर), डॉ श्रीरूपास्ट्सेनगुस्टास्ट्(सदस्ट), सुश्री श्रीलेखास्ट्रावारापूस्ट (सदस्ट) और श्री ओबैद उर रहमान घोरी (रिसच एसोसिएट) इस रिपोट की अवधारणा, डिजाइन औरस्ट सपादन काय डॉ बलबीर सिह और डॉ श्रीरूपा सेनगुस्टास्टारा किया हैस्ट

आभारस्ट

जाचकता दल नि लिखित बीडीएल अधिकारियो से प्राप्त सहायता और सहयोग के लिए धन्यवाद देते ह - डॉ एन के राजू ईडी (पी एड ए) अध्य सीएसआर समिति और सीएसआर समिति के अन्य सदस्ट, ीस्ट भटटू श्रीनिवास, डीजीएम (पी एड ए-सीएसआर), ीअरुण जगदीश प्रसाद डीएम (एमओयू-सेल), ीके्ष्ट कृष्णवधन, प्रबधक (पी एड ए-सीएसआर), तथा बीडीएल और सीएसआर साझेदारी एजसियो के विभिस्ट अधिकारीस्ट

ब ड स्तर सीएसआर और सस्टनबिलिटी कमिटी

श्री जे राम कृस्ट राव, आईएएसस्ट सयुस्ट सचिव (ईएस), एमओडीस्ट	-	अस्ट
एवीएम एन बी सिह, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृस्ठ) निदेशक (तकनीकी)	-	सदस्य
श्री एस पीरमानयागमस्ट निदेशक (विस्ठ)	-	सदस्य
डॉ एन के राजूस्ट कायकारी निदेशक (पी एड ए)	-	सदस्य सचिवस्ट

ब ड स्तर के नीच सीएसआर और सस्टनबिलिटी कमिटीस्ट

डॉ एन के के राजूस्ट कायकारी निदेशक (पी एड ए)	-	अस्ट
श्री के वकेश्वर रावस्ट महाप्रबधक (तकनीकी सेवा)	-	सदस्य
श्री अनिल वमास्ट एजीएम (सिविल एड इन्फ्रा)	-	सदस्य
श्री एल किशनस्ट एजीएम (सीपी-बीयू)	-	सदस्य
श्री सी विजया भास्कर रावस्ट डीजीएम (सिस्टम ऑडिट)	-	सदस्य
श्री वी मुरली कृस्ट ास्ट डीजीएम (विस्ठ) एसजी -1	-	सदस्य
श्रीमती अजू चौधरीस्ट प्रबधक (कॉप. पी एड ए)	-	सदस्य सचिव

सीएसआर और सस्टनबिलिटी टीम

श्री एम नीलकनटप्पास्ट
जीएम (वीएसएचओआरएडीएएस एड ईआर)

श्री भटटू श्रीनिवासस्ट
डीजीएम (पी एड ए-सीएसआर)

श्री एन मल्लिकाजुन स्वामीस्ट
ए एम (सीएसआर-पी एड ए)

परियोजना दलस्ट

डॉ बलबीर सिह (टीम लीडर)

डॉ श्रीरूपा सेनगुप्ता (सदस्य)

सुश्री श्रीलेखा रावारापु (सदस्य)

श्री ओबैद उर रहमान घोरी (रिसच एसोसिएट)

एडमिनिस्टेटिवस्ट ाफ कॉलेज ऑफ़ इडिया (ए.एस.सी.आई)

बेला विस्टा, खैरताबादस्ट

मोबाइल: 90306 90734

ईमेल: balbir@asci.org.in

वेबसाइट: www.asci.org.in

विषय - सूचीस्ट

परिचयस्ट	1
फ़ाइल बीडीएलस्ट	4
सीएसआर एड एसडी उद्देस्ट और दृष्टिक णस्ट	5
कायान्वयन की प्रस्तियास्ट	7
व्यय पत्रक (बीडीएल-सीएसआर)	13
क्रियाविधिस्ट	18
परियोजना अवल कस्ट	23
सुरक्षित पेयजलस्ट	23
हेस्ट केयर मोबाइल मेडी केयर यूनिटस्ट	37
बाय -टॉयलेटस्ट रस्ट	57
मिड डे मील स्कीमस्ट	63
सरकारीस्टू ल में शौचालयस्का निमाण और रखरखावस्ट	72
ईसागुस्ट	81
निष्कषस्ट	88
आकलन मानदडस्ट	89
अनुलग्नकस्ट	103

I. प्रस्तावना n

1. कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी: अवधारणा और उद्देn

1.1 कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (इसके बाद सीएसआर) का अनुमान 1950 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था; हालांकि, इसे प्रमुखता 1970 के दशक की शुरुआत में प्राप्त हुई। जबकि सीएसआर की पारंपरिक जड़ संगठनों के परोपकारी गतिविधियों (जैसे दान, राहत कार्य आदि) में लगी है, वैश्विक स्तर पर सीएसआर की अवधारणा विकसित हुई है और कॉर्पोरेट परोपकार (चैरिटी), साझा मूल्य, कॉर्पोरेट नागरिकता जैसे कई अवधारणाओं को शामिल किया गया है। स्थिरता और व्यापार जिम्मेदारी (सीएसआर) के सिद्धांत का उद्देश्य हितधारकों की चिंताओं को दूर करना और निगम की लाभप्रदता को बनाए रखने के दौरान उनके लिए जीवन स्तर के उच्च स्तर बनाना है। यद्यपि सीएसआर की कोई एक परिभाषा नहीं है, लेकिन वर्तमान में मौजूद प्रत्येक परिभाषा ऐसी गतिविधियां जिनका समाज के कमजोर वर्ग पर प्रभाव पड़ता है पर केंद्रित हैं। सीएसआर की एक व्यापक परिभाषा यूरोपीय संघ द्वारा प्रदान की गई है। यूरोपीय संघ के अनुसार, सीएसआर में व्यापार द्वारा प्रतिबद्धता को काफी और जिम्मेदार ढंग से व्यवहार करने के लिए, और कार्यबल के जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार करते हुए और उनके परिवारों के साथ-साथ थानीय समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज में सुधार करते हुए आर्थिक विकास में योगदान करना शामिल है।[1]

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) सीएसआर को इस तरह परिभाषित करता है:

"एक प्रबंधन अवधारणा जिसके तहत कंपनियां अपने व्यापारिक कार्यों में सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं को समेकित करती हैं और उनके हितधारकों के साथ बातचीत करती हैं। सीएसआर आमतौर पर एक कंपनी के आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक अनिवार्यता ("ट्रिपल-बॉटम-लाइन- दृष्टिकोण") के संतुलन को प्राप्त करती है, वहीं शेयरधारकों और हितधारकों की अपेक्षाओं को संबोधित करती है।"[2]

1.2 उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि सीएसआर का दृष्टिकोण व्यापार की सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने के लिए मुख्य व्यवसाय रणनीति के साथ समग्र और

[1] http://ec.europa.eu/growth/industry/corporate-social-responsibility_en
[2] http://www.unido.org/en/what-we-do/advancing-economic-competitiveness/competitive-trade-capacities-and-corporate-responsibility/csr/what-is-csr.html

एकीकृत है। इसके अलावा, सीएसआर को सभी हितधारकों की भलाई को संबोधित करने की जरूरत है, न कि कंपनी के शेयरधारकों के।

1.3 सीएसआर की विभिन्न परिभाषाओं से स्पष्ट रूप से, विश्व स्तर पर एक और प्रक्रियात्मक प्रवृत्ति, सीएसआर और टिकाऊ विकास की धारणा के बीच अभिसरण है। यह अभिसरण, 2013 में सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी भारत में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता पर वर्तमान दिशानिर्देशों में भी परिलक्षित होता है। वर्तमान दिशानिर्देश जो सीएसआर और स्थिर विकास पर दो अलग-अलग दिशानिर्देशों को प्रतिस्थापित करते हैं 2010 और 2011 में; स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि सीएसआर और स्थिर विकास का घनिष्ठ संबंध है और इसलिए सीएसआर एक व्यापारिक स्तरीकृत से व्यवसाय करने के लिए अपने हितधारकों के लिए एक कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो किआर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से थायी, नैतिक और पारदर्शी है।[3]

1.4 सीएसआर पहल का वर्तमान परिदृश्य उनके उद्देश्यों, मूल, क्षेत्रों के आवरण और कार्यान्वयन तंत्र के संदर्भ में विविधतापूर्ण है। अब ऐसे कई पहल हैं जो सामाजिक और पर्यावरण के मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यहां तक कि सीएसआर के इस जटिल परिदृश्य में, तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय उपकरण हैं - आईएलओ घोषणा, ओईसीडी दिशानिर्देश और यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी) जो सार्वभौमिक हैं और व्यापार के जिम्मेदार संचालन पर विस्तृत सिफारिशें प्रदान करते हैं।.

2. कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी: भारतीय परिदृश्य

2.1 पिछले दशक के बाद से सीएसआर ने चर्चा, अनुसंधान और व्यापार संगठनों के बीच बहुत सी प्रमुखता और महत्व हासिल किया है। भारत में, सीएसआर पारंपरिक रूप से परोपकारी गतिविधि के रूप में मानी जाती थी। कुछ विद्वानों के मुताबिक, हमारे देश में, आज भी सीएसआर एक परोपकारी गतिविधि रही है, लेकिन विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए संस्थागत निर्माण (शैक्षिक, अनुसंधान या सांस्कृतिक) से भी आगे निकल गया है। पीडब्ल्यूसी द्वारा विकसित भारत में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर

[3] https://www.pwc.in/assets/pdfs/publications/2013/handbook-on-corporate-social-responsibility-in-india.pdf

हैंडबुक के मुताबिक, वैश्विक प्रभावों के कारण और समुदाय उनके अधिकारों और अधिकारों से अधिक जागरूक हो गया, वर्षों से भारतीय कंपनियों के सीएसआर के दृष्टिकोण में अधिक सामरिक प्रकृति रही है (जुड़ा हुआ है व्यापार) और परोपकार से परे चले गए हैं। इसके अलावा, अधिक कंपनियां वेबसाइट पर अपने सीएसआर गतिविधियों की रिपोर्ट कर रही हैं, वार्षिक रिपोर्ट और स्थिरता रिपोर्ट.[4]

2.2 नई कंपनी अधिनियम 2013 ने सीएसआर को सबसे आगे लाया और अधिक पारदर्शिता और प्रकटीकरण के लिए धक्का दिया। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अप्रैल 2014 से कंपनी अधिनियम 2013 और सीएसआर के लिए नियम लागू किया। नई कंपनी अधिनियम में बताया गया है कि जिन कंपनियों का नेट वर्थ 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक या 1 हजार करोड़ रुपये या इससे ज्यादा का कारोबार या रुपये का शुद्ध लाभ कि सी दिए गए वित्तीय वर्ष में 5 करोड़ या अधिक अधिनियम और सीएसआर नियमों के प्रावधानों का पालन करना आवश्यक है। अधिनियम की अनुसूची VII सीएसआर गतिविधियों के लिए संशोधित दिशानिर्देशों की सूची बद्ध करता है और यह सुझाव देता है कि समुदाय फोकल बिंदु होना चाहिए। कंपनी के मुख्य संचालन में सीएसआर को एकीकृत करके, कंपनी अधिनियम, यह भी सुझाव देता है कि सीएसआर को समुदाय से परे जाना चाहिए और लोकोपचार की अवधारणा.

2.3 सरकारी कॉरपोरेट सेक्टर दोनों सरकारी वित्त पोषित और निजी में परोपकार की एक समृद्ध परंपरा है और कॉरपोरेट सेक्टर ने समाज के सामान्य कल्याण को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक क्षेत्रों में अंतर को कम करने का प्रयास किया है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने 2009 में "सीएसआर के लिए ैच्छिक दिशानिर्देश" में एक महत्त्वपूर्ण कानून का प्रस्ताव किया था। सीएसआर के दिशानिर्देश एक लोकोपकारी मॉडल से आगे बढ़ने का प्रयास एक अधिक व्यापक दृश्य में शामिल है जिसमें व्यवसायों के फैसले, लक्ष्यों और संचालन में सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों के एकीकरण शामिल हैं और निगमों और उनके हितधारकों के बीच एकीकरण भी शामिल है। दिसंबर 2012 में लोकसभा द्वारा पेश किए गए कंपनी बिल 2011 के अनुसार, सीएसआर पर दो प्रतिशत का खर्च अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसके बारे में रिपोर्टिंग अनिवार्य है। यदि कोई कंपनी आवश्यक राशि खर्च करने में असमर्थ है, तो उसे इसके लिए

[4] https://www.pwc.in/assets/pdfs/publications/2013/handbook-on-corporate-social-responsibility-in-india.pdf

स्पष्टीकरण देना होगा। एक मजबूत सीएसआर नीति विकसित करने और उसी के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संगठनों की बढ़ती आवश्यकता है.

3. भारत डायनेमिप्र लिमिटेड: संक्षिप्त रूपरेखा n

3.1 भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), एक मिनिरत्न - केटीरी आईएसपब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ने 1970 में हैदराबाद में अपनी यात्रा शुरू की। यह रक्षा उद्योग के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करने वाला विश्वस्तरीय उद्यम' होने के लिए दृष्टि थापित किया गया था। इस दृष्टिकोण के साथ समन्वय में संगठन के मिशन को एयरोस्पेस और पानी के नीचे हथियारों के उद्योग में एक अग्रणी निर्माता के रूप में थापित करना और एक विश्वस्तर के परिष्कृत, अत्याधुनिक, वैश्विक उद्यम के रूप में उभरने की बात है। देश की सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत है' [5]

3.2 बीडीएल के तीन विनिर्माण इकाइयां हैं - क) कंचनबाग, हैदराबाद, बी) भानूर, मेडक जिला, तेलंगाना और सी) विशाखापत्तनम, एपी। अपने विस्तार योजना के तहत, बीडीएल दो और यूनिट थापित कर रही है - एक महाराष्ट्र में अमरावती जिले में और तेलंगाना राज्य में इब्राहिमपत्तनम में एक। बीडीएल दुनिया के कुछ ऐसे उद्योगों में से एक है, जिसमें अत्याधुनिक निर्देशित हथियार प्रणालियों का उत्पादन करने की क्षमता है। कंपनी विनिर्माण क्षेत्र के नए रास्तों में प्रवेश करने के लिए तैयार है, जिसमें हथियार प्रणालियों जैसे सरफेस-टू-एयर मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम, हेवीवेट टॉरपीडो, एयर टू एयर मिसाइल आदि की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया जा रहा है, जिससे यह एक विश्वस्तरीय रक्षा उपकरण निर्माता बीडीएल ने मिसाइलों के नवीनीकरण और जीवन विस्तार के क्षेत्र में भी प्रवेश किया है। संगठन ने अपने उत्कृष्ट कार्य और गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति के लिए कई पुरस्कार जीते हैं.

समाज की शाति, सुरक्षा और भलाई के लिए साथक योगदान करने के लिए सगठन का उत्साह भीप्र इसके प्रकॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायिप्र और सतत विकास गतिविधियो के आधार पर दशन में प्र परिलप्रि त होता हैप्र

[5] http://bdl.gov.in/?q=mission-and-vision

4. सीएसआर और सशक्त विकास (एसडी): बीडीएल के उद्देश्य और दृष्टिकोण n

4.1 बीडीएल की सीएसआर और स्थिरता नीति संगठन के मिशन के अनुरूप है। संगठन मानवीय चेहरे के साथ विकास में विश्वास करता है और इसलिए हमेशा लोगों-केंद्रित विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। बीडीएल एक सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध संगठन है और सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक है। संगठन के अंतर्निहित दर्शन पूरे विकास को सुनिश्चित करने और अपने हितधारकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन लाने से राष्ट्र निर्माण का एक अभिन्न हिस्सा बनना है। बीडीएल 1999 से सीएसआर गतिविधियों का प्रदर्शन कर रहा है। डीपीई दिशानिर्देश 2010 से पहले, गतिविधियां प्रकृति में मुख्य रूप से परोपकारी थीं। दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के बाद, गतिविधियों को अधिक संरचित तरीके से लिया जाता है.

4.2 बीएसईएल में सीएसआर का दर्शन और नीति विभिन्न पहलुओं जैसे आधारभूत सर्वेक्षण, प्रमुख प्रबंधकों की क्षमता निर्माण, कर्मचारियों के बीच अभिविन्यास और जागरूकता निर्माण, विभिन्न मंचों में भागीदारी और विभिन्न हितधारकों, गैर-सरकारी संगठनों, अकादमी संस्थान।

4.3 इसके सीएसआर और स्थिरता की गतिविधियों के माध्यम से बीडीएल वंचित समुदायों में सकारात्मक योगदान करने का प्रयास करता है। संगठन समाज के वंचित वर्ग के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वास्थ्य, सामाजिक, शैक्षिक, कौशल निर्माण और बुनियादी ढांचागत पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करता है। संगठन के व्यापक उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

आकृति 1: सीएसआर और सशप्र विकास (एसडी): बीडीएल के उद्देश्य और दृष्टिकोण

- सार्थक विकास के माध्यम से लोगों के जीवन में योगदान और स्थायी विकास सुनिश्चित करना
- व्यापार के हर पहलू और उसके हितधारकों में गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता
- आपूर्ति श्रृंखला में नैतिक व्यवसाय प्रथाओं का पालन करना

4.4 बीडीएल की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रणनीतियों को कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता कार्य योजना (दीर्घकालिक, मध्यम अवधि और अल्पकालिक) के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें परियोजना आधारित दृष्टिकोण है। सीएसआर और एसडी के तहत व्यापार योजना कंपनी के व्यवसाय से संबंधित सामाजिक और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ एकीकृत है। दीर्घकालिक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता योजना कंपनी की दीर्घकालिक व्यावसायिक योजना के साथ समन्वय में है। बीडीएल के मुताबिक, कॉर्पोरेट सोशल एजेंडे अपने हितधारकों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए, लेकिन साथ ही सीएसआर एजेंडा को चुनने में रणनीतिक होना चाहिए।

4.5 संबंधित गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई है

4.5.1 कमजोर वर्गों के विकास के लिए देश के पिछड़े जिले के विशेष ध्यान के साथ। समाज के समावेशी विकास,

4.5.2 पर्यावरण स्थिरता

4.6 पिछड़ा क्षेत्रों में समुदायों के लाभ के लिए क्षमता निर्माण, कौशल विकास और बुनियादी ढांचागत विकास पर प्रथम श्रेणी के पहल की पहल, जिससे किसी को रोजगार और आय सृजन के लिए रास्ते तैयार किए जाएं और आर्थिक सशक्तिकरण में भी शामिल किया जा सकता है और आर्थिक मुख्यधारा में भी शामिल किया जा सकता है।

4.7 प्रारंभिक वर्षों में, बीडीएल ने अपनी सीएसआर और एसडी परियोजनाओं के लिए नालगोंडा जिले का चयन किया था। वर्षों से बीडीएल ने अपने सीएसआर कार्यक्रम के भौगोलिक कवरेज को तेलंगाना में मेडक और रंगारेड्डी जिलों में विस्तारित किया है। वर्तमान में, तेलंगाना के अलावा, संगठन आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में सीएसआर गतिविधियों का भी आयोजन करता है।

4.8 दूसरे श्रेणी में: बीडीएल ने पर्यावरणीय स्थिरता के लिए योजना बनाई है और जल अपशिष्ट या ऊर्जा प्रबंधन, पानी के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देने, जैव-विविधता संरक्षण, कटौती के लिए परियोजनाएं, अपशिष्ट पदार्थों का पुन: उपयोग, वर्षा जल संचयन और पुन: पर्यावरण की स्थिरता पर भू-जल आपूर्ति, संरक्षण संरक्षण और पर्यावरण-व्यवस्था की बहाली, ऊर्जा कुशल और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में कमी, आपूर्ति श्रृंखला को

हरियालीऔरउत्पादनऔरसेवाओंमेंनवाचारजोकिपर्यावरणऔरस्थिरतापरस्पष्टऔरठोसप्रभावपड़ताहै।

आकृति 2: सीएसआर और सशप्र विकास (एसडी) के केंप्र -बिदुप्र

पर्यावरण संरक्षण	बुनियादी ढांचे का विकास	सामुदायिक विकास
• अपशिष्ट पदार्थों का पुन: उपयोग और रीसायकल • बारिश के पानी का संग्रहण • जमीन के पानी को फिर से भरना • संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली • ऊर्जा कुशल और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में कमी।	• पीने के पानी / स्वच्छता • स्वास्थ्य देखभाल / चिकित्सा सुविधाएं • शिक्षा	• कौशल विकास • आपदा प्रबंधन • घरेलू उपयोग के लिए अक्षय ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रोत्साहन

5. कायान्वयन कीप्र क्रिया n

5.1 सीएसआर और एसडी प्रतिबद्धताओ को विकसित करना:

5.1.1 बीडीएलऐसीव्यापारिकगतिविधियोंकोमान्यतादीहैजोसमाजऔरपर्यावरणदोनों परप्रत्यक्षप्रभावडालतीहै।

5.1.2 कंपनी अपने कारोबारी मूल्यों को एक नैतिक और पारदर्शी तरीकेसे एकीकृत करती हैताकि अपने हितधारकों और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हो सके।

5.1.3 समाजपरसकारात्मकप्रभावडालनेके लिएकंपनीलगातारअपनीसामाजिकजिम्मेदारियों, पर्यावरणऔरआर्थिकप्रथाओंमेंसुधारके लिएप्रयासकरतीहै।

5.2 महत्वपूर्ण कार्यान्वयन के केन्द्र बिन्दुओं की पहचान करना और एकीकृत निर्णय लेने वाली संरचना का विकास करना:

5.2.1 जैसा कि सीएसआर और एसडी के कार्यान्वयन में कई फैसलों शामिल हैं, जो किसी कंपनी के व्यवसाय परिचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ते हैं, सीएसआर और स्थिरता के मिशन के अनुसार सीएसआर गतिविधियों के सुचारु कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णय लेने वाली संरचना तैयार की गई है। नीति।

5.2.2 निगरानी तंत्र

- बीडीएल ने कर्मचारियों के बीच सीएसआर और एसडी की जागरुकता फैलाने के लिए आंतरिक तंत्र तैयार किया है। यह पहल प्रबंधन की बैठकों में, कर्मचारियों और अन्य मंचों पर सीएमडी के संचार में साझा की जाती है, जहां कर्मचारियों के एक समूह मौजूद हैं।
- कर्मचारियों के लिए सीएसआर और एसडी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। निपटान अधिकारी को बाहरी/ सीएसआर और एसडी प्रशिक्षण और/ या अन्य पीएसयू के साथ संपर्क के लिए नामित किया जा सकता है।
- नए पदाधिकारी के मामले में सीएसआर और एसडी पर एक सत्र शामिल/ अभिविन्यास कार्यक्रम में शामिल किया गया है।
- सीएसआर और एसडी गतिविधि को मापने योग्य लक्ष्य के साथ परियोजना मोड में क्रियान्वित किया जाता है।
- बीडीएल बाहरी विशेष विश्वसनीय एजेंसियों की मदद से चयनित परियोजनाओं को लागू कर रहा है। आंतरिक मानव शक्ति, जब आवश्यक हो, कार्यान्वयन में जुड़ा हुआ है।
- परियोजना का मूल्यांकन, जब कि यह चल रहा है और जब भी स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है
- महत्वपूर्ण संकेतकों के साथ मॉनिटरिंग किया जाता है, समयबद्ध बजट और सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी, जहां कहीं भी आवश्यक हो। निगरानी आंतरिक अधिकारी और कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा किया जाता है।
- सीएसआर गतिविधियों के कार्यान्वयन और निगरानी पर बोर्ड स्तरीय समिति द्वारा नियुक्त किया जाएगा, जो स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता वाली बोर्ड स्तरीय समिति के लिए परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करेगा।

- बोर्डस्तरस्के नीचेस्एकस्अधिकारीस्सीएसआरस/ एसडीस्गतिविधियोंस्के लिएस्नोडलस अधिकारीस्है, उन्हेंस्अधिकारियोंस्कीस्टीमस्द्वारास्सहायतास्प्रदानस्कीस्जातीस्है।स्नोडलस अधिकारीस्एक स्वतंत्रस्निदेशकस्कीस्अध्यक्षतास्मेंस्सीएसआरस्औरस्एसडीस्बोर्डस्स्तरीयस समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। स्वतंत्र निदेशक, बदलेस्में, प्रत्येकस्तिमाहीस्मेंस्एकस्बारस बोर्डस्को रिपोर्ट पेश करेंगे। यह सीएसआर और एसडी पर दो स्तरीय संगठन बनाएगा।स

5.2.3 सीएसआर और एसडी समिति: (सरचना और काय)

बीडीएलस्नेस्दोस्समितियोंस्कास्गठनस्कियास्है, अर्थातस्एकस्बोर्डस्स्तरस्समितिस्औरस्दूसरीस सीएसआरस्गतिविधियोंस्के तहतस्परियोजनाओंस्कीसनिगरानीस्के लिएस्बोर्डस्स्तरीयस्कमेटीस्के नीचे।स

ए) बोड स्तर समिति में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. संयुक्तस्सचिवस्(ईएसई), एमओडीस्- अध्यक्षस
ii. निदेशकस्(तकनीकी), बीडीएलस्- सदस
iii. निदेशकस्(वित्त), बीडीएलस्- सदस
iv. कार्यकारीस्निदेशकस्(पीस्एंडस्ए), बीडीएलस्- सदस सचिवस

बी) बोड स्तर समिति में बीडीएल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं:

i. कार्यकारीस्निदेशकस्(पीस्एंडस्ए) – अध्यक्षस
ii. महाप्रबंधकस्(तकनीकी।स्सेवा) – सदस
iii. एजीएमस्(सिविलस्एंडस्इन्फ्रा) – सदस
iv. एजीएमस्(सीपी) भानूरस्यूनिटस्- सदस
v. डीजीएमस्(पीस्एंडस्एस्- सीएसआर) – सदस
vi. डीजीएमस्(एफआईएन।) एसजीस्1 – सदस
vii. प्रबंधकस्(पीस्एंडस्ए-कॉरप) - सदस सचिवस

• कंपनी की ओर से सीएसआर और एसडीजी गतिविधियों को लेने के लिए समिति संभावित गैर-सरकारी संगठनों और अन्य एजेंसियों की पहचान करती है।

• आधारभूत सर्वेक्षण (बेसलाइन) करने के बाद समिति, एकत्रित जानकारी के आधार पर सेवा गतिविधियों को तैयार करती है।

• समिति स्पेशेवर निकाय जैसे गैर-सरकारी संगठनों की मदद करती है ताकि स्वे स्वर्ष के लिए अपनी सीएसआर और एसडीजी योजना तैयार कर सकें।

• समिति को कार्यक्रम तैयार करने के लिए आवश्यक बजट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और प्रबंधन से मंजूरी प्राप्त की गई है।

प्रस्तावित गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए सरकारी और अन्य एजेंसियों के साथ समिति तंत्र विकसित करती है।

5.3 सीएसआर और एसडी परिचालनात्मक योजना तैयार करना:

5.3.1 परियोजना आधारित दृष्टिकोण:

अपनेसीएसआरकार्यक्रमोंकीस थापनाकेबादसे, बीडीएलनेएकपरियोजनाआधारितजवाबदेही दृष्टिकोणकापालनकियाहैऔरपहलकीदीर्घकालिकस्थिरतापरबलदियाहै।संगठनके सीएसआर और एसडी योजना को निम्नलिखित प्रमुखों के तहत वर्गीकृत किया गया है-

- अल्पावधि- एकवर्षसेकम
- मध्यमअवधि- 1 वर्षसे3 सालतक
- दीर्घकालिक- 3 सालसेअधिक

5.3.2 सीएसआरकार्यक्रमोंकीपहचानकरतेसमय, निम्नलिखितकोपरिभाषितकरनेकेलिएध्यानदियागयाहै:

- कार्यक्रमकेउद्देश्य
- आधारभूतसर्वेक्षण- यहउसआधारकोदेगाजिसकीतुलनामेंपरिणामकोमापाजाएगा।
- कार्यान्वयनकार्यक्रम
- जिम्मेदारियांऔरअधिकार
- प्रमुखपरिणामअपेक्षितऔरमापनीयपरिणाम

5.4 रिपोर्टिंग और प्रकटीकरण:

5.4.1 सीएसआर औरएसडी गतिविधियो की रिपोर्टिंग निम्नलिखित तरीकेसे की जातीप्र है:

i. आंतरिक-

- नोडलऑफिसरसीएसआरएंडएसडी, बोर्ड-स्तरीयसमितिकेनिदेशकोमासिकरिपोर्टप्रस्तुतकरताहै।
- स्वतंत्रनिर्देशकतीनमहीनेमेंएकबारकंपनीकेनिदेशकमंडलकोएकविस्तृतरिपोर्टपेशकरताहै।

ii. बाहरी-

- संगठनकीवार्षिकरिपोर्टमेंउसवर्षमेंकिएगएसीएसआरऔरएसडीकार्यक्रमोंपरएकअनुभागशामिलहोताहै
- बीडीएलअपनीवेबसाइटपरसीएसआरऔरएसडीसेसंबंधितसभीप्रासंगिकरिपोर्टप्रदर्शितकरताहै।.

5.5 मता निमाण पहल::

5.5.1 सीएसआरऔरएसडीएंडकार5% क्षमतानिर्माणपहलपरखर्चहोताहै।सीएसआर औरएसडीसमितिस/ टीमस/ विभागकेसदस सीएसआरऔरएसडीकेविभिन्न पहलुओंपरप्रशिक्षितहोतेहैं।सीएसआरकेविभिन्नपहलुओंमेंज्ञानकाप्रसारकरनेके लिएसहायताविशेषज्ञोंकेसाथआंतरिकऔरबाह्य प्रशिक्षणकार्यक्रमोंकाआयोजनकियागयाहै

5.6 आकलन / आधारभूत सर्वेप्र ण की आवप्र कता:

5.6.1 बीडीएलनेस्टीआईएसएस(TISS), एनसीएसआरहबकेसाथएमओयूपरहस्ताक्षर किएहैं।2012 मेंआईआईपीकेसाथसाझेदारीमेंस्टीआईएसएसनेआंध्रप्रदेशकेनालगोंदाजिलेकेनारायणपुरऔरचट्टोप्पलमंडलमेंसीएसआरहस्तक्षेपक्षेत्रोंकीपहचानकेलिएआवश्यकआकलन/ आधारभूतसर्वेक्षणकिया।.

5.6.2 आवश्यकआकलन/ आधारभूतसर्वेक्षणकेमाध्यमसेपहचानेगएहस्तक्षेपकेविभिन्न क्षेत्र:

- स्वच्छता >
- पीनेकापानी >
- स्वास्थ्य देखभाल >
- आजीविकाकार्यक्रम >
- सड़क >
- वृद्धलोगों कोसेवा >

6. व्यय पत्रक (बीडीएल-सीएसआर)

तालिका वर्ष 2011-12 से 2014-15 तक सीएसआर का सालाना खर्च प्रस्तुत करती है।

तालिका 1: वष 2011-12 से 2014-15 तक सीएसआर का सालाना खचप्र

Year	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
व्यय (लाख रुपये में)	15	132	288	416

बीडीएल ने 2015-2016 में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत 11, 26, 74, 818 / - रुपये की राशि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत गतिविधियों के निष्पादन के लिए निर्धारित की थी। तालिका 2 बीडीएल, उनके कवरेज क्षेत्र, कार्यान्वयन भागीदारों और साथ ही पहल के निष्पादन के लिए आवंटित धन द्वारा समर्थित सीएसआर कार्यक्रमों की सूची को दिखाती है

तालिका 2: 2015-2016 में की गयी सीएसआर गतिविधियाप्र

माकप्र	परियोजनाप्र	भौगोलिकप्र`प्र	कायान्वयनप्र	खच राशिप्र
1	मिड-डे मील	पतंचरु मंडल, तेलंगाना और विशाखापट्नम, आंध्र प्रदेश	मेसर्स अक्षय पात्र फाउंडेशन (टीपीएफ़)	1,05,51,856
2	स्वास्थ्य देखभाल	नलगोंडा जिले के नारायणपुर और छोटुप्पल मंडल, तेलंगाना	मैसर्स हेल्पएज इंडिया	16,38,880
3	स्वास्थ्य देखभाल	नर्सिपट्नम मंडल, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश	मैसर्स हेल्पएज इंडिया	9,71,309
4	सुरक्षित पेयजल	नलगोंडा जिले के नारायणपुर मंडल, तेलंगाना	मैसर्स नंदी फाउंडेशन	4,50,000
5	ई- सागु	मेडक जिले में चयनित गांव, तेलंगाना	आईआईआईटी, हैदराबाद	30,00,000
6	2 जैव शौचालय के क्लस्टर	जलेश्वर और चंदनेश्वर, बालासोर जिला	मैसर्स फिक्की	7,10,000

माकप्र	परियोजना	भौगोलिक क्षेत्र	खर्च राशि
7	सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण	मेडक, रंगारेड्डी और नालगोंडा जिले, तेलंगाना और विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश	3,71,60,853
8	आशा स्कूलों को (सभी मौसम) चिकित्सा मशीनें		3,50,000,00
9	कौशल विकास कार्यक्रम	महाराष्ट्र	2,19,440
10	200 किलोवाट ग्रिड, सौर ऊर्जा संयंत्र कांचनबाग	हैदराबाद	1,22,94,671
11	औद्योगिक आरओ प्लांट	केबीसी कंचनबाग हैदराबाद	1,01,89,000
12	ऊर्जा बचत पर गतिविधियां		1,66,759
13	(वार्षिक रिपोर्ट प्रभाव आकलन)		3,22,050
	कुल		**11,26,74,818**

7. भारत डायनामिक्स लिमिटेड- केबीसी, हैदराबाद की नवीकरणीय और अक्षय ऊर्जा पहल

ग्रिड से जुड़े सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) छत के शीर्ष पावर प्लांट्स को 2015-16 के दौरान निम्नलिखित स्थानों पर स्थापित किया गया:

- मुख्य कैंटीन के भवन के छत के शीर्ष पर कमीशन किए गए सौर पीवी पावर प्लांट से जुड़े 100 केडब्लूपी ग्रिड; दिसंबर 2015 से परिचालन
- 100 केडब्ल्यूपी ग्रिड से जुड़े सौर पीवी पावर प्लांट को डीएंडई इमारत के छत के ऊपर बनाया गया था और यह फरवरी 2016 से चालू है।

प्रतिवर्ष 100 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्रों की औसत वार्षिक पीढ़ी 180000 किलोवाट (500 किलोवाट प्रति दिन) ऊर्जा का है। प्रति वर्ष अनुमानित पीढ़ी लागत रु। 11, 59,200 / - एक औसत टैरिफ के साथ रु 4.4 प्रति किलोवाट जो वर्तमान में बीडीएल द्वारा भुगतान किया जा रहा है। अनुमानित लौटाने की अवधि लगभग 6-7 साल होगी।

पीवी सौर प्रणाली पर्यावरण के अनुकूल है क्योंकि यह गैर-प्रदूषणकारी, नवीकरणीय ऊर्जा पैदा करता है। 25-वर्ष की अवधि में, प्रत्येक 100 किलोवाट सौर प्रणाली 80 टन सी ओ 2 (co2) द्वारा ग्राहक के कार्बन पदचिह्न को ऑफसेट करेगी, या प्रभावी रूप से 105 एकड़ जंगल रोपण के बराबर होगा।

8. भारत डायनेमिप्र लिमिटेड के केबीसी, कचनबाग, हैदराबाद- औद्योगिक n आरओप्र ाट n

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के केबीसी, कंचनबाग, हैदराबाद में 1,01,8 9, 000 रूपए के निवेश के साथ एक औद्योगिक आरओ प्लांट स्थापित किया है। मिट्टी और जल प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ एपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए; बीडीएल ने एक औद्योगिक आरओ प्लांट लगाया है। आरओ प्लांट में 30,000 लीटर प्रति दिन और 24,000 लीटर प्रति दिन की प्रक्रिया के रूप में उत्पादन की क्षमता है।

इलेक्ट्रोप्लेटिंग शॉप से बिजली के उपचार के लिए बीडीएल का एक ईटीपी संयंत्र है। आरओ प्लांट की स्थापना से बीडीएल को कचरे के उत्पादन को कम करने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी और पर्यावरण पर न्यूनतम नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जिससे किसी भी तरह की नकारात्मक बाहरीता से बचा जा सकेगा।

आरओ प्लाट का महप्र :

• अपने इलेक्ट्रोप्लेटिंग शॉप के लिए आरओ के पानी का उपयोग करके पानी की खपत को कम करना।

· आरओ का पानी बागवानी के प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाता है और इसलिए हरे कवर को बनाए रखने में मदद करता है।

· कम ऊर्जा की आवश्यकताएं, जैसा कि चरण परिवर्तन के बिना पृथक्करण किया जाता है।

· कम से कम उपलब्ध स्थान में स्थापना करने के लिए कॉम्पैक्ट सिस्टम।

· मानकीकृत उपकरण का उपयोग, जनशक्ति को प्रशिक्षित करना आसान।

· मानव शक्ति उपयोग को कम करने के लिए स्वचालित सिस्टम

· आसान रखरखाव प्रदान करने के लिए मॉड्यूलर डिजाइन, रखरखाव के लिए संयंत्र को बंद करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

· अधिष्ठापन प्रणाली के फायदे गैर-प्रदूषणकारी, नि: शुल्क, नवीकरणीय उत्पादन के द्वारा पर्यावरण के अनुकूल है

· हानिकारक खनिजों और लोहे, सीसा और मैंगनीज सहित लवणों के प्रभावी हटाने का तरीका

· बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्मजीवों का हटाया जाना।

· मिट्टी और जल प्रदूषण में कमी।

इस पहल से अनावश्यक भूजल की कमी की रोकथाम और भूमिगत जल की गुणवत्ता को बनाए रखने में मदद मिलेगी जिससे इसे पीने और अन्य उद्देश्यों के लिए सुरक्षित किया जा सके।

9. आशा स्कूलो में सभी मौसम के लिए जल-चिकित्सा मशीन n

सीएसआर पहल के रूप में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने भारतीय सेना के तहत आधे दर्जन आशा विद्यालयों को सभी मौसमों में जल-चिकित्सा मशीनों को प्रदान किया है। इस पहल के लिए कुल निवेश 3,50,000,00 था बीएसडीएल ने हिसार, मथुरा, इलाहाबाद, भटिंडा, लखनऊ और गुवाहाटी में आशा विद्यालयों में सभी मौसमों में जल चिकित्सा सुविधा की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।[6]

आशा प्रूल:

आशा विद्यालय विशेष विद्यालय हैं जो दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना के तहत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापित किए गए हैं। बच्चों के विकास के लिए विशेष शिक्षक, भौतिक चिकित्सक, संगीत और सहायक शिक्षकों को रोजगार दिया जाता है। स्कूलों का उद्देश्य कौशल प्रदान करके विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए एक सक्षम माहौल बनाना है जो उन्हें अपने रोज़मर्रा के जीवन में कमा सकने में मदद करेंगे। आशा विद्यालय विकलांग बच्चों, मानसिक मंदता (एमआर), सुनवाई में हानि (एचआई), अस्थिरिक रूप से विकलांग और दूसरों (दृश्य हानि के अलावा) के रूप में विकलांगों के विभिन्न प्रकार के बच्चों को पूरा करते हैं।

---

[6] जल चिकित्सा या हाइड्रोपैथी दवाओं के वैकल्पिक तंत्र जैसे निसर्गोपचार, व्यावसायिक चिकित्सा और फिजियोथेरेपी का हिस्सा है। इसमें दर्द से राहत और उपचार के लिए पानी का उपयोग करना शामिल है। इसमें चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए एक व्यापक रेंज की दृष्टिकोण और विधियां शामिल हैं, जो रक्त परिसंचरण को उत्तेजित करने और कुछ बीमारियों के लक्षणों का इलाज करती हैं। जल उपचार सामान्यतः चिकित्सा के सहायक के रूप में प्रयोग किया जाता है।.

स्थिति:

निर्माणकार्यकीस्थितिनिम्नानुसारहै:

तालिका 3: जल चिकित्सा सुविधाओ के निमाण काय की स्थिति

क्रम	**स्थान**	**प्रगति / स्थितिप्र**
1.	आशाविद्यालय, हिसार	निर्माणकार70-80% पूराकियागया
2.	आशाविद्यालय, मथुरा	25% निर्माणकार्यपूराकियागया
3.	आशाविद्यालय, इलाहाबाद	10% निर्माणकार्यपूराकियागया
4.	आशाविद्यालय,भटिंडा	80% निर्माणकार्यपूराकियागया
5.	आशाविद्यालय, लखनऊ	प्रगतिपरपुन: निविदाएं
6.	आशाविद्यालय, गुवाहाटी	आरएफपी(प्रस्तावकेलिए अनुरोध) के लिए दूसराअनुरोधप्रगतिपरहै

II. कायप्रणाली n

1. अवलोकन n

1.1 अध्ययनकाव्यापकउद्देश्यविश्लेषणकरनाहैकिक्याइ2015-2016 मेंकिएगएबीडीएलके सीएसआरपहलके लाभलक्ष्यआबादीतकपहुंचगएऔरलोगोंके जीवनमेंकिएगए सकारात्मकबदलावों काद्दस्तावेजकियागया।जैसाकिप्रारंभिकअध्यायमेंवर्णितहै, बीडीएल के सीएसआरकार्यक्रममेंवंचितसमुदायोंके लोगोंकीजिंदगीकीगुणवत्तामेंसुधारलानेके लिएएकसमग्र दृष्टिकोणअपनायागयाहै।बीडीएलद्वाराकिएगएप्रत्येकसीएसआरपहलका एकविशिष्टउद्देश्यहैजो स्वास्थ्य आवश्यकताओंके साथ-साथलोगोंके सामाजिक-आर्थिक विकासकोदर्शाताहै।बीडीएलकासीएसआरकार्यक्रम स्वास्थ्य, पानीऔर स्वच्छता, शिक्षा, कौशलविकास, बुनियादीढांचेके विकास, ऊर्जासंरक्षण, कृषिविकासऔरपर्यावरणीय स्थिरतापरकेंद्रितहै।

2. अनुसधान डिजाइन n

2.1 अध्ययनअनिवार्यरूपसेवर्णनात्मकहैजोपहलकीयोजनाऔरकार्यान्वयनकावर्णनकरता है, उपयोगकर्ताओंसेप्रतिक्रियाप्रदानकरताहैऔरपहचानिर्धारितकरनेमेंमददकरताहैकिक्या प्रयासोंनेअपेक्षितउत्पादनऔरपरिणामदिया।अध्ययनके भागके रूपमेंदोनों मात्रात्मकऔरगुणात्मकडेटाएकत्रकिएगएहैं।लाभार्थियोंसेमात्रात्मकजानकारीएकत्रकीगई थीमात्रात्मकजानकारीएकत्रकरनेके लिएतर्कअध्ययनके प्रभावकोस्थापितकरनाथा।लाभार्थियों सेगुणात्मकजानकारीएकत्रकीगईहै

3. डेटा सकलन n

3.1 डेटासंग्रहअध्ययनकाअभिन्नअंगहै।अध्ययनके लिएडेटाएकत्रकरनेके लिएविभिन्न उपकरणों काउपयोगकियागया।

3.2 अध्ययनके लिएप्राथमिकआंकड़ेलाभार्थियोंसेएकत्रकिएगएथेऔरसाथहीप्रश्नावलीऔर साक्षात्कारकार्यक्रमोंके माध्यमसेएजेंसियोंकोकार्यान्वितकियागयाथा।लाभार्थियोंके साथ साक्षात्कारकाउद्देश्यकार्यक्रमके प्रभावऔरप्रतिक्रियाओंके लिएसुझावोंकोप्राप्तकरनाथा।कार्यान्वयनएजेंसियोंके साथसाक्षात्कारनेकार्यक्रमकीअवधारणाऔरडिजाइन,

कार्यक्रम को लागू करने में शामिल चुनौतियों और बीडीएल के साथ उनकी भागीदारी के बारे में जानकारी प्रदान की।

3.3 लाभार्थियों के लिए प्रश्नावली में ज्यादातर समापन प्रश्न शामिल थे। कार्यान्वयन एजेंसियों के अधिकारियों के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम हालांकि, ओपन एंडेड प्रश्न शामिल थे।

3.4 सीएसआर और बीडीएल के थायी विकास गतिविधियों के बारे में माध्यमिक डेटा (जैसे कि कार्यान्वयन एजेंसियों, व्यय विवरण, सीएसआर नीति के साथ एमओयू) संगठन द्वारा प्रदान किए गए थे।

4. अध्ययन के उपकरण n

4.1 लाभार्थियों के लिए प्रश्नावली

4.2 कार्यान्वयन एजेंसियों के अधिकारियों के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम

4.3 भारत डायनामिक्स लिमिटेड के अधिकारी के लिए इंटरव्यू शेड्यूल

5. नमूना और नमूना आकार का तरीका n

5.1 संबंधित सीएसआर कार्यक्रमों के साक्षात्कार के लिए उत्तरदाताओं का चयन करने के लिए यादृच्छिक नमूना पद्धति का उपयोग किया गया था। नमूना लेने की इस पद्धति का इस्तेमाल किया गया था ताकि समूह का निष्पक्ष प्रतिनिधित्व हो। अध्ययन के भाग के रूप में, एएससीआई की टीम ने निम्नलिखित सीएसआर परियोजनाओं पर प्राथमिक आंकड़े एकत्र किये: मध्य भोजन, मोबाइल मेडिकर यूनिट, ई-सागु, सुरक्षित पेयजल और जैव-शौचालय।

5.2 प्रत्येक पहल के लिए नमूना आकार लाभार्थियों के कुल सेट का 10 प्रतिशत था।

आकृति 3: भौगोलिकप्र` n

मिड डे मील प्रोग्राम (तेलगाना और आध्र प्रदेश)

पतचरु, मेडक जिलाप्र

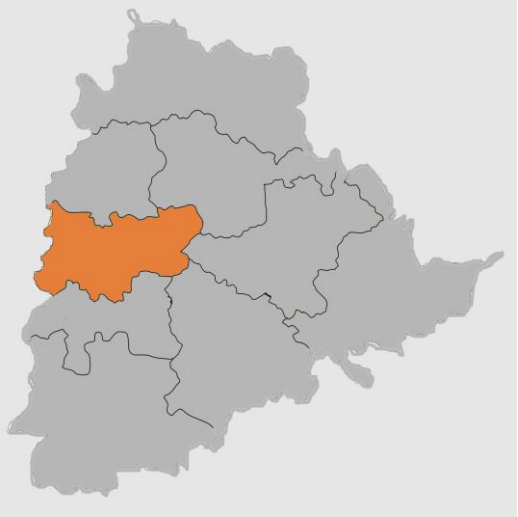

विशाखापत्तनम

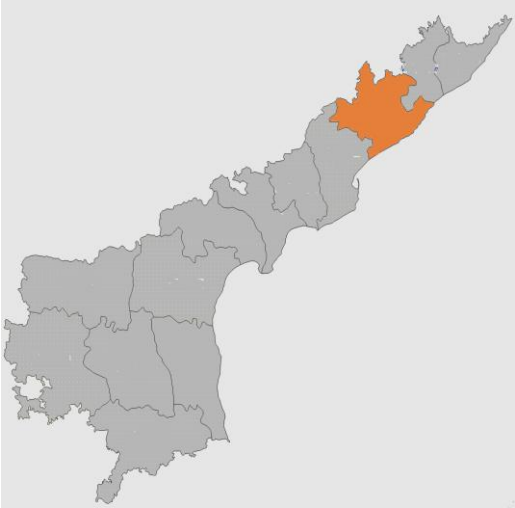

स्वाप्र देखभाल (तेलगाना और आध्र प्रदेश)

नारायणपुर और चौतुपपालप्र
नलगोडाप्र

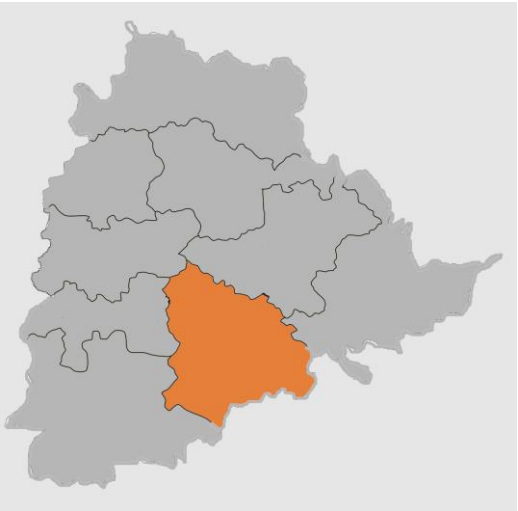

नसिपट्नम, विशाखापत्तनमप्र

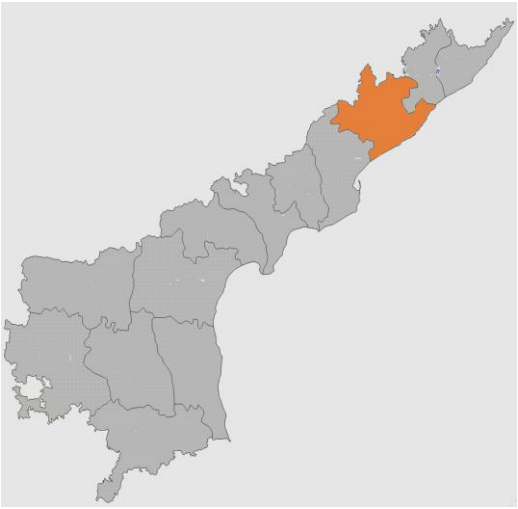

ई-सागू (तेलेगना)

चयनित गाव, मेडक n

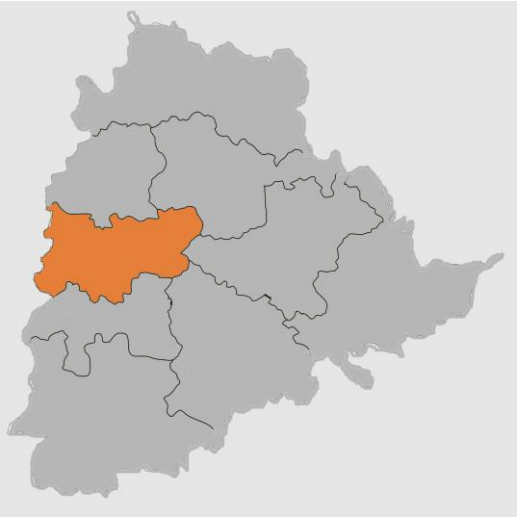

सुरक्षित पेय जल (तेलागना)

नलगोडा n

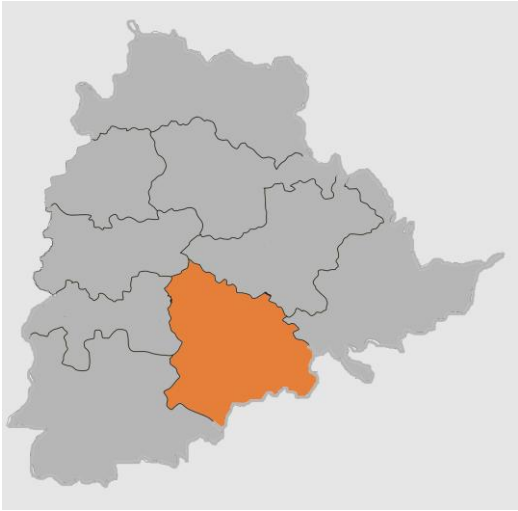

जैव - टॉयलेटप्र

बालासोर (ओडिशा)

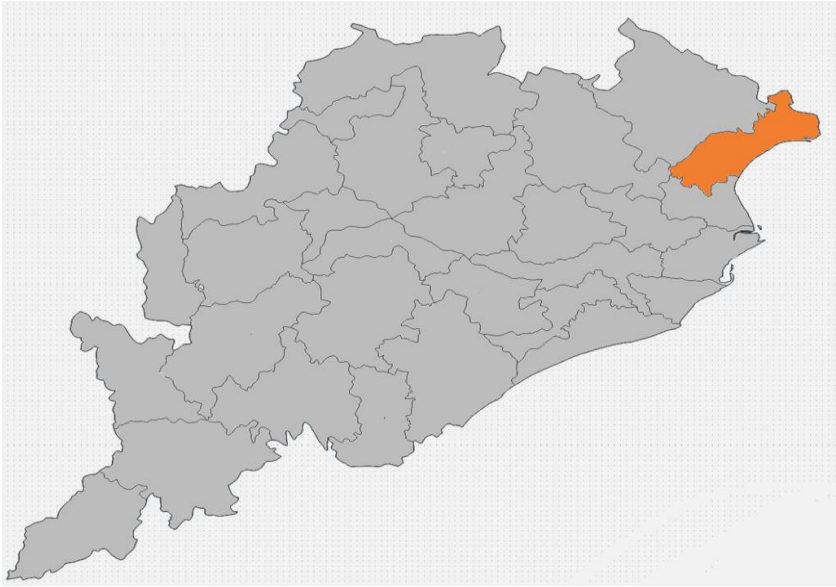

सरकारी स्कूलों में शौचालय (तेलागना और आंध्र प्रदेश)

III. परियोजना अवलोकन n

1. सुरक्षित पेय जल n

1.1. पृप्रभूमिप्र

सुरक्षितस्पानीस्कीस्पहुंचस्एकस्मौलिकस्मानवीयस्अधिकारस्है, लेकिनस्आजस्भीस्बहुतस्सेस्लोगोंस्कोस्येस्उपलब्धस्नहीं हैस।[7] विश्वस्जलस्दिवसस्2016 केस्अवसरस्परस्वाटरएडस्द्वारास्प्रकाशितस्हालियास्रिपोर्टस्केस्अनुसारस1990 केस्बादस्सेस्लोगोंस्तकस्साफस्पानीस्पहुँचानेस्मेंस्अभूतपूर्वस्प्रगतिस्हुईस्हैस्परन्तुस्अबस्भीस16 देशोंस्मेंस्40 प्रतिशतस्सेस्अधिकस्जनसंख्यास्बुनियादीस्जलस्सुविधास्कीस्पहुँचस्सेस्बाहरस्है।स्वॉटरएडस्विश्लेषणस्सेस्पतास्चलतास्हैस्किस्जिनस्देशों मेंस्सबसेस्ज्यादास्लोगस्सुरक्षितस्औरस्सस्तेस्पानीस्कीस्आपूर्तिस्सेस्वंचितस्हैं, भारतस्उनमेंस्सेस्एकस्है।स्भारतस्मेंस्जलस्संसाधनस्काफीस्खराबस्हैस्औरस्इसकेस्परिणामस्वरूप गरीब लोगों का एक बड़ा हिस्सा पानी की खराब गुणवत्ता प्राप्त करता है।स्लोगोंस्के स्वास्थ्य परस्पानीस्कीस्खराबस्गुणवत्तास्कास्महत्वपूर्णस्प्रभावस्पड़तास्है।स्जलस्जनितस्रोगोंस्कीस्घटनाएंस्बढ़स्जातीस्हैंस्औरस्यह स्वास्थ्य देखभालस्परस्गरीबस्लोगोंस्द्वारास्किएस्गएस्व्ययस्कोस्बढ़ातास्है।स्

इसस्प्रकार, रिपोर्ट: पानीस्कीस्कीमतस्क्यास्है? विश्वस्के जलस्राज्यस2016 कास्तर्कस्हैस्किस्टिकाऊस्विकासस्के वैश्विकस्लक्ष्योंस्कोस्प्राप्तस्करनेस्के लिए, यहस्आवश्यकस्हैस्किस्देशस्राष्ट्रीयस्प्रणालियोंस्कास्निर्माणस्करस्सकेंस्जोस्हरस्जगहस्हरस्किसीस्के लिएस्पानी, ास्थ्य और स्वच्छतास्तकस्सार्वभौमिकस्पहुंचस्सुनिश्चितस्करे।स्

सुरक्षितस्पानीस्कीस्आपूर्तिस्और स्वास्थ्य, शिक्षास्तथास्आर्थिकस्अवसरोंस्के साथस्उसकेस्संबंधोंस्के महत्वस्को स्वीकारस्करतेस्हुएस्भारतस्डायनेमिक्सस्लिमिटेडस्नेस्अपनेस्सीएसआरस्पहलस्के तहतस्समुदायस्के गरीबस्लोगोंस्कोस्सुरक्षितस्पीनेस्कास्पानीस्उपलब्धस्करानेस्परस्ध्यानस्केंस्द्रितस्करनेस्कास्फैस्सलास्किया।स्

2012 मेंस्टाटास्इंस्टीट्यूटस्ऑफस्सोशलस्साइंसेजस(टीआईएसएस) द्वारास्किएस्गएस्बेसलाइनस्सर्वेक्षणस्के अनुसार, नालगोंडास्जिले में कुस्छस्मंडलोंस्मेंस्पानीस्उच्चस्फ्लोराइडस्युक्त होता है जोस्दांतोंस्औरस्हड्डियोंस्के लिएस्हानिकारकस्होतास्हैस्औरस्इससेस्दंतस्क्षयस्कंस्कालस्फ्लोरोसिसस्होस्सकतास्

[7] http://wateraidindia.in/media_release/wateraid-releases-water-at-what-cost-the-state-of-the-worlds-water-to-mark-world-water-day-2016/

है। पानी में फ्लोराइड सामग्री की स्वीकार्य मात्रा 0.6 से 1.2 मिलीग्राम/ लीटर है, लेकिन इस क्षेत्र में फ्लोरैड की सामग्री को 0.1 से 8.8 मिलीग्राम/ लीटर के बीच रेखांकित किया गया है और इसके परिणामस्वरूप इस जिले में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

2012 में बीडीएल और नंदी फाउंडेशन ने नलगोंडा जिले में तीन गांवों में तीन साल की अवधि के लिए सुरक्षित पेयजल संयंत्रों की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। स्थापना से सितंबर 2015 के अंत तक आवंटित कुल धन 7 9, 24,148/ - रुपए था। अक्टूबर 2015 में, बीडीएल और नंदी फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन और तीन साल के लिए बढ़ा दिया गया है। एमओयू के अनुसार, बीडीएल ने प्लांट संचालन और रखरखाव के लिए तीन साल के लिए 16.20 लाख रुपये की राशि आवंटित की है।

1.2. नदी फाउडेशन: सक्षिप्त प्रोफ़ाइल

नंदी फाउंडेशन गरीबी उन्मूलन के लिए एक मिशन के साथ वर्ष 1998 में स्थापित एक सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास है डॉ के अंजी रेड्डी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष थे। वर्तमान में संगठन का नेतृत्व आनंद महिंद्रा कर रही है। नंदी एक नई पीढ़ी के सामाजिक संगठन है, जो सुरक्षित पेयजल, बाल विकास और टिकाऊ आजीविका के क्षेत्रों में नवीन, लागत प्रभावी और टिकाऊ समाधान प्रदान करने के लिए काम कर रही है। इन क्षेत्रों में नंदी फाउंडेशन की पहल ने 13 भारतीय राज्यों के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में लगभग 30 लाख लोगों के जीवन को छुआ है।.[8]

[8] विवरण के लिए देखें www.naandi.org

1.2.1. पहल: एक अवलोकन

आकृति 1: बीडीएल समथित सुरक्षित पेयजल परियोजना का भौगोलिक प्र`प्र

जैसा कि पहले उल्लेखित संदीप फाउंडेशन ने बीडीएल के सहयोग से क्रमशः नारायणपुर, जांगांव और पीपलपाड के गांवों में नलगोंडा में तीन जल उपचार संयंत्र स्थापित किए थे।.

1.3. सामुदायिक जल सेवाओ की सरचना

सामुदायिक जल सेवा के निर्बाध काम काज सुनिश्चित करने के लिए ग्राम स्तर पर, एक जल केंद्र ऑपरेटर और एक सामुदायिक आयोजक की भर्ती की गई है। समुदाय आयोजक सुरक्षित पीने के पानी के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए व्यापक समुदाय की गतिविधियों को भी संचालित करता है। टीम में शामिल हैं -

- तकनीशियन - जो नियमित रूप से निवारक रखरखाव के लिए संयंत्र का दौरा करता है -
- ब्रेकडाउन विश्लेषक -
- क्षेत्रीय अधिकारी (दूरी के आधार पर 10-15 संयंत्र के प्रभारी)
- क्लस्टर हेड (30-35 संयंत्र के क्लस्टर के प्रभारी)
- क्षेत्रीय हेड (पूरे क्षेत्र के प्रभारी)

1.3.1. सामुदायिक जल सेवा के समय

जल केंद्र लाभार्थियों को दो बार दैनिक शुद्ध पानी प्रदान करता है। समय हैं:

- सुबह: 6 बजे - 10 बजे
- शाम: 5 बजे से रात 9 बजे

1.4. स्पॉट विज़िट और इटरैप्र नप्र

1.4.1. स्पॉट विज़िट:

एएससीआईस्कीसएकस्टीमस्नेस9 सितंबरस2016 कोस्नालगोंडासजिलेस्मेंस्नारायणपुर, जनगांवस्औरस्पीपलस्पहाड़स्मेंस्तीनसगांवोंस्कास्दौरासकिया।स्इससयात्रास्कास्उद्देश्यसग्रामीणोंस सेस्सुरक्षितस्पीनेस्के पानीस्के संबंधस्मेंस्समस्याओंस्कास्सामनास्करनेस्के लिएसग्रामीणोंस्के साथस्बातचीतस्करनास्था, संबंधितसगांवोंस्मेंस्सामुदायिकस्जलस्केंद्रसएएससीआईस्के संकायस नेसग्रामीणोंस(पुरुषोंस्औरस्महिलाओं) के साथ-साथसगहराईस्सेस्साक्षात्कारस्के साथ-साथस समूहस्चर्चाओंस्कास्भीस्आयोजनसकिया।सप्रत्येकसगांवस्में, टीमस्नेस20-25 लाभार्थियोंस्सेस्बातस की।सयात्रास्के दौरानस्कुलस70 लाभार्थियों कोस्कवरसकियासगयास्था।स

शिवानीस्औरस्अनुशास्के साथस्बातचीत: सुरक्षितस्पेयजलस्कार्यक्रमस्के प्रभारी, नंदीस फाउंडेशनस्कीसशिवानीस्औरस्अनुशास्नेसटिप्पणीस्कीस्हैसकिसग्रामीणोंस्औरस्शहरीस्झुग्गीस निवासियोंस्के लिएसएकस्सस्तीस्कीमतस्परस्सुरक्षितस्पेयजलस्कीस्व्यवस्थासनंदीसफाउंडेशनस के प्राथमिकस्क्षेत्रोंस्मेंस्सेसएकस्है।सस्संगठनस्नेस्अबस्तकस्तेलंगानास्मेंस58 समुदायस्जलस्केंद्रस थापितसकिएस्हैं।स्इनस्सामुदायिकस्जलस्केंद्रोंस्कासप्राथमिकस्उद्देश्यसग्रामीणस्औरस्शहरीस गरीबोंस्के बीचस्जलस्जनितसरोगोंस्कीसघटनाओंस्कोस्कमस्करनेस्के लिएसउन्हेंसपीनेस्के लिएस सुरक्षितसपेयजलसप्रदानस्करनास्है।स

नंदीस्सामुदायिकस्जलस्सेवास्परियोजनास्कीस्अवधिस्मेंस्कईसगतिविधियांस्करतीस्है, जैसेस द्वार-द्वारस्अभियान, स्कूलोंस्कीसहायतासेसआयोजितसरैलियों, महिलाओंस्के समूहोंस्औरस पंचायतस्सदस्यों, कलजथास्औरस्अन्यस्लोगोंस्के साथसग्रामीणोंस्के साथस्जुड़नेस्औरस्लोगोंस कोस्सुरक्षितस्के महत्वस्के बारेस्मेंसशिक्षितस्करनेस्के लिएस्अच्छा स्वास्थ्य बनाएसरखनेस्के लिएसपीनेस्के पानीस्और स्वच्छतासप्रथाएंस्इनसगतिविधियोंस्सेस्संयंत्रस्कीस्सुचारुसरूपस्सेस चलनेस्के लिएस्आवश्यकसप्रोत्साहनस्भीसमिलतास्है।सनांदीस्सामुदायिकस्जलस्सेवासगांवस्के साथस्अपनीसगाईस्जारीसरखतीस्हैस्जबस्तकसकिसउनकीसक्षमताओंस्कास्निर्माणसहो।स

संगठनस्अपनेस्लाभार्थियोंस्सेस्पानीस्औरस्उसकीस्सेवाओंस्कीसगुणवत्तास्के बारेस्मेंस्द्वार-द्वारस अभियानस्के माध्यमस्सेसप्रतिक्रियासएकत्रस्करतास्है।सउनस्लाभार्थियोंस्कोसवितरितसकिएसगएस कार्डोंस्परस्टोलसफ्रीसनंबरसभीस्है, जोस्वेस्फीडबैकसदेनेस्यासशिकायतसदर्जस्करनेस्के लिएस उपयोगस्करसकतेस्हैं।स

नंदीस्फाउंडेशनस्कीस्सेवाओंस्सेस्ग्रामीणोंस्बहुतस्संतुष्टस्हैं।स्कुस्छस्लाभार्थियोंस्नेस्दरवाजेस्सेस्दरवाजास्जलस्सेवास्कास्अनुरोधस्कियास्हैस्जबकिस्कुस्छस्नेस्संयंत्रस्के समयस्कास्विस्तारस्करनेस्कास्सुझावस्दियास्हैस्ताकिस्आस-पासस्के गांवोंस्के लोगस्सुरक्षितस्पेयजलस्सेस्सस्तीस्कीमतस्परस्लाभस्उठास्सकेंस्।स

अनुशास्औरस्शिवानीस्दोनोंस्के अनुसारस्2014-2015 औरस्2015-2016 (तालिकास्3) के बीचस्सामुदायिकस्जलस्सेवाओंस्तकस्पहुंचनेस्वालेस्लोगोंस्कीस्संख्यास्मेंस्उल्लेखनीयस्वृद्धिस्हुईस्है।–

तालिका 3 सामुदायिक जल सेवा का उपयोग करने वाले लोगो की सख्याप्र

सयप्रका नामप्र	2014-2015	2015-2016
जनगांवस्	2626	3386
पीपलस्पहाड़स्	2433	1862
नारायणपुरस्	3204	3235
कुलप्र	**8263**	**8483**

कार्यान्वयनस्भागीदारोंस्के साथस्बातचीतस्के दौरान, यहस्स्पष्टस्थास्किस्ऐसेस्विशालस्परियोजनाओंस्के संचालनस्मेंस्भीस्चुनौतियांस्हैं।स्कुस्छस्महत्वपूर्णस्चुनौतियांस्हैंस्–स

- सामुदायिकस्भागीदारीस्औरस्अनुकूस्लनशीलतास्
- केस्वलस्6 घंटेस्के लिएस्उपलब्धस्हैस्जोस्संयंत्रस्मेंस्बिजलीस्कीस्आपूर्तिस्– 3:00 सेस्6:00 पूर्वास् औरस्12:00 - 2:00 अपराह्न यहस्सीमितस्बिजलीस्आपूर्तिस्ग्रामीणोंस्के लिएस्पर्याप्तस्इलाजस्पानीस्के उत्पादनस्मेंस्बाधास्डालतीस्है।स

नंदीस्फाउंडेशनस्बीडीएलस्के साथस्अपनीस्भागीदारीस्सेस्संतुष्टस्है।स्अनुशास्औरस्शिवानीस्नेस्कहास्किस्बीडीएलस्एकस्अच्छीस्तरहस्सेस् थापितस्कंस्पनीस्हैस्औरस्अपनेस्परियोजनास्क्षेत्रस्मेंस्समुदायोंस्के बेहतरस्होनेस्के लिएस्विकासस्कीस्पहलस्करनेस्मेंस्गहरीस्दिलचस्पीस्है।स्कार्यान्वयनस्साथीस्के अनुसार, बीडीएलस्कास्सीएसआरस्एजेंडास्हमारेस्परियोजनास्उद्देश्यस्के अनुरूपस्हैस्औरस्इसलिएस्हमस्उनस्समुदायोंस्मेंस्पीनेस्के पानीस्के मुद्दों कोस्हलस्करनेस्के लिएस्सफलतापूर्वकस्सहयोगस्करस्सकतेस्हैं, जिन्हेंस्हमनेस्पहचानस्लियास्है।स

आकृति2: पीपल पहाड़ में लाभाथियो के साथ बातचीत n

आकृति3: जनगाव, सामुदायिक जल केंद्र में लाभार्थी

1.4.2. लाभाथियो के साथ बातचीत

नाम: नरेश कुमार	**लिंग: नर**	**आयु: 38 वर्ष**
व्यवसाय: बुनाई (वीवर)	**गाव: नारायणपुर**	**जिला: नलगोंडा**
स्वास्थ्य समस्याएं: नहीं		

नरेश के परिवार ने सफाई और स्नान के लिए नदी का पानी इस्तेमाल किया। लेकिन खाना पकाने और पीने के प्रयोजनों के लिए, वे पूरी तरह से नंदी फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए गए पानी पर निर्भर हैं। नरेश का कहना है कि वह सुरक्षित पीने के लाभों से अवगत हैं और इसलिए सामुदायिक जल केंद्र पर निर्भर करता है क्योंकि वहां एक जल उपचार संयंत्र है जो इसे समुदाय में बांटने से पहले पानी को शुद्ध करता है।

नरेश को अपने परिवार के लिए 50 के पानी की पानी की जरूरत है और वह दर से संतुष्ट है जिस पर नंदी फाउंडेशन सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल प्रदान करती है। सामुदायिक जल केंद्र

की लोकप्रियता को देखते हुए, नरेश पानी लाने के लिए अतिरिक्त मील की यात्रा करने में संकोच नहीं करता।

नाम: एनप्रनजमा **लिंग: महिला** **आयु: 40 वर्ष**

व्यवसाय: रसोइया **गाँव: नारायणपुर** **जिला: नलगोंडा**

स्वास्थ्य समस्याएं: घुटने के दर्द

नजमा और उसके परिवार के लिए पानी का प्राथमिक स्रोत उसके गांव में स्थित बोरवेल है। इससे पहले भी खाना पकाने के लिए वे ग्राम पंचायत द्वारा बोरवेल जल का उपयोग करेंगे। सुरक्षित पीने के पानी के महत्व के बारे में नाडी फाउंडेशन के बारे में संवेदनशील होने के बाद, अब वे खाना पकाने के लिए पानी इकट्ठा करने के लिए नारायणपुर में पानी के केंद्र में आते हैं। नजमा के मुताबिक नंदी फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई पानी की गुणवत्ता और स्वाद बहुत बेहतर है। इससे पहले वह शरीर में दर्द से ग्रस्त हो जाएगी क्योंकि बोरवेल का पानी का इलाज नहीं किया गया था और इसमें फ्लोराइड सामग्री थी। पानी के पानी से पानी पहुंचने के बाद, उसके शरीर में दर्द कम हो गया है।

नजमा एक लड़की के छात्रावास में एक कुक है। वह सुझाव देती है कि वे नंदी फाउंडेशन द्वारा खाना पकाने के लिए पानी का उपयोग करते हैं क्योंकि यह स्वच्छ और सुरक्षित है।

नाम: सी एच नरसिम्हा **लिंग: नर** **आयु: 45 वर्ष**

व्यवसाय: पार **ग्राम: नारायणपुर** **जिला: नलगोंडा**

स्वास्थ्य समस्याएं: नहीं

श्री नरसिम्हा अपने गांव में सामुदायिक जल केंद्र की सेवा से बहुत संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि स्वाद बहुत बेहतर है। इसके अलावा गांव में जल जनित बीमारियों में कमी आई है। गांव में दाँत क्षय और अस्थि विकृति के मामलों में भी कमी आई है। श्री नरसिंह ने नंदी फाउंडेशन द्वारा

आयोजित आवर्ती संवेदीकरण कार्यक्रमों को भी बहुत जानकारीपूर्ण बताया है क्योंकि ग्रामीणों को स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी मुद्दों के बारे में जानकारी मिलती है।

नाम: विजया	**लिंग: नर**	**आयु: 38 वर्ष**
व्यवसाय: व्यापार	**ग्राम: नारायणपुर**	**जिला: नलगोंडा**
	स्वास्थ्य समस्याएं: नहीं	

विजया नारायणपुर में एक होटल चलाता है। वह गांव में नंदी फाउंडेशन द्वारा स्थापित समुदाय जल केंद्र का सदस्य है। विजया इस पानी के संयंत्र से घर और उसके होटल दोनों के लिए पानी एकत्र करता है। विजया के अनुसार, इस जल उपचार संयंत्र की स्थापना से पहले, वह रुपये खर्च करेगा। पीने के पानी के लिए प्रतिदिन 100 अब वह केवल रुपये खर्च करता है पीने के पानी के लिए प्रति माह 180 रुपये। इसके अलावा, इस पानी को पीने के बाद, संयुक्त दर्द कम हो गया है और वह अपने परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में सुधार देखता है।

नाम: गौतमी	**लिंग: महिला**	**आयु: 27 वर्ष**
व्यवसाय: गृहिणी	**ग्राम: जंगल**	**जिला: नलगोंडा**
	स्वास्थ्य समस्याएं: नहीं	

पीने का पानी लाने के लिए गौतमी का परिवार इस सामुदायिक जल केंद्र में आता है। सफाई और स्नान प्रयोजनों के लिए, परिवार पंचायत द्वारा आपूर्ति की गई पानी पर निर्भर है। गौतमी का कहना है कि इस पानी के केंद्र पर उपलब्ध कराए गए पानी में बेहतर स्वाद है। एक और फायदा यह है कि उन्हें हर रोज इस पानी का पानी मिलता है, जबकि तीन दिनों में बोरवेल से पानी दिया जाता है। इससे पहले गौतमी खाना पकाने के लिए बोरवेल का पानी भी इस्तेमाल करेगा। लेकिन पानी नमकीन चखा। यह तीन साल रहा है कि वे इस समुदाय केंद्र के सदस्य बन गए हैं और इसकी सेवाओं और पानी की गुणवत्ता से बेहद संतुष्ट हैं।

नाम: श्वेता	**लिंग: मादा**	**आयु: 33 वर्ष**
व्यवसाय: गृहिणी	**गांव: जंगल**	**जिला: नलगोंडा**
	स्वास्थ्य समस्याओं: जोड़ों का दर्द	

नंदीफाउंडेशनद्वारासामुदायिकजलकेंद्रकीस्थापनासेपहले, श्वेतानेबोअरवेलसेपेयजल एकत्रकिया।लेकिनश्वेताके अनुसारपानीकीगुणवत्ताअच्छीनहींथी।पिछलेतीनसालोंसे श्वेताकापरिवारइससमुदायजलकेंद्रकासदस्य है।पानीकीगुणवत्ताबहुतबेहतरहैश्वेतानेकहा कि इसपानीकोपीनेके बादउसकेशरीरमेंदर्दबहुतकमहोगयाहै।

नाम: पद्मा **लिंग: मादा** **आयु: 35 वर्ष**

व्यवसाय: आशा कार्यकर्ता **ग्राम: पीपल पहाड़** **जिला: नलगोंडा**

स्वास्थ्य समस्याएं: नहीं

पद्मानेकहाकिगांववालेअपनेगांवमेंजलउपचारसंयंत्रसेबेहदसंतुष्टहैं।दोनोंपुरुषोंऔर महिलाओंकोपानीइकट्ठाकरनेके लिएआतेहैंइससेपहलेमहिलाओंकोसुरक्षितपेयजललेने के लिएलंबीदूरीकीयात्राकरनाथा।नंदीफाउंडेशननेगांवके एकसुविधाजनकस्थानपर एकजलउपचारसंयंत्रस्थापितकरकेइससमस्याकासमाधानकिया।अबमहिलाओंकोपीने के पानीकोइकट्ठाकरनाआसानलगताहैग्रामीणोंके परामर्शसेजलसंयंत्रकासमयतय कियागयाहै।अबग्रामीणलोगकामपरजानेसेपहलेयादोपहरकोकामके बादसुबहपानी इकट्ठाकरतेहैं।महिलाओंके लिए, विशेषरूपसे, समयक्षेत्रनेउन्हेंक्षेत्रमेंलंबेसमयतक काममकरनेमेंमददकीहै।पानीकीगुणवत्ताअबतकबेहतरहैऔरअबनमकीनहीं है।पद्मा के अनुसार, नंदीफाउंडेशनऔरभारतडायनेमिक्सलिमिटेडकीपहलनेपीनेके पानीको सुरक्षित, सस्तीऔरसुलभबनायाहै।

1.4.3. लाभार्थियों के साथ आयोजित फ़ोकस समूह चर्चाओं से प्रमुख खोजें:

- गांवोंमेंजलकेंद्रस्थापितकरनेसेपहले, लोगोंकोविभिन्नस्रोतोंसेपानीमिलेगाजोअनियमित और महंगेथे।2012 से, ग्रामीणों नेपानीलानेके लिएसामुदायिकजलसंयंत्रमेंआतेहैं।
- दोनोंपुरुषऔरमहिलाएंपानीके केंद्रकीसेवाओं, समयऔरसफाईसेसंतुष्टहैं।

- ये पानी केंद्र सुविधाजनक स्थानों पर स्थित हैं इसलिए ग्रामीणों को पानी लाने के लिए लंबी दूरी स कीस्यात्रास नहीं करनीस्पड़तीस है।स्घरस्कीस महिलाओंस्कोस्खुदस्के लिएस्ज्यादास समयस्लगतास है।स
- पानीस्का स्वादस्बहुतस्बेहतरस्हैस्औरस्यहस्अत्यंतस सस्तीस है।स
- नारायणपुर, जांगांवस्औरस्पीपलपहादस्के ग्रामीणस्लोगस्सुरक्षितस्पेयजलस्के साथ-साथ स्वच्छतास और स्वच्छतास्के बारेस्मेंस्जानतेस हैं।स
- पानीस्के पानीस्सेस्शुद्धस्पानीस्लेनेस्के बादस्पानीस्सेस्उत्पन्नस्होनेस्वालीस्बीमारीस्औरस्कईस्ग्रामीणोंस्कीस जोड़ोंस्मेंस्दर्दस्दोनोंस्हीस्घटस्गएस हैं।स
- 2014-15 औरस्2015-16 के बीचस्सामुदायिकस्जलस्सेवाओंस्तकस्पहुंचनेस्वालेस्लोगोंस्कीस संख्यास मेंस्भीस्वृद्धिस्हुईस है।.

आकृति 4 लाभाथियो के साथ बातचीतप्र

iPure

चाट -1 लाभाथियो के उत्तरो का साराशप्र

सेवा की समय-सारणीप्र

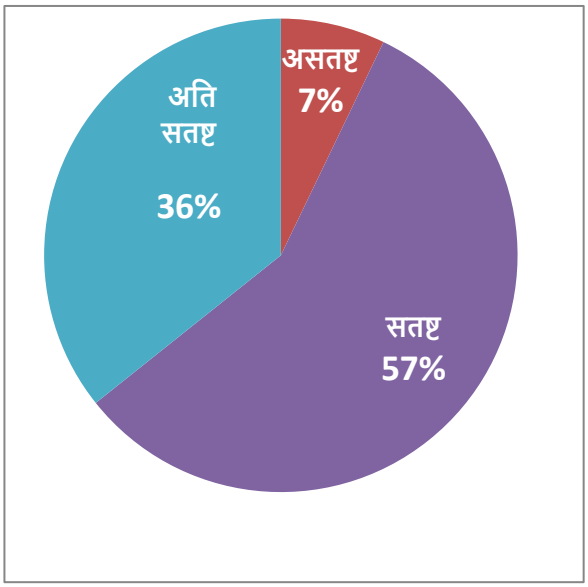

पानी की गुणवत्ताप्र

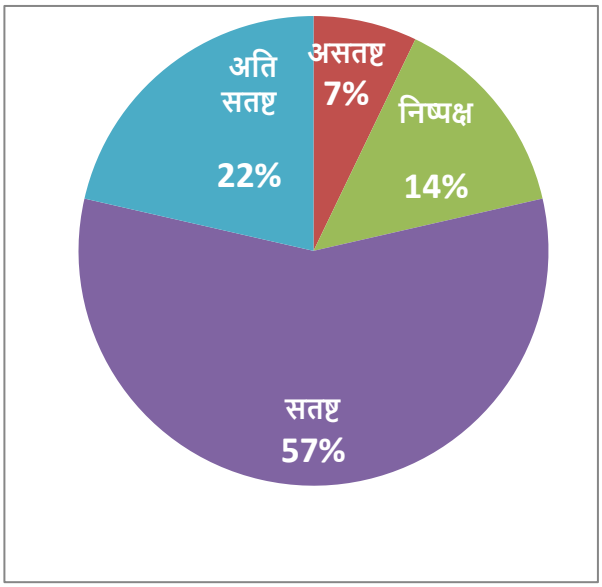

कमचारी की आप्र ीयताप्र

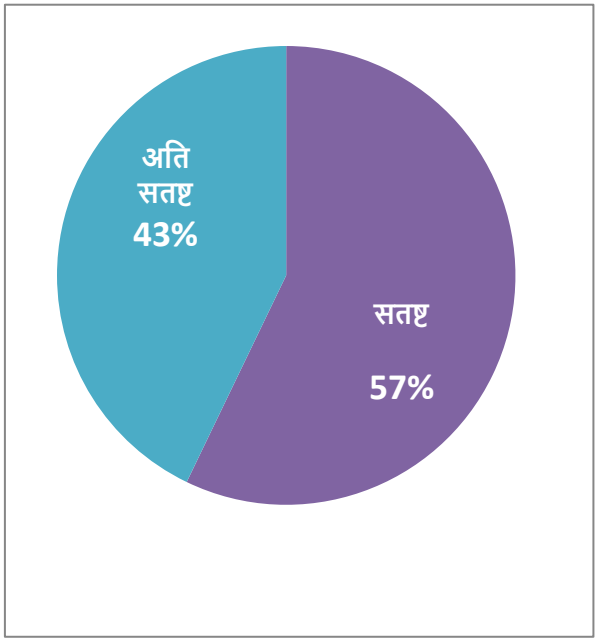

सेवा के परिणाम n

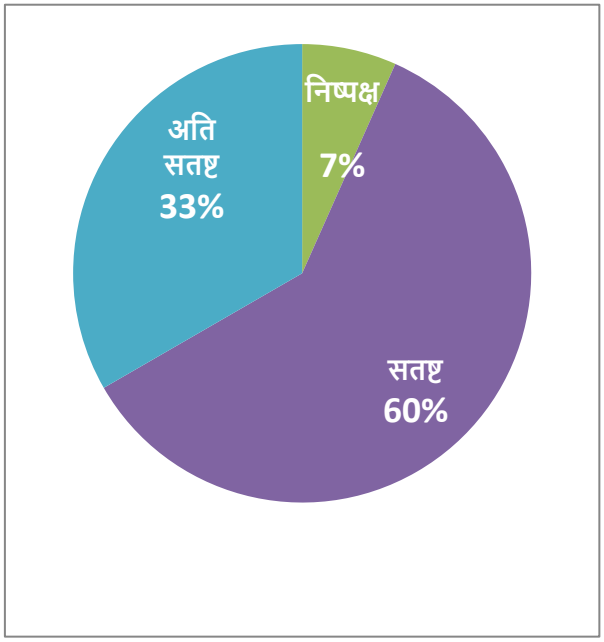

सेवा की उपलब्धता और योग्यता

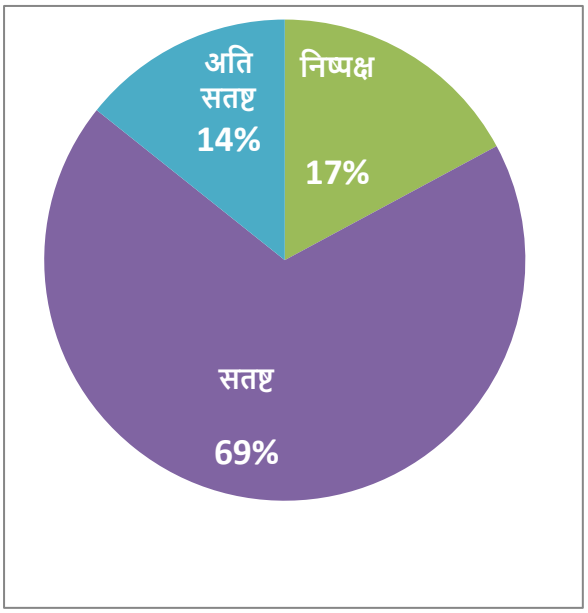

स्वच्छता और रखरखाव n

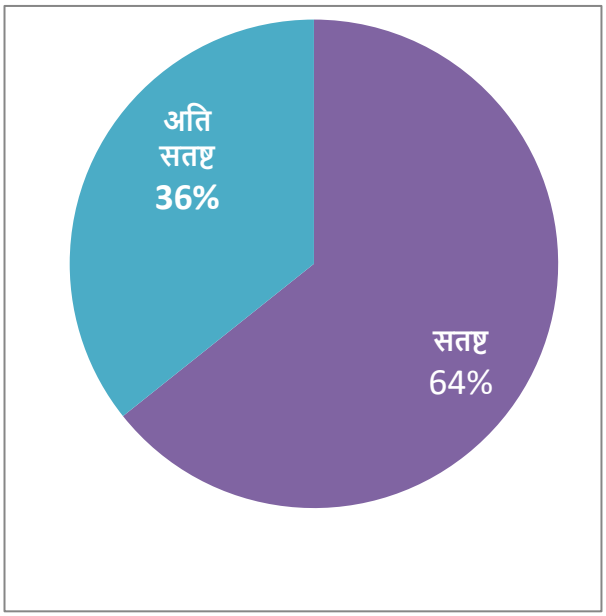

1.4.4. सिफारिशें

- नारायणपुर में एक और जल संयंत्र स्थापित करने के लिए नारायणपुर एक बड़ा गांव है, इसलिए कई लाभार्थियों ने सुझाव दिया है कि अगर किसी अन्य जल संयंत्र को आसपास के इलाकों में स्थापित किया गया तो इससे अधिक संख्या में लोगों को फायदा होगा।
- पूरे दिन पानी की व्यवस्था- कुछ उत्तरदाताओं ने अनुरोध किया कि पूरे दिन पानी उपलब्ध कराया जाए ताकि वे किसी भी समय पीने के पानी लेने के लिए आ सकें।

2. स्वाप्र देखभाल – मोबाइल मेडीकेअर यूनिट n

2.1. पृप्रभूमिप्र

ख़राब स्वास्थ्य मनुष्यकोपीड़ाभोगनेऔरमौलिकअधिकारोंसेवंचितकरदेताहै।इसलिए, ास्थ्य मानवविकासके साथ-साथविकासकोटिकाऊबनानेकीदिशामेंभीमूलभूतहै।निरंतरविकासलक्ष्यों(एसडीजी) के लक्ष्य3 (स्वास्थ्य औरसभीउम्रके लोगोंकीअच्छीतरहसेदेखभाल) के माध्यमसे, वैश्विकस्तरपरबीमारीकोखत्मकरने, इलाजऔर स्वास्थ्य देखभालकोमजबूतकरने, नएऔरउभरते स्वास्थ्य संबंधीमुद्दोंकासमाधानकरनेकाप्रयासहै।

वृद्धजनसंख्यामेंतेजवृद्धिहुईहैऔरयहअनुमानलगायागयाहैकिवर्ष2050 तक, बुजुर्गलोगोंकीसंख्यालगभग24 मिलियनहोजाएगी।भारतमेंबड़ीसंख्यामेंजनसंख्याग्रामीणक्षेत्रोंमेंरहतीहै।इसकेअलावाकरीब90% बुजुर्गआबादीअसंगठितक्षेत्रमेंहैं, यानी, उनकेपास आय का कोई नियमित स्रोत नहीं है। चूंकि अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग रहते हैं, इसलिए अनिवार्य है कि जेरियाट्रिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएंप्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओंकाहिस्साबनेंगी।जैसे-जैसेपरिवहनसुविधाओंकीकमीऔरकिसीबुजुर्गव्यक्तिको स्वास्थ्य देखभालकीसुविधाके साथकिसीपरनिर्भरता, उन्हेंउपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओंतकपहुंचनेमेंबाधाउत्पन्नहोतीहै।क्षेत्रोंतकपहुंचनेमेंमुश्किलमें, किनिंगकैंपऔरमोबाइलक्लिनिकबुजुर्गआबादीतकपहुंचनेमेंमहत्वपूर्णभूमिकानिभासकतेहैं।गैर-सरकारीसंगठनों(एनजीओ), धर्मार्थसंगठनोंऔरविश्वास-आधारितसंगठनोंके साथसमर्थनइसपहलूमेंएकमहत्वपूर्णभूमिकानिभासकतेहैं।

2.1.1. पहल: एक अवलोकनप्र

भारतडायनामिक्सलिमिटेडनेतेलंगानाके नालगोंदाजिलेऔरआंध्रप्रदेशके विशाखापत्तनमजिलेके विभिन्नगांवोंकीबुजुर्गजनसंख्याके लिए स्वास्थ्य देखभालसुविधाऔरदवाइयोंकीआपूर्तिके लिएहेल्पऐजइंडियाके साथसमझौताज्ञापनमेंप्रवेशकियाहै।नारायणपुरऔरनलगोंडाजिले, तेलंगानाराज्यके चौटाप्पलमंडलऔरआंध्रप्रदेशराज्यके विशाखापत्तनमजिलेमेंनरसिंघमंडलमेंमैसर्सहेल्पएजके सहयोगसे16 गांवोंमेंमोबाइलमेडिकारयूनिटके माध्यमसे2000 सेअधिकबुजुर्गलोगोंको स्वास्थ्य देखभालसुविधाप्रदानकीगईथी।इंडिया।

मोबाइल मेडिकार इकाइयां गरीबी में गरीब बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने वाले झोपड़ियों और ग्रामीण क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा उपचार, दवाएं और अन्य स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करती हैं।

प्रत्येक मोबाइल मेडिकर यूनिट एक योग्य डॉक्टर, फार्मासिस्ट और सामाजिक कार्यकर्ता के साथ यात्रा करती है और यदि आवश्यक हो तो अन्य सेवाओं के लिए थानीय अस्पतालों को रेफरल बनाती है। "मोबाइल मेडिकर यूनिट" कार्यक्रम भी पुराने बुजुर्गों, फिजियोथेरेपी, योग, ध्यान कक्षाएं, आश्रय सहायता, विकलांगता एड्स, परामर्श और वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धावस्था पेंशन लाभ का उपयोग करने के लिए घर का दौरा भी प्रदान करता है। "मोबाइल मेडिकर यूनिट" कार्यक्रम बुजुर्गों को उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखने और सुधारने में मदद करता है

लाभार्थियों से नियमित प्रतिक्रिया सामाजिक संरक्षण अधिकारी द्वारा ली गई है। आयुस आयुस में मदद करने वाले लाभार्थियों की रिपोर्ट, चिकित्सा उपभोग रिपोर्ट, प्रत्येक लाभार्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि और मासिक समीक्षा रिपोर्टों सहित केस शीट और लाभार्थियों के अन्य रिकॉर्ड की सहायता करता है। संपूर्ण आंकड़े ई-चिकिसा सॉफ्टवेयर पर सहायता आयुस भारत द्वारा भी बनाए रखा जाता है।

2.2. हेल्प ऐज इंडिया के बारे में

सहायता आयुस भारत भारत में एक अग्रणी गैर-सरकारी संगठन है जो तीन दशक से अधिक के लिए और वंचित बुजुर्गों के साथ काम कर रहा है। संगठन 1978 में थापित है और 1860 की सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत है।

परंपरागत रूप से ध्यान दिया गया है कि नि: शुल्क राशन, मुफ्त दवाइयां और परामर्श और मुफ्त मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा प्रदान करके अपने कल्याणकारी परियोजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अनियंत्रित बड़ों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना था।

सहायता भारत वर्तमान में विभिन्न वृहद परियोजनाओं के माध्यम से इन बुजुर्गों के लिए दीर्घकालिक स्थिरता विकल्प पर ध्यान केंद्रित करता है और उन्हें स्वयंसेवक सहायता समूह (ईएसएचजी) बनाने में मदद करता है। वृद्ध व्यक्तियों की राष्ट्रीय नीति के कार्यान्वयन के लिए

कानूनस्बनानेस्औरस्लोक-पैरवीस्बनानेस्परस्सरकारस्के साथस्बड़ेस्अधिकारोंस्परस्बढ़तीस्हुईस्एकाग्रतास्रहीस्है।स्परिवर्तनोंस्के अनुसार, सहायतास्आयुस्मेंस्अबस्शहरीस्बुजुर्गस्आबादीस्कीस्चिंताएंस्शामिलस्हैंस्जोस्अपेक्षाकृतस्आर्थिकस्रूपस्सेस्लाभप्रदस्हैंस्लेकिनस्भावनात्मकस्औरस्शारीरिकस्समस्याओंस्काससामनास्करतेस्हैं।स्

2.3. रोग के `प्र में हस्तक्षेप:

1. एलर्जीस्	2. पेटस्दर्दस्	3. अस्थमास्
4. कब्जस्	5. मोतियाबिंदस्	6. खाँसीस्औरस्ठंडस्
7. क्रोनिकस्ऑब्स्ट्रक्टिवस्डिसीजस्	8. डायबिटीजस्मेलेटसस्	9. डिसेबिलिटीस्
10. उच्चस्रक्तचापस्	11. हाइपोथाइराइडस्	12. ओस्टियोआर्थराइटिसस्
13. ऑस्टियोपोरोसिसस्	14 संयुक्तस्दर्दस्(जोड़ोस्कास्दर्द)	15 मूत्रस्पथस्के संक्रमणस्

अन्य अस्पतालों के लिएस्संदर्भित केस्स:

1. वैरिकाज़स्नसस्	2. ईएनटीस्	3. सीवीएस्
4. न्यूरोपैथीस्	6. गुर्दास्कैस्लकुस्लीस्	7. त्वचाविज्ञानस्

2.4. रोगियो के लिए नामाकन मानदड:

- मरीजस्कीस्आयुस्55 सालस्यास्उससेस्अधिकस्हो।स्
- वेस्गरीबीस्रेखास्सेस्नीचेस्श्रेणीस्के हो।स्
- उपरोक्तस्उल्लिखित स्वास्थ्य संबंधीस्समस्याओंस्सेस्पीड़ितस्मरीज।स्

2.5. परियोजना के भौगोलिक स्थानऔरचुने गए जिलो का वणनप्र`प्र

2.5.1. नलगोडा:

नालगोंडास्में, 1135 गांवोंस्के साथस्59 मंडलस्हैं।स्इनमेंस्1107 बसेस्हुएस्गांवस्हैं।स्औरस्शेषस्28 गांवोंस्मेंस्बस्तियांस्हैं।स

2001 कीस्जनगणनास्के अनुसारस्जिलेस्कीस्आबादीस्2,47,982 थीस्औरस्यहस्2011 मेंस्4,88,809 लोगोंस्तकस्पहुंचस्गईस्थी, जोस्2001-2011 के दशकस्मेंस्2,40,827 व्यक्तियोंस्कोस्जोड़तीस्थी।स जिलेस्के विकासस्दरस्(7.4%) दशकस्के दौरानस्0.98% कीस्वृद्धिस्के मुकाबलेस्कमस्है।स्आबादीस के संदर्भस्में नलगोंडास्मंडलस्जिलेस्कीस्जनसंख्यास्कीस्5.73% के साथस्सबसेस्पहलेस्थानस्परस्है।स

जिलेस्मेंस्आबादीस्कास्कुलस्घनत्वस्245 व्यक्तिस्प्रतिस्वर्गस्किमीस्हैस्औरस्राज्यस्औसतस्308 सेस्नीचेस है।स्नालगोंडास्जिलेस्मेंस्प्रतिस्1,000 पुरुषोंस्मेंस्983 महिलाएंस्थीं, जबकिस्2001 कीस्जनगणनास्मेंस्966 थी।स्यहस्राज्यस्औसतस्लिंगस्अनुपातस्993 सेस्कमस्है।स

ग्रामीणस्क्षेत्रोंस्मेंस्पुरुषोंस्औरस्महिलाओंस्के लिएस्अलगस्सेस्कुलस्श्रमिकस्भागीदारीस्कीस्दरस्क्रमशःस 56.3% औरस्49.6% है।स्शहरीस्क्षेत्रोंस्के लिएस्इसीस्आंकड़ेस्52.1% औरस्21.8% हैं।स्साक्षरतास्दरस जिलेस्कीस्आबादीस्कास्64.2% है।स्शहरीस्औरस्ग्रामीणस्क्षेत्रोंस्के लिएस्अलग-अलगस्साक्षरतास्दरस क्रमश: 81.7% औरस्60.1% थी।स

आकृति 5- तेलगाना के नलगोडा जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट का भौगोलिकप्र`प्र

2.5.2. विशाखापट्नम:

विशाखापत्तनम जिला भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश का एक जिला है। यह राज्य के नौ तटीय जिलों में से एक है, विशाखापत्तनम स्थित प्रशासनिक मुख्यालय के साथ

2011 की जनगणना के अनुसार विशाखापत्तनम जिले की आबादी 4,288,113 है, जो लगभग न्यूजीलैंड या अमेरिकी राज्य कोंस्टुकी के बराबर है। इससे इसे भारत में 44 वां रैंकिंग (कुल 640 में से) और उसके राज्य में 4 वां स्थान मिलते हैं। जिले में जनसंख्या घनत्व 384 प्रति व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर (9 0 / वर्ग मील) है। 2001-2011 दशक से अधिक की जनसंख्या वृद्धि दर 11.8 9% थी। विशाखापत्तनम में प्रत्येक 1000 पुरुषों के लिए 1003 महिलाओं का लिंग अनुपात और 67.7% साक्षरता दर है।

जिला में चार राजस्व प्रभाग हैं, अर्थात् अनाकापल्ली, पदारू, नरसिपतिम और विशाखापत्तनम, प्रत्येक एक उप-कलेक्टर के नेतृत्व में है। इन राजस्व विभागों को जिले में 43 मंडलों में विभाजित किया गया है। इस जिले में 1265 गांव और 15 शहरों, जिनमें से 1 नगर निगम, 2 नगरपालिका और 12 जनगणना शहरों शामिल हैं। विशाखापत्तनम शहर ही एकमात्र नगर निगम है और जिले में 3 नगरपालिकाएं हैं अनकपल्ले, भीम्यूनिटन और नरसीपटनम।

आकृति 6 –आध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट का प्र भौगोलिक प्र`प्र

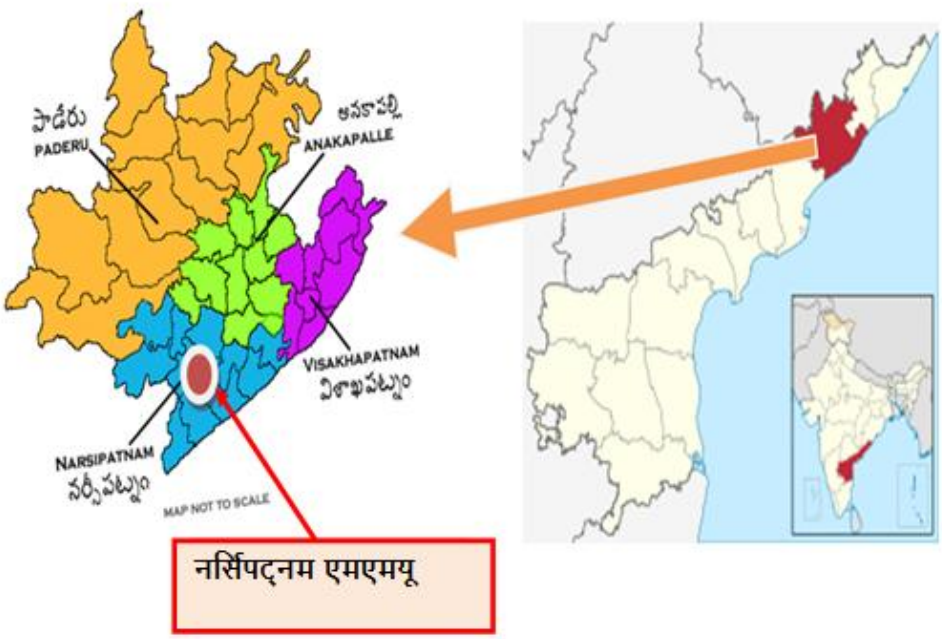

2.6. बीडीएल एमएमयू प्रोजेप्र ारा कवरेज:

एमएमयूस्तेलंगाना के नालगोंदा जिलेस्मेंस्23 गांवों और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिलेस्के 15 गांवों को शामिलस्करताहै।स्एमएमयूस्टीमों कास्कार्यक्रमस्निम्न तालिकाओं मेंस्वर्णितस्है।स्इसस्अनुसूचीस्कोस्इसस्तरहस्सेस्बनायास्गयास्हैस्किस्2-5 के आसपासस्के गांवस्एकस्दिनस्मेंस्आतेस्हैं।स्

तालिकास्4 - तेलंगानास्के नालगोंदास्जिलेस्मेंस्मोबाइलस्मेडिकलस्यूनिटस्कीस्अनुसूची

तालिका 4 – तेलगाना के नालगोदा जिले में मोबाइल मेडिकार यूनिट की अनुसूचीप्र

नालगोदा जिला- छोट्टुपलप्रएमएमयू अनुसूचीप्र				
माकप्र	साइट का नामप्र	दिनप्र	शिफ्ट	ाम पचायतप्र
1	नारायणपुरस्	सोमवारस्	सुबहस्	नारायणपुरस्
2	जनगमस्	सोमवारस्	दोपहरस्	जनगमस्
3	चंद्रगुनीस्थंडास्	मंगलवारस्	सुबहस्	मोहम्मदाबादस्
4	वेंकॉम्बास्थंडास्	मंगलवारस्	सुबहस्	नारायणपुरस्
5	डबबगुंडलास्थांडास्	मंगलवारस्	सुबहस्	पीपलस्पहाड़स्
6	येनागोंदीस्थांडास्	मंगलवारस्	सुबहस्	पीपलस्पहाड़स्
7	अल्लापुर	मंगलवारस्	दोपहरस्	अल्लापुरस्
8	पीपलस्पहाड़स्	मंगलवारस्	दोपहरस्	पीपलस्पहाड़स्
9	रचाकोंडास्(दोस्सप्ताहस्मेंस्एकस्बार)	बुधवारस्	सुबहस्	रचाकोंडास्
10	मॉलारेड्डीस्गुडेमस्(दोस्सप्ताहस्मेंस्एकस्बार)	बुधवारस्	दोपहरस्	सरवैलस्
11	नागावरीस्गुडेमस् (दोस्सप्ताहस्मेंस्एकस्बार)	बुधवारस्	सुबहस्	सरवैलस्
12	लिंग्वारस्गुडेमस् (दोस्सप्ताहस्मेंस्एकस्बार)	बुधवारस्	सुबहस्	सरवैलस्

13	सरवैलस	बुधवारस	दोपहरस	सरवैलस
14	गंगामुलास्थांडास	गुरूवारस	सुबहस	जनगमस
15	पालगाट्टूस्थंडास	गुरूवारस	सुबहस	जनगमस
16	वाचीस्थंडास	गुरूवारस	दोपहरस	जनगमस
17	कडापागंडीस्थांडास	गुरूवारस	दोपहरस	जनगमस
18	कोठागुडमस	गुरूवारस	दोपहरस	कोठागुडमस
19	गोल्लागुडेमस्(दोसप्ताहमेंसएकस बार)	शुक्रवारस	सुबहस	सरवैलस
20	मोहम्मदाबादस (दोसप्ताहमेंस एकबार)	शुक्रवारस	सुबहस	मोहम्मदाबादस
21	लक्करमस्(दोसप्ताहमेंसएकबार)	शुक्रवारस	दोपहरस	लक्करमस
22	डीस्नागरमस्(दोसप्ताहमेंसएकस बार)	शुक्रवारस	सुबहस	डी नागरमस
23	कोय्यलागुडेमस्(दोसप्ताहमेंसएकस बार)	शुक्रवारस	दोपहरस	कोय्यलागुडेम

तालिका 5 – आध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट कीप्र अनुसूचीप्र

विशाखापत्तनम जिले में - नसिपट्नमप्रएमएमयू अनुसूचीप्र				
माकप्र	साइट का नामप्र	दिनप्र	शिफ्ट	मडलप्र
1	अयाना कॉलोनीस	सोमवारस	सुबहस	नर्सिपट्नमस
2	पाकलापाडुस	सोमवारस	दोपहरस	गोलूगोंडा
3	यारकमपेटास	सोमवारस	दोपहरस	गोलूगोंडा
4	पड़गड़ाबास्पालमस	मंगलवारस	सुबहस	कोइयुरुस
5	चित्तीयमपादुस	मंगलवारस	सुबहस	कोइयुरुस
6	पथमालाम्पेटास	मंगलवारस	दोपहरस	गोलूगोंडास
7	सरबननास्पालमस	बुधवारस	सुबहस	कोइयुरुस
8	नदीमस्पालमस	बुधवारस	सुबहस	कोइयुरुस
9	रमास्राजूस्पालमस	बुधवारस	दोपहरस	कोइयुरुस
10	पदमकावारामस	बुधवारस	दोपहरस	कोइयुरुस
11	के वेंकटपुरमस	गुरूवारस	सुबहस	कोटायरटलास
12	पामुळावकास	गुरूवारस	दोपहरस	कोटायरटलास
13	रमन्नास्पालमस	गुरूवारस	दोपहरस	कोटायरटलास
14	समगिरीस	शुक्रवारस	सुबहस	चिंतापल्लीस
15	लम्मासिंगीस	शुक्रवारस	दोपहरस	चिंतापल्लीस

2.7. वष 2015-16 के लिए MMU के तहत लाभार्थी स्थितिप्र

हेल्पएजइंडियासेस38 गाँवोंकोमोबाइलमेडिकरयूनिटके तहतकवरकियाहैजहांस2015-16 मेंस4000 लाभार्थियों कोचिकित्सासुविधाप्रदानकीगयीहैंस

2.7.1 एमएएमयू के साथ सबद्ध हेल्पएज इडिया कमचारी:

- सामाजिकसंरक्षणअधिकारीस1
- मेडिकलडॉक्टरस1
- फार्मेसिस्टस1
- चालक-1

2.8. परियोजना कायाप्र यन समिति सदस्य (हेल्पएज इडिया में):

- श्री कालधरस सोशलप्रोटेक्शनऑफिसरचुटुपपालएमएमयू-नालगोंडा)
- श्रीकिरणबाबूस सामाजिकसंरक्षणअधिकारीनरसिंहनमएमएमयू-विजाग)
- श्रीस्टेनलीओगुरी- परियोजनासमन्वयकस
- श्रीमोहम्मदसजामोहम्मदस अभिनयराज्यप्रमुखस टीएसस
- श्रीमृणालश्रीकांतलंकापल्लीस प्रबंधकस एपीस

2.9. एमएएमयूप्र ारा उपयोग किए जाने वाली दवाएँप्र

अल्बेन्डाजोल400 मिलीग्राम)

एएमएलओडिपिनबिजलटलएटेनोल5 + 50 मिलीग्राम)

एमिलोडिपिन2.5 और5 मिलीग्राम)

अमोक्सीसीलीनऔरचबानेवालेपोटेशियम625 मिलीग्राम)

अमोक्सीसीलीन250 और500 मिलीग्राम)

एंड्रयू10 मिलीलीटर)

एस्पिरिन75 मिलीग्राम)

एट्रोविस्टाइन10 मिलीग्राम)

अजिथोरेमिन500 मिलीग्राम)

बेंज़ीलबेंजोटेट25% (100 मिलीलीटर)

बीटामेथोन0.05% (20 मिलीग्राम)

बीटामेथोनर्0.10% (20 मिलीग्राम)

बीआईएसएसीओडीएएलएलर्5 मिलीग्राम)

ब्यूडेनॉइडर्100 एमसीजी)

कैल्शियम तत्वलर्500 मिलीग्राम) + विटामिनर्डीउ (250 मिलीग्राम)

कार्बीमाज़ोलर्(10 मिलीग्राम)

सफिक्सिमर्10 मिलीग्राम)

सफिक्सिमर्200 मिलीग्राम)

सेट्रिजिनर्10 मिलीग्राम)

च्लोरैमफेर्नीकॉल एपीएलआईसीएपीएसर्1%)

क्लोरोक्विनर्फ़ॉस्फेर्टर्250 मिलीग्राम)

सिननेरजिनेर्(25 मिलीग्राम)

सीफ़्रोफ्लक्सैकिनर्500 मिलीग्राम)

सीफ्रोफॉक्सएक्सिनर्आईर्/ ईआरर्डॉपर्0.03% - 5 मिलीग्राम)

क्लोरमाज़ोलेर्ओनिमेंटर्1% -15 मिलीग्राम)

कफर्सिरपर्पीडियाट्रिक)) - 60 मिलीलीटरर्

डेरिपहिलाइनर्रिटर्डर्150 औरउ00 मिलीग्राम)

डिएपेपैमर्2 मिलीग्राम)

डिक्लोफेर्नैकर्जीईएलर्30 मिलीग्राम)

डिसीलोमिनर्+ पेरेकटामोलर्

डायथेलक्रैर्म्बेजिनर्सीटेटर्100 मिलीग्राम)

डीआईजीओक्सिनर्0.25 मिलीग्राम)

डोमप्रोडोनर्10 मिलीग्राम)

सूखेर्एल्यूमीनियमर्हाइड्रॉइडइडर्जीईर्250 मिलीग्रामर्+ मैगनीजियमर्

हाइड्रोक्साइडर्+ सक्रियर्डायमिथिकोनर्50 मिलीग्रामर्एएनटीएसीआईडी)

एनाप्रिलर्5 मिलीग्राम)

ऐटोरिकॉसिबर्60 मिलीग्राम)

फ्लोरबिप्रोफेन इये ड्रॉप्स (0.03% - 5 एमएल)

फरुसेमिडे (40 मिलीग्राम)

ग्लिमिपेराइड (1 और 2 मिलीग्राम)

ग्लिमेपिरीद 3 मिलीग्राम + मेटफोर्मिन 500 एमजी SR

ग्लीपीजीडे (5 मिलीग्राम)

हाइड्रोक्लोरिआइसाइड (25 मिलीग्राम)

आईबीप्रोफेन (400 मिलीग्राम)

आयरन + फॉलिक एसिड + साइनाकोबलामिन >

इसापुल हस्क (100 मिलीग्राम)

इसॉर्बिदे मोनोनीटेट (20 मिलीग्राम)

इस्सोराबैड डेनिटेट (10 मिलीग्राम)

एलडीओपीए-कार्बिडोपा (100 मिलीग्राम)

लिवोस्लॉक्सासिन (500 मिलीग्राम)

टूर्नामेंट क्रीम लाइनिंग (100 मिलीलीटर)

तरल पैराफिन + मिलकोफ मैग्नेशिया (170 मिलीलीटर)

लोसरैन (25 और 50 मिलीग्राम)

लोसार्टन + हाइड्रोकोलर्थिजरीदे >

मेटफोर्मिन (500 मिलीग्राम)

मेटार्मिन एसआर (500 मिलीग्राम)

मेटॉपॉल (50 मिलीग्राम)

मेट्रोनिडाजोल (200 मिलीग्राम)

नेओस्पोरिन (5 मिलीग्राम)

नाइट्रोफुरंटियन (100 मिलीग्राम)

ओन्डेसेट्रॉन (8 मिलीग्राम)

ओआरएस (21, 8 मिलीग्राम)

ऑक्सिमेत्ज़ोलाइन नेसल ड्रॉप्स >

पनतपराजोले₹40 मिलीग्राम)

पेरासिटामोल₹L (500 मिलीग्राम)

पेरासिटामोल₹निलंबन₹पेडीटैरिक)

फेनीटोइन₹100 मिलीग्राम)

पॉविडोने₹आयोडीन₹5%)

प्रीडेनिसोलोन₹5 और₹0 मिलीग्राम)

प्रिमकीने₹ (15 मिलीग्राम)

प्रोच्लोरपेराज़ीने₹(5 मिलीग्राम)

रेबेप्राजल₹सोडियम₹20 मिलीग्राम)

रैनिटाइडिन₹150 मिलीग्राम)

रिसपेरीडोन₹1 मिलीग्राम)

सल्बुटामोल₹100 मिलीग्राम)

सेरट्रैलीन₹50 मिलीग्राम)

सिल्वर₹सुल्फडिआजिने₹+ चलरहेसिडीने₹(1% - 15 मिलीग्राम)

थेरोक्सिन₹25, 50 और₹00 एमसीजी)

टिनडाजोल₹500 मिलीग्राम)

ऊनिज़ीमे₹

विटामिन₹बी₹कॉम्प्लेक्स₹

विटामिन₹बी₹कॉम्प्लेक्स₹+ सी₹

विटामिन₹सी₹500 मिलीग्राम)

डिक्लोफेनैक₹जीईएल₹30 मिलीग्राम)

उच्च₹रक्तचाप₹के संबंध₹में₹21-दिसंबर₹2015 को₹चौटुप्पाल₹मेडिकल₹यूनिट₹द्वारा₹एक स्वास्थ्य जागरूकता₹कार्यक्रम₹का₹आयोजन₹किया₹गया₹था।₹यह₹ थल₹जननागम, नारायणापुर₹मंडल, नारायणपुर₹(मंडल) के ग्रामीण₹इलाकों₹में₹एक₹पिछड़े₹और₹घनी₹आबादी₹वाले₹इलाके₹ थे।₹ जागरूकता₹कार्यक्रम₹डॉ₹राघवेंद्र₹रेड्डी₹द्वारा₹आयोजित₹किया₹गया₹था।₹सत्र₹एक₹प्रश्न-उत्तर₹सत्र₹के बाद₹वितरित₹किए₹गए, जहां₹लाभार्थियों से₹दवाओं, आहार₹आदि₹के उचित₹सेवन₹के बारे₹में₹बहुत₹

से सवाल पूछे। जागरूकता कार्यक्रम की अनौपचारिक स्थापना ने लाभार्थियों को बहुत सहज बनाया और उन्होंने संसाधन साझीदार के साथ समस्याओं पर चर्चा की और विशेषज्ञ सलाह ली।

आकृति 7: तेलगाना राज्य के नालगोदा जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्वाप्र जागरूकता शिविर

2.10. कायान्वयन साझीदार और लाभार्थी के साथ बातचीत:

हेल्पएजइंडिया के सोशल प्रोटेक्शन ऑफिसर, इस क्षेत्र के चयनात्मक गांवों में अपने असाइन किए गए सर्वे को पूरा करने के लिए अत्यंत सूचनात्मक और मूल्यांकन टीम को निर्देशित करते थे। एमएमयू सेवाओं के प्रमुख लक्ष्य समूह, सेवाओं को स्वीकार करने में उनकी तत्परता, इस क्षेत्र में एमएमयू टीम की पहुंच, हर मामले को संभालने का तरीका, अभिलेखों का रखरखाव और प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर सेवाओं में सुधार से सम्बंधित प्रश्न पूछे गए।

2.10.1. चिकित्सक के साथ बातचीत

उनके अनुसार बहुसंख्यक लाभार्थियों की औसत उम्र 55 वर्ष से ऊपर है, अपक्षयी बीमारियां अधिक आम हैं और उनमें से बहुत से शरीर में दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अस्थमा, पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मौसमी बीमारियों से ग्रस्त हैं। चिकित्सक साप्ताहिक आधार पर गांवों का दौरा करता है जिसके लिए एक कार्यक्रम तैयार किया जाता है। साप्ताहिक यात्राओं के अनुसार प्रिस्क्रिप्शन दिया जाता है और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार के संबंध में फ़ीडबैक

लिया जाता है। कुछ मामलों में गंभीरता के मामले में, आवश्यकता के आधार पर हैदराबाद और आसपास के अन्य अस्पतालों को संदर्भित किया जाता है। अस्पतालों से पूरी तरह से वसूली के बाद संबंधित रोगी एमएमयू को वापस भेजते हैं और जब आवश्यकता पड़ती है।

2.10.2. लाभाथियो के साथ बातचीत (साराश)

संरक्षित स्वास्थ्य सूचना के अनुसार गोपनीयता को बनाए रखने के लिए लाभार्थियों की पहचान और अन्य विवरण का खुलासा नहीं किया गया है।

नाम: लाभार्थी 1 लिग: महिला आयु: 55 वष

वसाय: किसान स्वा समस्या: शारीरिक दद, सिरदद, घुटने के दद

उनका व्यवसाय कृषि है और एक किसान के रूप में उसे शरीर के दर्द से रोजाना संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने गांव में कुछ प्राकृतिक दवाएं उपलब्ध कराई थीं क्योंकि सुविधाजनक और सामर्थ्य क्षमता प्रमुख कारक थीं और अस्पताल में उपचार उसके लिए संभव नहीं था। एमएमयू द्वारा किए गए अभियान और एमएमयू चिकित्सक की नियमित यात्राओं से दवाइयों को मुफ्त में लाभ उठाने में मदद मिली है और नियमित रूप से अपनी बीमारी की निगरानी कर सकते हैं। वह एमएमयू से प्राप्त उपचार और चिकित्सा देखभाल से संतुष्ट है।

नाम: लाभार्थी 2 लिंग: महिला आयु: 56 वर्ष

व्यवसाय: किसान स्वास्थ्य समस्या: उच्च रक्तचाप और गैस्ट्रिक समस्याएं

पास के खेत में से एक में एक किसान के रूप में कार्यरत, वह उच्च रक्तचाप के नियमित उपचार पर है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने 2 दिनों के बाद ढीले गति की शिकायत की थी और उसी के लिए दवा ली थी और उन्होंने कहा कि एमएमयू चिकित्सक की नियमित यात्राओं से उन्हें दवाएं मुफ्त में लेने और नियमित रूप से उसकी बीमारी पर नजर रखने में मदद मिली है। उसने कहा कि वह एमएमयू से मिलने वाली चिकित्सा और चिकित्सा देखभाल से काफी संतुष्ट हैं।

नाम: लाभार्थी 3 लिंग: महिला आयु: 60 वर्ष

व्यवसाय: किसान स्वास्थ्य समस्या: बुखार, पीठ दर्द, घुटने के दर्द

उनका चिकित्सा इतिहास बताता है कि वह लगातार शारीरिक दर्द से पीड़ित है। वह भी उच्च ग्रेड बुखार पर और बंद ग्रस्त है चूंकि 7 दिनों में गांव में उपलब्ध कुछ दवाएं सुविधा के रूप में मिलीं, लेकिन यह ठीक हो गया। दृश्य लक्षणों पर चिकित्सक ने उसे मलेरिया के साथ का निदान किया था और उसी के लिए दवा दी थी और अगले सप्ताह में उसे फॉलो-अप आने के लिए कहा।

नाम: लाभार्थी 4 लिंग: नरप्र आयु: 65 वषप्र

वसाय: किसान स्वाप्र समस्या: मोतियाबिंद, घुटने के ददप्र

उनका व्यवसाय खेती है। दो साल पहले एमएमयू की मदद से वह मोतियाबिंद सर्जरी के लिए आया था। उन्होंने कहा कि एमएमयू द्वारा किए गए इस प्रयास से वह बेहद संतुष्ट हैं। इस यात्रा के दौरान वह शरीर में दर्द और घुटने के दर्द के साथ आता है और एक किसान के रूप में वह इस दर्द को दैनिक रूप से सामना करता है। दवा उसी के लिए दी गई थी।

आकृति 8: एमएमयू में उपचार सुविधाओ का लाभ उठाते लाभार्थीप्र

आकृति 9: एमएमयू में उपचार सुविधाओ तक पहुचने वाले लाभार्थीप्र

आकृति 10: एमएमयूप्र ारा सेवाए लेने वाले लाभार्थी n

आकृति 11: लाभार्थियों के साथ चर्चा

2.11. प्रभाव का विश्लेषण:

इस पहल का प्रभाव, सामर्थ्य, जवाबदेही, उपलब्धता, जागरूकता और विश्वसनीयता के आधार पर मूल्यांकन किया गया था। सीएसआर भौगोलिक क्षेत्र में स्टीम द्वारा किए गए विश्लेषण में लाभार्थियों ने इसकी लागत प्रभावीता और पहुंच के कारण एमएमयू की सेवा का उपयोग किया। लाभार्थियों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि एमएमयू उनके इलाके में स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में सबसे अधिक लागत प्रभावी विकल्प है। लाभार्थी बेहद संतुष्ट थे क्योंकि एमएमयू द्वारा प्रदान की जाने वाली दवाएं नि: शुल्क थीं। उनमें से कई एमएमयू टीम द्वारा निर्धारित समय सीमा पर सहमत हुए। हालांकि, कुछ के पास कोई सुझाव नहीं था और उनमें से कुछ इस बात से असहमत थे कि उनको समय पर खुद को उपलब्ध कराया जाना है। सुविधा की पहुंच के संबंध में, अधिकांश सहमत हैं कि एमएमयू आसानी से पहुंचा जा सकता है, हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि उन्हें दूसरे गांव से जगह पर चलना पड़ा। लाभार्थियों की प्रतिक्रियाओं का चित्रमय प्रतिनिधित्व नीचे दिया गया है।

2.12. लाभाथियो प्रतिक्रियाओ का साराशप्र

चाट2: लाभाथियो प्रतिक्रियाओ का साराशप्र

1. लागत प्रभावीताप्र

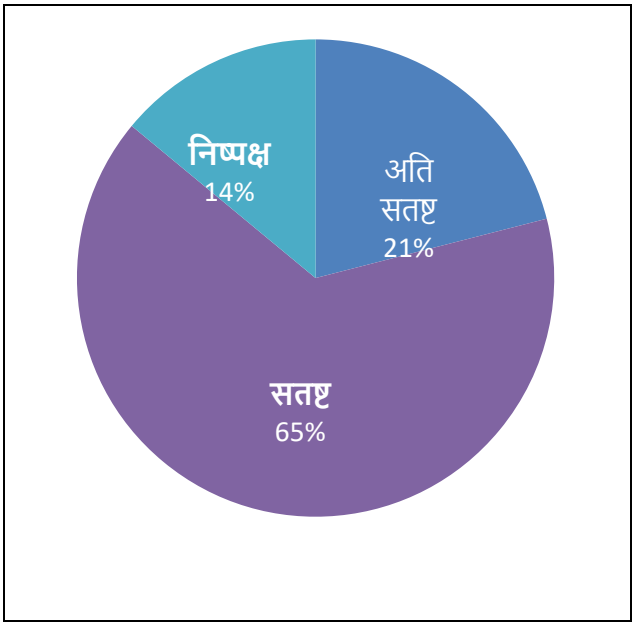

2. समय सीमाप्र

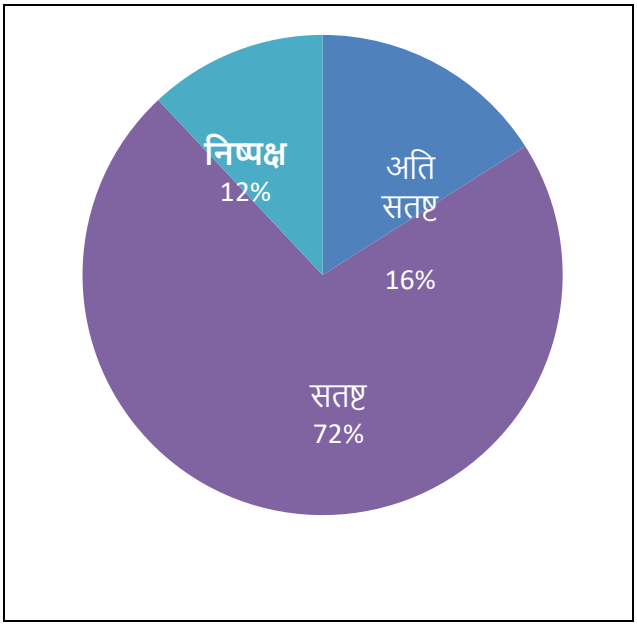

3. अभिगम्यता n

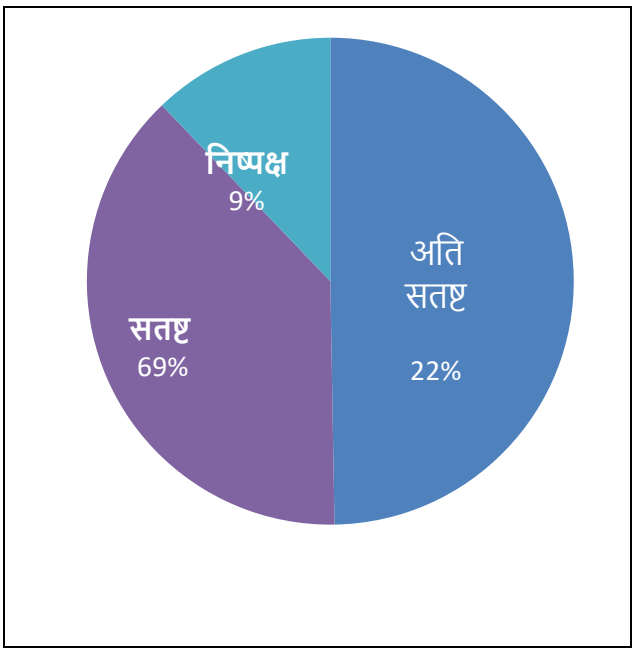

4. उपचार के परिणाम n

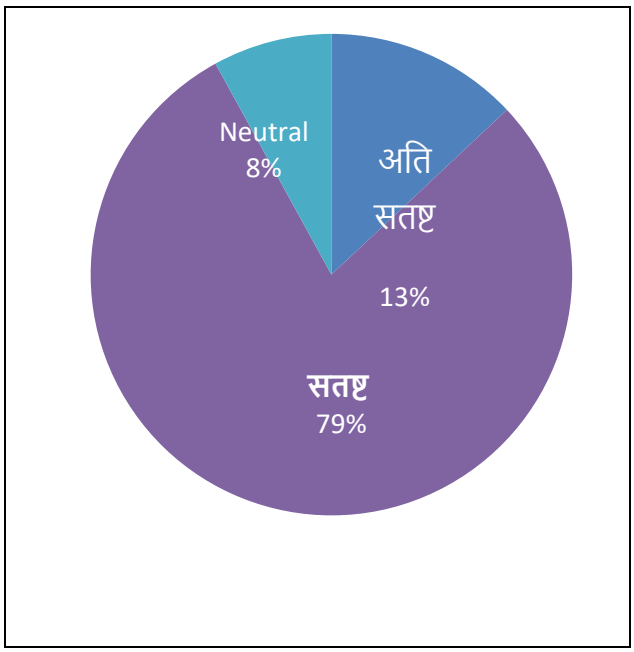

5. **दवाइयो की उपलब्धताप्र**

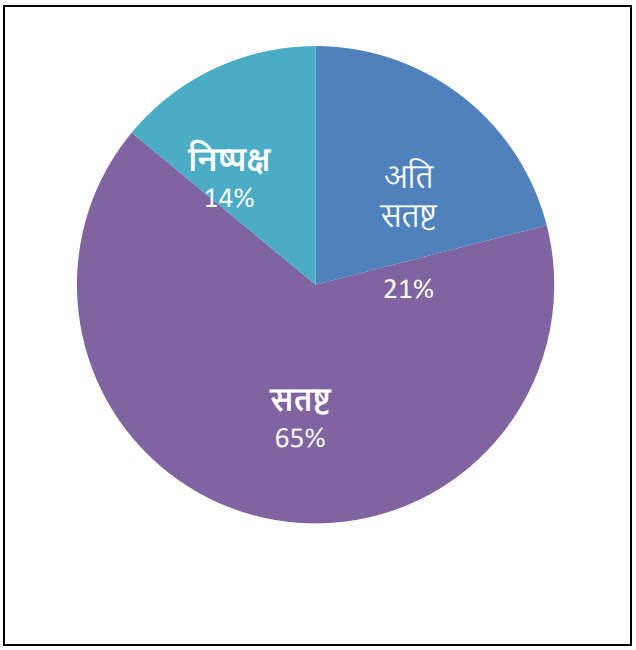

6. **सपूण सेवा** n

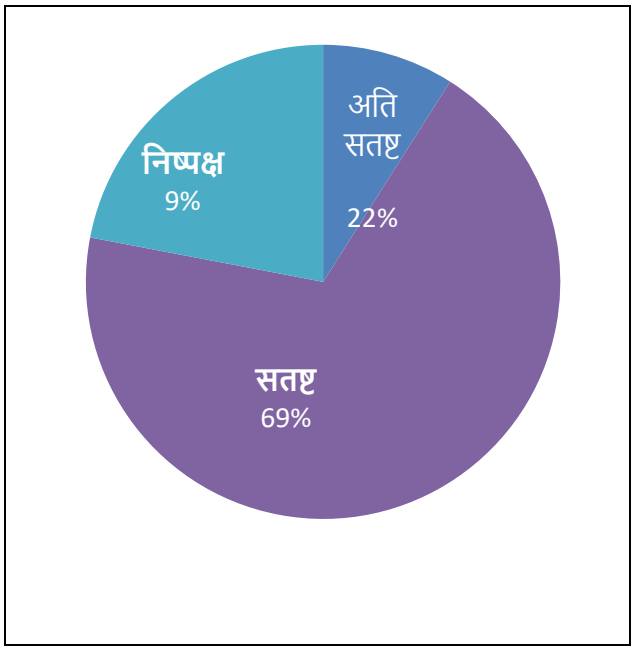

2.13. सिफारिश एव सुझावप्र

- मूलसनिदानकोंस्कीस्उपलब्धता- कईस्लाभार्थियोंस्नेस्मधुमेहस्परीक्षणस्के लिएस्बुनियादीस निदानस्किटस्प्रदानस्करनेस्कास्सुझावस्दिया।स
- कईस्लाभार्थियों द्वारास्आंखस्विशेषज्ञस्कीस्तरजीहस्कीस्मीस्सिफारिशस्कीस्गईस्थीस
- लाभार्थियों नेस्कहास्कीस्एमएमयूस्कीस्आवृत्तिस्बढ़ाईस्जानी।स

3. जैव शौचालय के स्टर n

3.1. पृप्रभूमिप्र

विकासस्लक्ष्यों स्(एसडीजी) कीस्तुलनास्में स्मिलेनियमस्डेवलपमेंटस्लक्ष्यों स्(एमडीजी) में, पानीस्और स्वच्छतास्(डब्ल्यूएएसएच) परस्अधिकस्ध्यानस्दियास्गयास्है।स्वाशस्के विशेषज्ञोंस्के अनुसारस्लक्ष्यस्6 (स्वच्छस्जलस्और स्वच्छता) के बिनास्अन्यस्महत्वपूर्णस्लक्ष्यस्औरस्प्रगतिस्कभीस्हासिलस्नहीं किएस्जास्सकतेस्हैं।.[9]

अहानिकरस्रूपस्में स्मानवीयस्अपशिष्टस्निपटनास्एकस्बढ़तीस्हुईस्समस्यास्है, जोस्भारतस्कीस्तरहस्अत्यधिकस्आबादीस्वालेस्औरस्विकासशीलस्देशोंस्में स्भूजलस्औरस्पीनेस्के पानीस्के संसाधनोंस्के प्रदूषणस्के कारणस्महामारीस्के अनुपातस्में स्उपद्रव, जैविकस्प्रदूषणस्औरस्कईस्संक्रामकस्रोगस्इसकास् परिणामस्है।स्30% सेस्कमस्भारतीयोंस्कोस्शौचालयोंस्तकस्पहुंचस्है।स्ग्रामीणस्इलाकोंस्में स्लगभगस्10% घरोंस्में स्शौचालयस्हैंस्औरस्शेषस्लोगस्शौचखुलेस्में स्जातेस्हैं।स्अनुपचारितस्अपशिष्टस्कईस्रोगोंस्जैसेस्किस्पेचिश, डायरिया, अमीबियासिस, वायरलस्हैपेटाइटिस, हैजा, टाइफाइडस्आदिस्के लिएस्जिम्मेदारस्है।.[10]

स्वच्छतास्औरस्शौचालयोंस्के महत्वस्को स्वीकारस्करतेस्हुएस्भारतस्डायनेमिक्सस्लिमिटेडस्नेस्ओडिशास्के बालासोरस्जिलेस्में स्जैव-शौचालयस् थापितस्करनेस्कास्निर्णयस्लिया।स्भारतस्कोस्खुलेस्में स्शौचस्मुक्तस्बनानेस्के लिएस्तथास्“ स्वच्छस्भारतस्अभियानस्” में स्योगदानस्देनेस्के लिएस्बीडीएलस्नेस्फिक्कीस्कोस्जैव-शौचालयस् थापितस्करनेस् कास्कार्यस्सौंपा। स्वच्छस्भारतस्मिशन- भारतस्सरकारस्के प्रमुख स्वच्छतास्कार्यक्रमस्कास्उद्देश्यस्2019 तकस्भारतस्कोस्खुलेस्में स्शौचस्मुक्तस्बनानेस्कास्है।स्

2014 में स्बीडीएलस्औरस्मैसर्सस्फिक्की, नईस्दिल्लीस्नेस्वित्तीयस्वर्षस्2014-15 के दौरानस्ओडिशास्के बालासोरस्जिलेस्में स्जैव-शौचालयोंस्के चारस्समूहोंस्के निर्माणस्के लिएस्समझौतास्ज्ञापनस्में स्प्रवेशस्किया।स्प्रारंभिकस्चरणस्में स्मैसर्सस्फिक्कीस्द्वारास्बालासोरस्के जलेश्वरस्औरस्चंदनेश्वरस्में स्जैव-शौचालयोंस्के दोस्समूहोंस्कास्निर्माणस्कियास्गया।स्To- जैव-शौचालयोंस्के (2014-15 में) निर्माणस्के लिएस्व्ययस्27.13 लाखस्रूपयेस्था।स्

[9] Rao Gupta, "Opinion: "Sanitation, Water & Hygiene For All" Cannot Wait for 2030". Inter Press.
Batty, Margaret, "Beyond the SDGs: How to deliver water and sanitation to everyone, everywhere"
[10] http://drdoficciatac.com/biodigester/aboutus.asp

जलशेवर और चंदनेश्वर में ओडिशा के बालासोर जिले में एक पायलट आधार पर जैव-शौचालयों के दो समूहों का कार्य पूरा हुआ। इसका उद्देश्य अगले दो समूहों में जाने से पहले समुदाय की प्रतिक्रिया को जानना था।

3.2. फिक्की: संक्षिप्त प्रोफ़ाइल

1927 में थापित, फिक्की भारत का सबसे बड़ा और सबसे पुराना सर्वोच्च व्यापार संगठन है। एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी संगठन, फिक्की व्यापार और उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है। नीति निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के लिए नीति निर्माताओं और नागरिक समाज के साथ मिलकर, फिक्की उद्योग के विचारों और चिंताओं को अभिव्यक्त करता है। यह भारतीय निजी और सार्वजनिक कार्पोरेट क्षेत्र और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से अपने सदस्यों की सेवा करता है, 2,50000 से अधिक कंपनियों तक पहुंचने वाले राज्यों में विभिन्न क्षेत्रीय वाणिज्य और उद्योगों के क्षेत्र में अपनी ताकत लगा रही है।

3.2.1. पहल: एक अवलोकन

डीआरडीओ और फिक्की ने फरवरी 2009 में त्वरित प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और व्यावसायिकरण (एटीएसी) कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य नागरिक उत्पादों और सेवाओं के उपयोग के लिए डीआरडीओ प्रौद्योगिकियों के लिए व्यावसायिक संबंध बनाने उद्देश्य से है। डीआरडीओ द्वारा विकसित जैव-डाइजेस्टर प्रौद्योगिकी के आधार पर बायो-शौचालय कार्यक्रम के तहत एक ऐसी तकनीक का व्यावसायीकरण कर रहा है। यह अनुमान लगाया गया था कि डीआरडीओ विभिन्न राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों, फिक्की और गांगा एक्शन प्लान के सहयोग से पूरे भारत में 18000 जैव शौचालय थापित करेगा।

आकृति 12: बीडीएल समथित बायो-टॉयलेट्स का भौगोलिकप्र`प्र

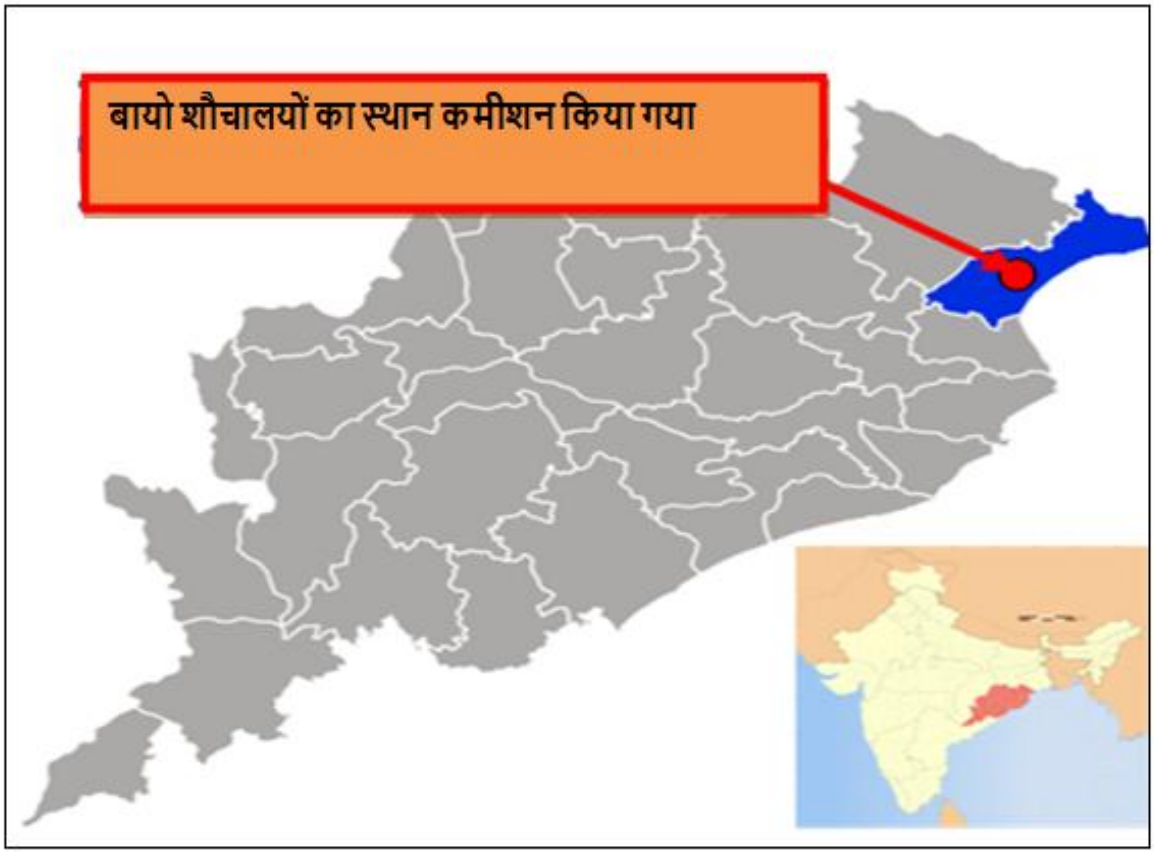

3.2.2. जैव शौचालयप्र

गरीबस्लोगोंस्के बीच स्वच्छतास्कोस्सुधारनेस्औरस्देशस्मेंस्उचित स्वच्छतास्सुविधाओंस्कीस्कमीस्के कारणस्होनेस्वालीस्बीमारियों कोस्कमस्करनेस्के लिएस्जैव-शौचालयस्कार्यक्रमस्शुरूस्कियास्गयास्था।स

इसकीस्व्यापकस्अनुकूलनस्क्षमता, कुस्शलस्कार्यस्औरस्पर्यावरणस्अनुकूलस्प्रकृतिस्के कारण, जैव-शौचालयस्पहलस्भारतस्मेंस्खुलीस्मलबेस्सेस्संबंधितस्मुद्दोंस्कोस्कमस्करनेस्मेंस्सक्षमस्था।स

डीआरडीओस्नेस्मानवीयस्अपशिष्टस्निपटानस्के लिएस्एकस्पर्यावरण-अनुकूलस्बायोडग्रेडेशनस टेक्नोलॉजीस्कोस्सिद्धस्कियास्है।स्डीआरडीओ नेस्पारंपरिकस्ऊर्जास्स्रोतों के आधारस्परस्बिनास्जैवस डायजेस्टरस्तकनीकस्कोस्पर्यावरणस्के अनुकूल, रखरखावस्मुक्तस्औरस्कुस्शलस्विकसितस्कियास्है।स प्रवाहस्रहितस्हैस्औरस्बहुतस्सेस्रोगज़नक़ों सेस्छुटकारास्मिलस्जातास्है।स

जैवस्डायजेस्टरस्प्रौद्योगिकीस्के दोस्घटकस्हैं: एनारोबिकस्माइक्रोबियलस्कंस्सोर्टियमस्औरस्विशेषस रूपस्सेस्तैयारस्किण्वनस्टैंक।स्माइक्रोबियलस्कंस्सोर्टियमस्अंटार्कटिकास्औरस्निम्नस्तापमानस्क्षेत्रोंस्सेस एकत्रितस्ठंडस्सक्रियस्बैक्टीरियास्के साथस्अनुकूलन, संवर्धनस्औरस्जैवस्वृद्धिस्द्वारास्कियास्गयास्है।स यहस्हाइड्रोलायटिक, एसिडोजेनिक, एसिटोजेनिकस्औरस्मैथोजेनिक्सस्समूहोंस्कीस्उच्चस्क्षमतास

वालेस्बायोडिग्रेडेशनस्सेस्संबंधितस्बैक्टीरियास्के चारस्क्लस्टर्सस्सेस्बनास्है।सकिण्वनस्टैंकस्धातुस/ फाइबरग्लासस्प्रबलितस्प्लास्टिकस(एफआरपी) सेस्बनास्हैस्औरस्बड़ीसंख्यासेंस्बैक्टीरियास्कोस्स्थिरस करनेस्कास्प्रावधानस्है।स

बायो-टॉयलेटस्के अवशिष्टस्पानीसेंस्रंगहीन, बिनासांधस्औरसकिसीसभीस्ठोसस्कणोंस्सेस्रहितस्है।स इसकेस लिएस्कोईस्अन्यस्उपचारस/ अपशिष्टस्प्रबंधनस्कीस्आवश्यकतास्नहींस्है स्औरससिंचाईस्के प्रयोजनोंस्के लिएस्इस्तेमालसकियास्जास्सकतास्है।स्यहसमहंगास्अपशिष्टस्उपचारस्कीस्आवश्यकतास कोस्समाप्तस्करतास्है स्औरस100% रखरखावसमुक्तस्है स- जैव-डिजैस्टरस्टैंकोंस्कोसकिसीसप्रकारस्के रखरखावस्कीस्आवश्यकतासनहीं होतीस्है।स

3.3. स्पॉट विज़िट और इटरैप्र नप्र

3.3.1. स्पॉट विज़िट:

- एएससीआईस्कीस्एकस्टीमसेस बालासोरसेंस्जलेश्वरस्औरस्चन्दनेश्वरस्समूहोंस्कास्दौरासकियास ।स्इससयात्रास्कास्उद्देश्यस्उपयोगितास्औरस्जैवस्शौचालयस्कास्लाभस्उठानेस्के लिएस्ग्रामीणोंस सेस्बातचीतस्करनास्था।स
- अनुचित रखरखाव के कारण ज्यादातर शौचालय कार्यात्मक स्थिति में नहीं हैं।स
- फिक्कीसेस्बायो-टॉयलेटस्कोस्समुदायस्कोस्सौंपसदियास्है स्लेकिनस्ग्रामीणोंस्कोस रखरखावस्के लिएस्यास्अन्यसकिसीसभीस्रूपसेंस्सहायतास्प्रदानसनहीं कीस्है।स
- इनस्शौचालयोंस्के डिजाइनस/ निर्माणसेंस्कुछस्कार्यात्मकस्दोषस्हैंस्जोस्शौचालयोंसेंस्जलस प्रवेशस्करनेस्के लिएस्प्रेरितस्करतेस्हैं।स
- अधिकांशस्शौचालयोंसेंस्पानीस्कीस्उपलब्धतास्एकस्बड़ीस्बाधास्है स्औरस्इसलिएस्शौचालयस उपयोगसेंसनहीं हैं।स
- शौचालयोंस्कीस्देखभालस्के लिएसनियोजितस्कार्मिकोंस्कोसमहीनेस्के लिएसभुगतानसनहींस कियासगयास्है।स
- ड्रेनेजस्पाइपसेंस्लीकस्देखासगया, जिसकेस्कारणस्आस-पासस्के घरों मेंसपरेशानीसपैदासहुई।स

3.4. सिफारिश और सुझावप्र

- पानीस्कीस्उपलब्धतास्सुनिश्चितस्कीस्जानीस्चाहिएसस
- डिज़ाइनस्के मूलस्दोषों कोसभागीदारसएजेंसीस्द्वारासध्यानसरखास्जानास्चाहिए।स

- पहलकीस्थिरताके लिएतंत्रव्युत्पन्नहोनाचाहिए।.

आकृति 14 : बीडीएल समथित जैव शौचालय की स्थितिप्र

Donated by
Bharat Dynam
Hyderabad

4. मिड-डे मील स्कीम n

4.1. पृष्ठभूमि

10 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने निर्णय लिया कि निरंतर विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर ओपन वर्किंग ग्रुप की रिपोर्ट एसडीजी को 2015 के विकास के एजेंडे के बाद एकीकृत करने का मुख्य आधार होगा। 17 एसडीजी एस हैं; उनमें एसडीजी 2 के पते "अंत भूख, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण प्राप्त करना, और थायी कृषि को बढ़ावा देना"[11]

मिड-डे मील स्कीम एक स्कूल भोजन कार्यक्रम है जो भारत सरकार द्वारा स्कूल-आयु के बच्चों के पोषण संबंधी स्थिति को देश भर में सुधारने के लिए बनाया गया है।[12] भारत का मिड-डे मील स्कीम दुनिया के सबसे बड़े स्कूल लंच कार्यक्रम में से एक है। स्कूलों में मध्य भोजन का भारत का लंबा इतिहास रहा है। 1925 में मद्रास नगर निगम में वंचित बच्चों के लिए मिड डे मील प्रोग्राम शुरू किया गया था। 1980 के मध्य तक तीन राज्यों अर्थात गुजरात, केरल और तमिलनाडु और यूटी पांडिचेरी ने प्राथमिक स्तर पर पढ़ रहे बच्चों के लिए अपने स्वयं के संसाधनों के साथ एक पकाया हुआ मिड डे मील प्रोग्राम को सार्वभौमिक बनाया। 1990-91 तक मध्य दिन भोजन कार्यक्रम को सार्वभौमिक या बड़े पैमाने पर अपने संसाधनों के साथ लागू करने वाले राज्यों की संख्या बारह राज्यों में बढ़ी।[13]

आकृति 15: सरकार तेलगाना राज्य के सरकारी प्रूल में मिड-डे मील स्कीम

[11] https://sustainabledevelopment.un.org
[12] Chettiparambil-Rajan, Angelique, "India: A Desk Review of the Mid-Day Meals Programme"
13 http://mdm.nic.in/

4.2. मिड डेप्रमील स्कीमप्र

बीडीएलस्नेस्राज्यस्सरकारस्के मिड-डेस्मीलस्स्कीमस्के साथस्भागीदारीस्के लिएस्मेसर्सस्अक्षयस्पात्रास फाउंडेशनस(टीएपीएफ) के साथस्समझौतास्कियास्है।स्आंध्रस्प्रदेशस्राज्यस्के विशाखापत्तनमस्जिलेस्में स्जीएचएमसीस्स्कूलों स्में स्पढ़ाई स्करतेस्हुएस्पैतन्चेरुस्मंडल, मेडकस्जिले, तेलंगानास्राज्यस्औरस5000 स्कूल के बच्चों स्में स63 सरकारीस्स्कूलों स्में स्पढ़ाई स्वालेस10,000 स्कूलस्बच्चों स्कोस्मिड-डेस्भोजनस्दियास्गया।स

4.3. अप्र य पाप्रा फाउडेशन: सक्षिप्त

अक्षयस्पात्रास फाउंडेशनस्एकस्पंजीकृतस्ट्रस्टस्है स्जोस्सरकारीस्स्कूलस्के बच्चों स्के बीचस्कक्षास्भूखस्कोस समाप्तस्करनेस्औरस्शिक्षास्कोस्सुविधाजनकस्बनानेस्के लिएस्देशस्भरस्में स्कामस्करस्रहास्है।स्अक्षयस्पात्रास फाउंडेशनस्भारतस्के 12 राज्यों स्में स2 मिलियनस्से स्अधिकस्बच्चों स्कोस्शामिलस्करतास्है।स्अक्षयास्पात्रास दुनियास्के सबसेस्बड़ेस्एनजीओस्संचालितस्स्कूलस्भोजनस्कार्यक्रमस्में स्से स्एकस्है, वंचितस्बच्चों स्कोस्खिलातीस है स्औरस्शिक्षास्कोस्प्रोत्साहितस्करतीस्है।स्अक्षयस्पात्रास्नेस्रसोईघरस्समर्पितस्कियास्है, जहांस्मध्य-भोजनस्कास भोजनस्पकायास्जातास्है स्औरस्फिरस्विशेषस्वाहनों स्में स्पैकस्कियास्जातास्है स्औरस्स्कूलों स्में स्पहुंचास्जातास्है।स अक्षयस्पात्रास्भोजनस्योग्यस्पोषणस्विशेषज्ञों स्कीस्सिफारिशों स्के अनुसार, सरकारस्के मानदंडों स्कास्पालनस करतेस्हुएस्बच्चों स्के पोषणस्संबंधीस्आवश्यकताओं स्कोस्पूरास्करतेस्हैं।स्अक्षयस्पात्रास्कीस्रसोईस्तकनीकी-केंस्द्रितस्हैं, औरस्कमस्से स्कमस्मानवस्हस्तक्षेपस्औरस्निरंतरस्गुणवत्तास्के साथस्कमस्से स्कमस्100,000 भोजनस कमस्से स्कमस्साढ़े स्चारस्घंटे स्तकस्पास्सकतेस्हैं।स्पकायास्हुआस्भोजनस्गर्मी-पृथक, धूलस्रहितस्विशेषस्प्रयोजनस वाहनों स्के माध्यमस्से स्वितरितस्कियास्जातास्है।स

. **आकृति 16: तेलगानाप्रराज्य के मेदकप्रजिले में बीडीएलप्रसमथितप्रमिडप्रडे मील स्कीमप्रकाप्र भौगोलिकप्र`** n

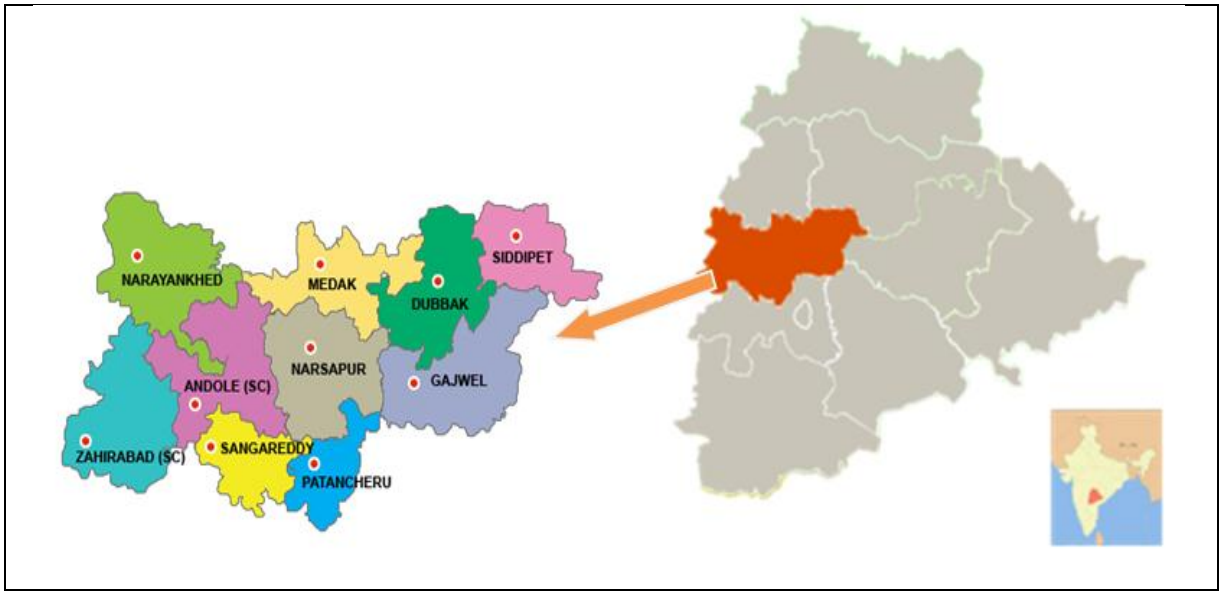

आकृति 17:: आध्रप्रदेश राज्य के विशाखापत्तनम जिले में बीडीएल समथित मिड डेप्र मील स्कीम का भौगोलिकप्र`प्र

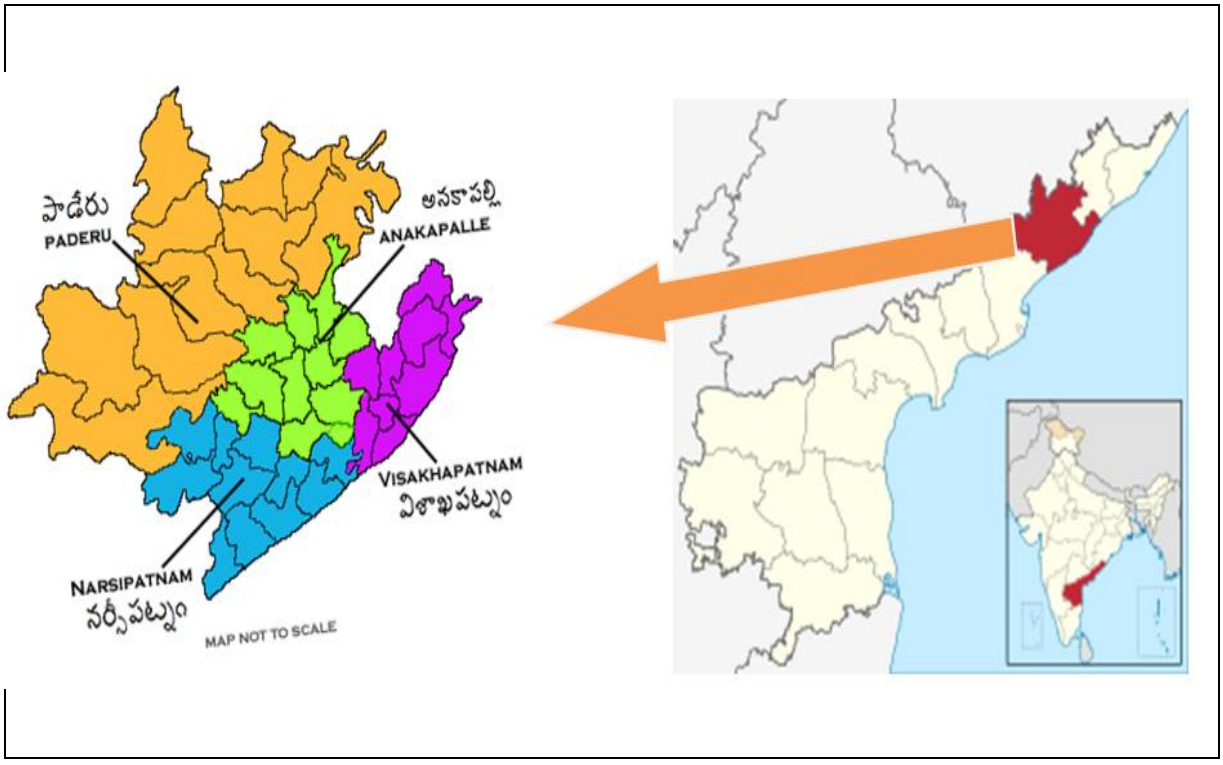

4.4. स्पॉट विज़िट और इटरैप्र नप्र

4.4.1 स्पॉट विज़िटप्र

सर्विस डिलिवरी, गुणवत्ता और सफाईस्के बारेस्मेंस्बेहतर समझस्पानेस्के लिए, एएससीआईस्टीमस्के सदस्योंसेस्टीएपीएफस्सोईघर कास्भी दौरास्कियास्जो पैटेंचेरु मंडलस्मेंस्थित है। टीमस्नेस्फोकसस्समूहस चर्चाओंस्(एफजीडी) केस्साथ-साथ जिला परिषद और मंडलस्परिषद स्कूलोंस्के प्राचार्यों, शिक्षकोंस्और छात्रोंस्सेस्प्राथमिकस्आंकड़ोंस्को इकट्ठा करनेस्के लिएस्संरचित प्रश्नावली का इस्तेमालस्किया। शिक्षकोंस और छात्रोंस्सेस्अलगस्प्रश्नावली केस्माध्यमस्सेस्डेटा एकत्रस्किया गया था।स्कईस्एफजीडी छात्रोंस्के साथस आयोजितस्किए गए थेस्एफजीडी केस्अलावा, टीमस्नेस्प्रिंसिपल, सर्विस प्रोवाइडर स्टाफस्और आया सहितस लाभार्थियोंस्के साथ प्रमुखस्सूचना केस्साक्षात्कार भी आयोजितस्किए।स

अधिकांशस्विद्यालय रसोईस्सेस5 सेस10स्किमी की दूरीस्परस्थितस्हैं, जिसमेंस्औसत दूरीस7 किमीस्है।स भोजनस्की गुणवत्तास्और ताजगी बनाए रखनेस्के लिएस्आवश्यक व्यवस्था की जाती है।स्खाद्यस्विशेषस कंटेनरोंस्मेंस्पैकस्किया जातास्है, जो बारी-बारी सेस्आपूर्तिस्के मार्गस्के आधार पर अलग-अलगस्वाहनोंस्मेंस लेस्जाया जातास्है।स्अपरिवर्तित रिकॉर्डस्भोजन, वाहन प्रस्थानस्और वापसी केस्समयस्के अपलोडस्समयस्के

साथ वाहन के आंदोलन के बारे में बनाए रखा जाता है। भोजन की डिलीवरी का समय नियमित रूप से निगरानी रखता है और स्कूल के अधिकारियों से भी सत्यापित किया जाता है। स्कूल के अधिकारियों के मुताबिक खाना वक़्त से काफी पहले पहुंच जाता है और तब तक गर्म और ताज़ा रहता है जब तक इसकी सेवा नहीं होती है।

टीम ने इन स्थानों पर हेडमास्टर और शिक्षण स्टाफ, स्कूली बच्चों और कुछ माता-पिता के आंकड़ों को एकत्र किया। टीम ने दोपहर के भोजन के दौरान स्कूलों में से कुछ का दौरा किया, ताकि भोजन की गुणवत्ता की जानकारी मिल सके। स्कूल के अधिकारियों द्वारा भोजन को नियमित आधार पर चखाया जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि भोजन की गुणवत्ता उपभोग के लिए सुरक्षित है। स्कूल के अधिकारियों द्वारा भोजन को नियमित आधार पर चखाया जाता है। टीम ने देखा कि स्कूल में सभी बच्चों को पर्याप्त मात्रा में भोजन दिया जा रहा है। उपलब्धता और मांग के आधार पर छात्रों को अतिरिक्त भोजन अपने घरों में ले जाने की अनुमति है।

4.4.2 टिप्पणियाँ

चर्चाओं और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों से प्रमुख टिप्पणियां निम्नलिखित हैं:

- स्कूल में भाग लेने वाले सभी बच्चे तेलंगाना में मिड डे डे का उपभोग करते हैं
- विशाखापत्तनम में विद्यालय छात्रों को अंडे प्रदान नहीं कर रहे हैं।
- विशाखापत्तनम में कुछ बच्चों को घर से दोपहर का भोजन भी ले जाते देखा गया।
- अधिकांश बच्चे अपने घरों से मिड डे मील खाने के लिए ले जाते हैं
- भोजन के अलावा, नाश्ता भी मिड डे मील में परोसा जाता है।
- बच्चों के माता-पिता ने ैक्स (नास्ता) के जगह फल देने का सुझाव दिया
- सर्वेक्षण किए गए सभी शिक्षकों को मिड डे मील के गुणवत्ता, मात्रा और स्वाद से संतुष्ट थे।
- मिड डे डे मील ने प्रिंसिपल, शिक्षक और अन्य कर्मचारियों को छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं पर ध्यान देने में मदद की है क्योंकि वे खरीद, तैयारी और भोजन की सेवा की पूरी प्रक्रिया से राहत महसूस कर रहे हैं।
- अधिकांश विद्यालयों ने मिड डे मील के कारण दुपारी की उपस्थिति में महत्वपूर्ण सुधार की सूचना दी है
- छात्रों के स्वास्थ्य और ध्यान अवधि में दृश्य सुधार भी हैं।
- माता-पिता मिड डे मीन स्कीम से संतुष्ट हैं और वे अपने बच्चों को स्कूल में भेजने को तैयार हैं।

आकृति 18: लाभाथियो और शिप्र को के साथ बातचीत n

4.5. लाभार्थियों और शिप्रा कोके साथ बातचीत n

नाम: एमश्रीदेवीस **वसाय:** शिक्षकस

प्रल: जेडपीएचएसस्लथनपुरस **जिला:** मेडकस

जलसंयंत्रस/ आरओप्लांटकी स्वीकृतिकासुझावदियागया, वर्तमानमेंछात्रोंकोप्रदानकियागयास पानीबोरसेहै, कोईफिल्टरनहींहै।गांवमेंजलजनितरोगोंकीउच्चआवृत्तिऔरप्रसारहैऔरस आरओप्लांटकीस थापनाप्रभावीतरीकेसेइसमस्याकासमाधानकरसकतीहै।स अंडेकोभीमेनूमेंजोड़ाजानाचाहिएजोकुछसमयसेवापसलेलियागयाहै।उन्हेंलगताहैकिस भोजनमेंखट्टेफलोंकोजोड़ाजानाचाहिए, जोनकेवलभोजनकोअधिकआकर्षकबनातेहैसाथहीस छात्रोंके शरीरके प्रतिरोधकोबढ़ानेके लिए, विटामिन-सीकासमृद्धस्रोतहोगा।स

.**आकृति 19: लाभार्थियों और सेवा प्रदाता के साथ बातचीतप्र**

नाम: जी सत्यवतीप्र	**वसाय: छात्र**
ूल: जेड पी एच एस सुप्र ानपुरप्र	**जिला: मेडकप्र**

मध्यभोजनमेंखाद्यगुणवत्तास्वास्तवमेंअच्छीहै, मुफ्तभोजनके कारणहमारेमाता-पिताहमेंस्कूलभेजनेके लिएतैयारहैं।मेनूमेंलगातारबदलावहोनाचाहिएक्योंकिएकहीप्रकारकाभोजनएकनीरसरूटीनबनजाताहै।नाश्तामेंबिस्कुटके साथबदलदियाजायाहै, जोकेवलफलहोनाचाहिए

नाम: श्रीनिवास रावप्र	**वसाय: शिप्र कप्र**
ूल: एमपीयूपीएस पोचारामप्र	**जिला: मेडकप्र**

अच्छीगुणवत्ताके पर्याप्त ैक्सप्रदानकरनाचाहिए।चयनितअवसरोंपरविशेषभोजनके लिएभीप्रावधानहोनाचाहिएकेवलकेलाहीफलोंके रूपमेंभेजाजारहाहै, दूसरेफलों को भी शामिल कियाजानाचाहिए। थानीयबनेभोजनभीबढ़ावादियाजासकताहैताकिअच्छीगुणवत्ताके ताजाऔरसस्ताआहारउपलब्धहो।

नाम: सी श्रीलाथाप्र	**वसाय: छात्र**
ूल: जेड पी एच एसप्र मप्र	**जिला: मेडकप्र**

दाल(पप्पू) मेंअधिकसब्जियांजोड़नीचाहिए।बच्चोंकोसप्ताहमेंदोबारप्राउटदियाजासकताहै। शामके नाश्तामेंआहारमेंशामिलकिएजानेचाहिए।वर्तमानमेंशामके ैक्सके लिएकोईप्रावधाननहीं है।उपलब्धकरायागया पानी साफ नहीं है, बोरवेलकापानीउपलब्धकरायाजारहाहैजो कि अच्छा स्वाद नहीं देता है।

4.6 प्रभाव:

मिडडेमीलस्कीमके तहतकवरकिएगएसभीस्कूलोंमेंनामांकनके मुकाबले25% कीऔसतसे बढ़ी है जब मध्यकालीन भोजन सेवाएंटीएपीएफ द्वारा प्रदान नहीं की गईं थीं।

विद्यालयोंके अध्यापकोंऔरशिक्षकोंके मुताबिकदोपहरके भोजनकीउपस्थितिमेंमध्याह्न भोजनकार्यक्रमके कारणकाफीबढ़गयाहै।कक्षाके सत्रमेंदोपहरके भोजनके बाद80-85% उपस्थितिकोदेखाजाताहै।दोपहरके भोजनके सत्रोंके बादजिम्मेदारमुख्यकारणमध्यदिनकाभोजनऔरदोपहरके भोजनके बादपरोसाजाताआताहै।इससेपहलेकईछात्रभोजनके लिएअपनेघरवापसजातेथे, जिसके परिणामस्वरूपदोपहरकक्षाओंके लिएछात्रोंकीसंख्याकमहोतीथी।

.

4.7 लाभाथियो के उत्तर के साराशप्र

चाट 3: लाभाथियो के उत्तर के साराशप्र

1. उपस्थिति n

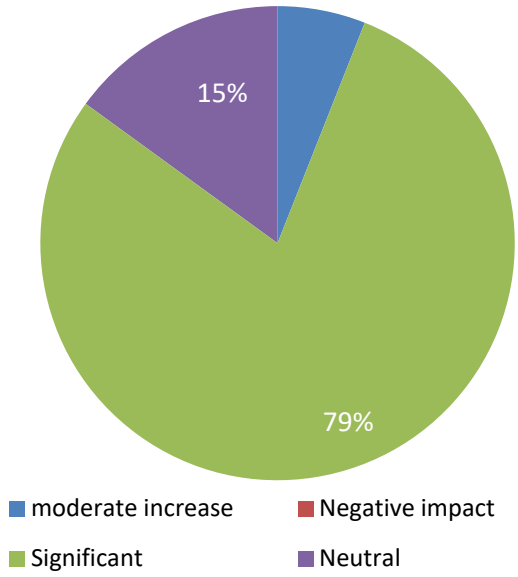

2. निरतरताप्र

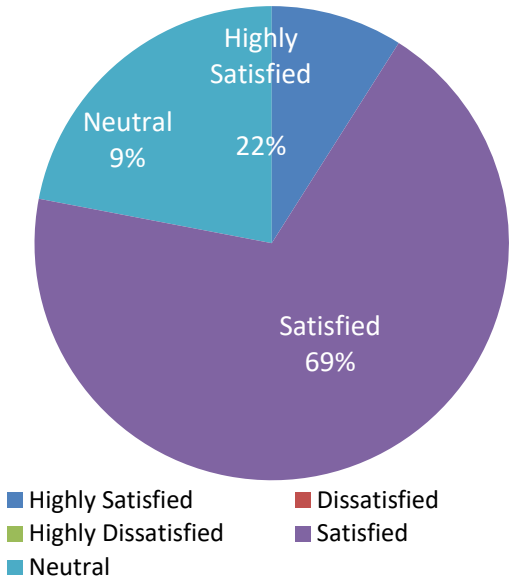

3. गुणवत्ताप्र

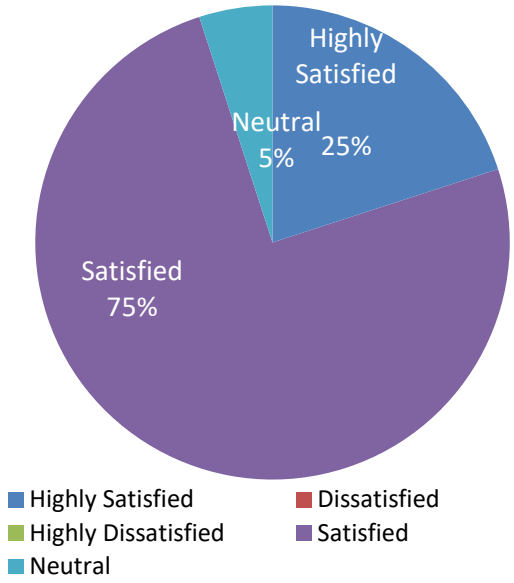

4. मात्राप्र

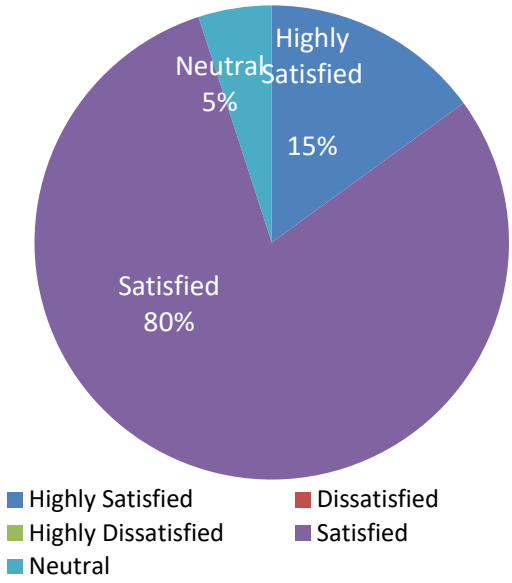

5 समयबद्धताप्र

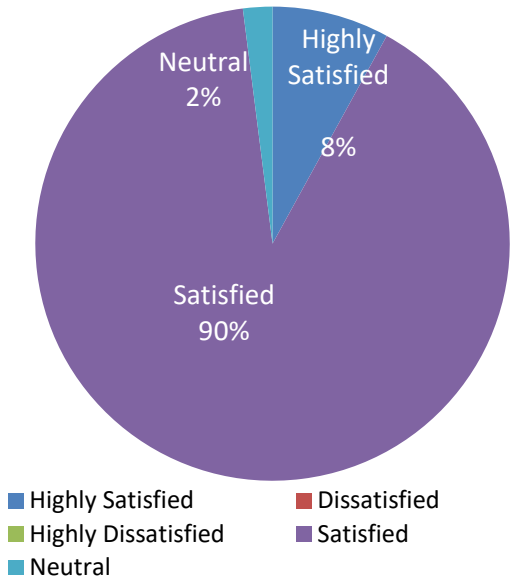

6. स्वाद n

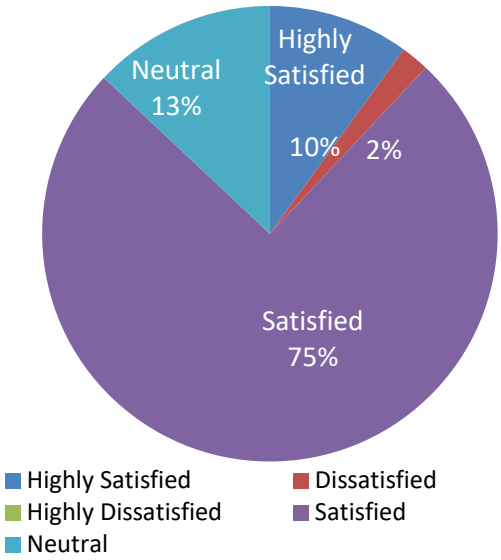

4.8 प्रभावप्र

- स्कूलस्सामांकनसेंस्वृद्धिस
- स्कूलीसबच्चोंसके बीचसअनुपस्थितिसेंसमहत्वपूर्णसकमीस
- बच्चोंसके शारीरिकसविकाससपरसकारात्मकसप्रभावसके साथसकक्षासकीसभूखसकोसखत्मसकरना।स
- कक्षासेंसीखनेसेंसबेहतरसएकाग्रतास
- शिक्षकोंसऔरसअन्यसकर्मचारियोंसकोसखरीद, खानास्पकानेसऔरसअन्यसखाद्यसंबंधीसमुद्दोंससेसराहतस मिली।सशिक्षासपरसअधिकसध्यानसेंसद्रितस
- दैनिक मजदूरों के बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था जो अपने बच्चे को उचित भोजन प्रदान करनेस मेंसअसमर्थसहैंस

4.9 सिफारिशें और सुझावप्र

- “ भोजनसकासउपभोगसकरनेसके लिएसउचितसऔरसमर्पितसबैठनेसकासक्षेत्रसप्रदानसकियासजाएस
- स्कूलसमेंस"आयेस" कईसकार्योंसमेंसशामिलसहै, उचितसपारिश्रमिकसकासभुगतानसकरनासहोगा।सवर्तमानस पारिश्रमिकसबहुतसकमसहैस
- अधिकसफलोंसकोसमेनूसमेंसजोड़ासजानासचाहिएसऔरसविशेषसरूपससेसखट्टेसफलसऔरसबिस्कुटससेसबचास जानासचाहिए।स

5. सरकारीप्र ूलो में शौचालयो की निमाण और रखरखाव n

5.1. पृप्रभूमिप्र

डब्लूएचओस्औरस्यूनिसेफस्के अनुमानस्के मुताबिकस60% भारतीयस्आबादीस्खुलेस्मेंस्छूटस्जातीस है।स्हमारेस्देशस्कीस्आबादीस्काकेस्वलस31% हीस्उचित स्वच्छतास्सुविधाओंस्तकस्पहुंचस्है।स्खुलेस्मेंस शौचस्के कारणस2.4 करोड़स्भारतीयस्बच्चेस दस्तस्सेस्मरस्जातेस्हैं।स्इसकेस अलावास्खुलेस्मेंस्शौचस्सेस बच्चोंस्कीस्शिक्षास्परस्नकारात्मकस्असरस्पड़तास्है।स्स्कूलस्के शौचालयस्कीस्सुविधास्कईस्स्कूलोंस्के बच्चोंस्के साथ-साथस्शिक्षकोंस्औरस्देखभालस्करनेस्वालोंस(क्रॉहान, 2002) के लिए एक समस्यास होनेस्कीस्सूचनास्है।स्अपर्याप्त स्वच्छतास्के कारणस्ग्रामीणस्भारतस्मेंस78% लड़कियांस्स्कूलस्छोड़स देतीस्हैं।स्खुलेस्मेंस्शौचस्के कारणस(वर्ननस्एटस्अल, 2002) महिलाओंस्औरस्लड़कियोंस्के खिलाफस हिंसा, औरस्गोपनीयता जैसे मुद्दों में बढ़ोतरी हुई हैं।स

.

5.1.1. पहल:एक अवलोकनप्र

आकृति 21: सरकारीप्र ूलो का भौगोलिकप्र`प्र

बच्चोंस्के संज्ञानात्मक, रचनात्मकस्औरस्सामाजिकस्विकासस्के लिएस्स्कूलस्महत्वपूर्णस्हैस्तोस्स्कूल स्वच्छतास्और स्वच्छतास्शिक्षा, बच्चोंस्के लिएस्बेहतरस्औरस्भविष्यस्कीस्चुनौतियोंस्कास्सामनास्करनेस के लिएस्सुरक्षित, सुरक्षितस्औरस थस्वातावरणस्के लिएस्आवश्यकस्है।स्स्कूलस स्वच्छतास्और स्वच्छतास्शिक्षास(एसएसएचई) अब ज्यादातर स्कूलों द्वारा स्कूलस केंद्रित विकास की कार्रवाई कास एहसासस्होस्रहीस्है।स्भारतस्सरकारस्नेस्इसस्कार्यक्रमस्कोस्व्यापक स्वच्छतास्कार्यक्रमस्के साथस

एकीकृत किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि देश के सभी स्कूलों में विशेष रूप से ग्रामीण स्कूल बुनियादी स्वच्छता और पीने के पानी की सुविधा और अच्छे स्वच्छता अभ्यास बच्चों को सिखाए जाते हैं।

शौचालय तक पहुंच प्रदान करके स्वच्छता की आवश्यकता का उत्तर देना; भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने सरकारी स्कूलों में शौचालयों के निर्माण के लिए योगदान दिया। बीडीएल ने तेलंगाना राज्य के मेडक, रंगारेड्डी और नालगोंडा जिले में सरकारी स्कूलों में 9 3 शौचालय और स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत ए.पी. राज्य में विशाखापत्तनम जिले का निर्माण किया है।

आकृति 22 : तेलगाना और आध्र प्रदेश में सरकारी प्र ूलो में बीडीएल प्रायोजित प्र शौचालय प्र

5.2. शिप्रा को और लाभाथियो के साथ बातचीत

नाम: ीदेवी	**लिंग: महिला**	**वसाय: शिप्रा कप्र**

शौचालय के निर्माण के लिए बीडीएल द्वारा किए गए पहल से श्रीदेवी को अभिभूत किया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि, जैसा स्कूल स्कूल खिला रहा है और गांव के छात्रों को सहायता करता है, इसके अलावा शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने के महत्व को भी महत्व दिया जाता है। इसका स्वास्थ्य और स्वच्छता बनाए रखने के बारे में छात्रों के मानसिकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शौचालय सुविधा होने से वास्तव में नामांकन में वृद्धि के साथ-साथ स्कूल छोड़ने की दर में गिरावट पर कुछ प्रभाव दिखाई देता है।

नाम: गीताप्र लिग: महिलाप्र वसाय: शिप्र कप्र

गीतास्सभीस्सरकारीस्स्कूलोंस्मेंस्शौचालयोंस्के निर्माणस्परस्जोरस्देतीस्है।स्हालांकिस्उनकेस्स्कूलस्मेंस्पहलेस्शौचालयस्था, जोस्रखरखावस्के अभावस्मेंसगैर-कार्यात्मकस्था।स्शौचालयस्के निर्माणस्के बादस्नस्केवलस्छात्रोंस्बल्किस्शिक्षकस्भीस्सुविधाओंस्कास्लाभस्उठानेस्मेंस्सक्षमस्हैं।स्

नाम: टी सुधा रानीप्र लिग: ीप्र वसाय: शिप्र कप्र

सुधास्नेस्एकस्ऐसीस्घटनास्कोस्साझास्किया, जहांस्माता-पितास्कोस्चौथीस्कक्षास्के बादस्अपनीस्बच्चीस्कोस्स्कूलस्छुड़ाना पड़ा।स्एकस्ही छात्रस्स्कूलस्मेंसफिरस्सेस्जुड़ गया जबस्शौचालयों कास्निर्माणस्हुआस्औरस्शिक्षकों नेस्छात्रस्के पुन: नामांकनस्परस्जोरस्दियास्औरस्अपनेस्बेटेस्के द्वारास्माता-पितास्सेस्अनुरोधस्भेजा।स्

नाम: दिव्याप्र लिग: महिलाप्र वसाय: छात्र

दिव्यास्बीडीएलस्के समर्थनस्सेस्शौचालयोंस्के निर्माणस्सेस्खुशस्हैस्उसकेस्माता-पितास्स्कूलस्मेंस्भागस्लेनेस्के लिएस्पहलेस्सेस्ज्यादास्सहयोगीस्हैं।स्माता-पितासनिश्चिंतस्हैंसकिस्उनकेस्बच्चोंस्कोस्केवलस्मध्यस्भोजनस्के दौरानस्हीस्खानास्नहींस्मिलेगास्बल्किस्उनकीस्सुरक्षास्सुनिश्चितस्कीस्जातीस्हैस्औरस्शौचालयोंस्के उपयोगस्के लिएस्उन्हेंस्घरस्वापसस्नहीं आनास्पड़तास्है।स्

नाम: राहुलप्र लिग: पुरुषप्र वसाय: छात्र

राहुल उन दिनोंस्कोस्यादस्करतेस्हैंस्जबस्वेस्मूत्रालयस्कास्उपयोगस्करनेस्के लिएस्बाहरस्जाते थे क्योंकिस्स्कूलों मेंस्शौचालयस्नहीं थे।स्शौचालयोंस्के निर्माणस्के साथ, उन्हें अब बाहर जाना नहीं पड़ता है उन्होंने कहा किस्पुरुषस्छात्रोंस्के लिएस्शौचालयोंस्के निर्माणस्के लिएस्बहुतस्कमस्ध्यानस्दियास्गयास्है।स्उन्होंनेस्सुझावस्दियास्किस्शौचालयों में स्वच्छता को बनाए रखा जाना चाहिए, वर्तमानस्मेंस्शौचालयस्बहुतस्साफस्नहीं हैं।स्

नाम: विद्याप्र लिग: महिलाप्र वसाय: छात्र

विद्या स्वीकारस्करतेस्हैंसकिसविद्यालयस्मेंस्मूत्रोंस्कीस्अनुपस्थितिस्मेंस्घरस्वापसस्जानेस्कीस्बजायस्कोईस्अन्यस विकल्प नहीं था। वह कहती है कि कई बार छात्रों ने पोस्ट लंच कक्षाओं में भाग लेनेस्के लिए अपनेस्घरोंस सेस्लौटनेस्के लिएस्कभीस्भीस्उपयोगस्नहीं किया।स्वहस्विकाससेस्खुशस्हैं, उसकेस्माता-पिता ने भी स्कूलस्का दौरासकियास्हैस्औरस्पहलस्कीस्प्रशंसास्कीस्है।स

नाम: लक्ष्मीआप्र लिग: पुरुषप्र वसाय: दिहाड़ीप्रमजदुर (पिता)

लक्ष्मैयाहस्नेस्उत्कृष्टस्सुविधाएंस्प्रदानस्करनेस्के लिएस्स्कूलस्औरस्बीडीएलस्कोस्क्रेडिटसदियास्है।स्उन्होंनेस कहासकिस्पहलेस्स्कूलस्मेंस्शौचालयस्कीस्सुविधास्नहींस्थीस्औरस्नजदीकीस्इलाकेस मेंस्भी।स्शौचालयोंस्कास उपयोगस्करनेस्के लिएस्छात्रोंस्कोस्अपनेस्घरस्लौटनेस्के लिएस्यहस्मजबूरीस्थी।स्अबसविद्यालयोंस्नेस्मध्यावधिस भोजनस्औरस्शौचालयोंस्कीस्व्यवस्थास्शुरूस्करस्दीस्है, उन्हेंस्आश्वासनसदियास्गयास्हैसकिस्उनकेस बच्चोंस्कोस बेहतरसशिक्षासमिलेगी।स

नाम: मुरलीप्र एस लिग: पुरुषप्र वसाय: मजदुर (माता)

मुरलीस्कोस्सुखदस्आश्चर्यस्हुआस्जबस्उनकेस बच्चोंस्नेस्घरस्परस्शौचालयस्के निर्माणस्के लिएस्कहा।स्स्कूलोंस्मेंस शौचालयोंस्के निर्माणस्के बाद, बच्चोंस्नेस्घरस्परसविवरणस्साझासकिया।स्पक्केस शौचालयस्उनकेस बच्चोंस्के अनुसारस्अधिक स्वच्छस्हैं।स्मुरलीस्नेस्अपनेस्घरस्मेंस्शौचालयस्बनानेस्कासफैसलासकियास्है।स

6. ई सागू n

6.1 पृप्रभूमिप्र

अधिकांशस्भारतीयसकिसानस्जानकारीस्के स्रोतस्के लिएस्साथीसकिसानोंस्यास्कृषि-इनपुटस्खुदरास विक्रेस्ताओंस्परस्भरोसास्करतेस्हैं।स्केस्वलस3% किसानस्कृषिसविस्तारस्वालेस्अधिकारियोंस्सेस्जानकारीस मांगतेस्हैं।स्वैज्ञानिकस्औरसविश्वसनीयस्कृषिस्सलाहकारस्कृषिस्क्षेत्रस्मेंस्प्रमुखसचिंताओंस्मेंस्सेस्एकस्है।स "डिजिटलस्इंडिया" देशस्कीस्मुख्यस्प्राथमिकताओंस्मेंस्सेस्एकस्है, जिससेसकिसानोंस्कोस्मौसम, बाजारस औरस्तकनीकीस्जानकारीस्के प्रसारस्के लिएस्तकनीकस्कास्लाभस्उठानेस्परस्ध्यानस्केंस्द्रितस्होस्रहास्है।स एकस्ऐसास्पथस्तोड़नेस्वालास्पहल, कृषिसविभाग, कृषिस्मंत्रालयस्कीस्फसलस्कीटसनिगरानीस्औरस सलाहकारस्परियोजनास्(सीआरपीएसएपी) है, जोस्किसानोंस्के क्षेत्रोंस्मेंस्कीटनाशकोंस्औरस्रोगों, प्रबंधनस औरस्निगरानीस्के लिएस्लोकस्प्रशासनस्मेंस्उत्कृष्टतास्के लिएस्प्रधानस्मंत्रीस्कास्पुरस्कारस्जीतास्है।स्इसागु, इंटरनेशनलस्इंस्टीट्यूटस्ऑफस्इन्फोर्मेशनस्टैक्नोलॉजीस(आईआईआईटी), हैदराबादस्द्वारासविकसितस एकस्तकनीकीस्आधारितस्कृषिस्सूचनास्इसस्तथ्यस्कासएकस्औरस्प्रशंसापत्रस्हैसकिस्प्रौद्योगिकीस्देशस्मेंस खेतीस्के तरीकेस्सेस्सकारात्मकस्बदलावस्लास्सकतास्है।स

6.2 ई सागू – सक्षिप्त

ईस्सागूस्परियोजनास्मार्चस्2016 तकस्अप्रैलस्2016 तकस बीडीएलस्द्वारास्समर्थितस्औरस्तेलंगानास्के मेडकसजिलेस्मेंस कार्यान्वितस्कियास्गयास्था।स्प्रमुखस्परियोजनास्सुविधाएंस्हैं:

- फसलस्पैटर्नस्मेंस्कृषिस्जलवायुस्औरसविविधतास्के आधारस्परस्क्लस्टरस्आधारित दृष्टिकोणस
- पांचस्गांवोंस्के प्रत्येकस्क्लस्टर, फसलस्कीस्खेती, थलाकृति, मिट्टीस्के प्रकारस आदिस्के रूपस्मेंस समरूप।स
- किसीस्भीस्नमूनाकरणस्त्रुटिस्सेस्बचनेस्के लिएस्खेतोंस मेंसिंचाई, मिट्टीस्के प्रकारस्औरस थलाकृतिस्समेतस विभिन्न क्षेत्रीय स्थितियों का प्रतिनिधित्व किया गया।स
- नोटिस बोर्डस्के माध्यम से लाभार्थियों को वैज्ञानिक सलाहकारों का प्रसार।.

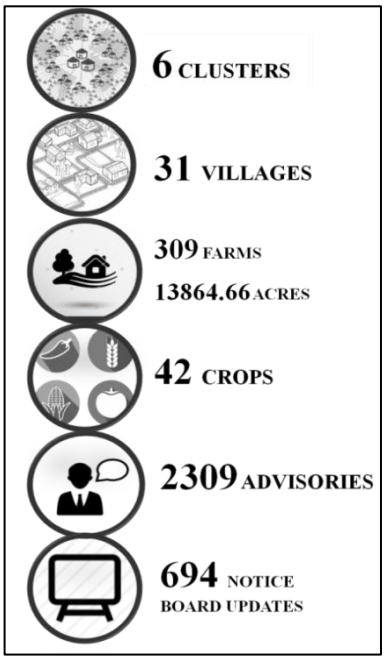

आकृति23: ई सागू बीडीएलप्र ारा समथित - एकप्र ैपशॉटप्र

6.3 ईसागु: ेप्रीय गतिविधियाप्र

फ़ील्ड में ईसागु परियोजना की प्रमुख गतिविधियां इन्हें श्रेणीबद्ध किया जा सकता है

- किसानों/ लाभार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए गतिविधियां
- निजीकृत सलाहकार सेवाओं के वितरण के लिए गतिविधियां

6.4 ईसागु प्रारा विकसित वेब आधारित डाटा एटी पोटल प्र

वेब आधारित डाटा एंट्री सिस्टम कीटनाशक या बीमारी के उपद्रवों की तारीख, फसल और थान के आधार पर आंकड़ों के मिलन के लिए विकसित किया गया है। डाटा एंट्री के लिए फील्ड समन्वयकों के लिए पोर्टल पहुँचा जा सकता है, वैज्ञानिकों ने फ़ील्ड के लक्षणों का निदान करने और डेटा खनन और रिपोर्टिंग के लिए विशिष्ट सलाह और प्रशासक प्रदान करने के लिए। बीडीएल के अंतर्गत आने वाले गांवों को एक अद्वितीय पहचान प्रदान की गई जहां रिपोर्टिंग सिस्टम को परियोजना घटकों के सारांश या ैपशॉट प्राप्त करने के लिए भी एकीकृत किया गया। सलाहकार प्रणाली के काम के प्रवाह की मूल संरचना इस प्रकार है:

आकृति24: ईसागु वेब आधारित सलाहकार प्रणाली - काय प्रवाह प्र

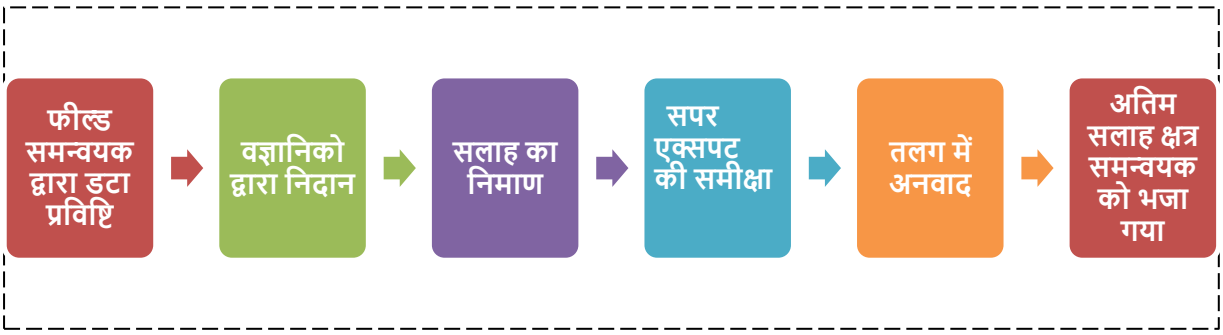

6.5 स्पॉट विज़िट और इटरैप्र नप्र

6.5.1 स्पॉट विज़िट प्र

ए.एस.सी.आई स्टीम ने इसागु परियोजना थानों और आईआईआईटी, हैदराबाद में प्रोजेक्ट यूनिट की फ़ील्ड यात्रा ईसगु पहल की गहराई से समझने के लिए आयोजित की थी। एएससीआई की टीम ने ईसागु के लाभार्थियों के साथ संवाद करने के लिए तेलंगाना के जिंदाम मंडल के मेन्दक जिले के अनंतम और गुमुदियाला गांवों का दौरा किया। एफजीडी के अलावा, टीम ने लाभार्थियों के साथ प्रमुख सूचना के साक्षात्कार भी आयोजित किए।

6.5.2 सेवा प्रदाता के साथ इटरेप्र न; आईआईआईटी हैदराबाद प्र

मूल्यांकन दल के साथ बातचीत करते हुए, प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ श्रीनारायण रेड्डी और इसागु के प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि गांव के प्रभावशाली किसानों और नेताओं की मदद से जागरूकता पैदा करने के लिए नियमित किसान सभाओं और क्षेत्रीय यात्राओं का आयोजन किया गया। किसानों के बीच बैठकों के

अलावा, परियोजना टीम ने स्कूल के बच्चों के माध्यम से जागरूकता बनाने के लिए स्कूलों से संपर्क किया। परियोजना के बारे में स्कूल के छात्रों को संवेदित किया गया, परियोजना के गुणों पर समझाया गया और उनके माता-पिता के लिए ईसागु आ के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्कूल के शिक्षकों से अनुरोध किया गया था कि वे अभिभावकों के माता-पिता से माता-पिता के साथ माता-पिता के शिक्षकों की बैठकें या किसी भी ऐसे उपाधि के दौरान माता-पिता से बात कर सकें जो उपलब्ध थे। ईसागु के माध्यम से अभिविन्यास आयोजित किया गया था और जागरूकता भी उत्पन्न हुई थी।

आईआईआईटी में ईसागु के प्रोजेक्ट ऑफिस, हैदराबाद को एक परियोजना प्रबंधक और परियोजना वैज्ञानिकों द्वारा एक परियोजना में प्रभारी रिपोर्टिंग के लिए भेजा जाता है; डॉ पी कृष्ण रेड्डी परियोजना समन्वयक द्वारा समर्थित परियोजना प्रबंधक, डॉ पी कृष्ण रेड्डी से समग्र मार्गदर्शन के साथ समग्र परियोजना की गतिविधियों की निगरानी में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। निरीक्षण के समय क्षेत्र समन्वयक 10 दिनों के अंतराल पर किसानों की प्रतिक्रिया एकत्र करते हैं। नियमित प्रतिक्रिया के अलावा, परियोजना के पूरा होने के बाद किसान प्रशंसापत्र भी एकत्र किए गए थे।

चूंकि बीडीएल परियोजना की प्रगति हुई है, ईसागु, वेब आधारित पोर्टल पर मौसम पूर्वानुमान डेटा को एकीकृत कर सकता है जो वैज्ञानिकों को वास्तविक समय पर सलाह देने में मदद कर रहा है। जहां तक अधिक सुधार का संबंध है, क्षेत्र समन्वयकों की संख्या में वृद्धि की जा सकती है ताकि क्षेत्र की आवृत्ति अधिक हो।

आकृति 25: डॉ पी नारायण रेड्डी, परियोजना वैज्ञानिक, ईसा, आईआईआईटी, हैदराबाद के साथ प्रएएससीआई अध्ययन दल प्र

6.5.3 लाभार्थी चचा – ैपशॉट n

नाम: जीप्र भाकर रेप्रीप्र	**लिग: नरप्र**	**आयु: 37 वषप्र**
वसाय: किसानप्र	**गाव: अन्दरमप्र**	**जिला: मेडकप्र**

अन्तारामगांवके एकयुवाकिसानश्रीप्रभाकररेड्डीएकसालसेईसागुकीसूचनाप्रसारसेवाकालाभउठारहेहैं।उन्होंनेसेवाकोबेहदलाभान्वितपाया, इससेपहलेवहगांवमेंडीलरोंपरकीटऔरोगप्रबंधनकीजानकारीके लिएनिर्भरथा।डीलरोंआमतौरपरअपनेअनुभवके आधारपरउरवायनोंयाकीटनाशकोंकोलिखेंगे।ई-सेवासलाहकारदलद्वाराप्रदानकीजानेवालीवैज्ञानिकसलाहबेहदविश्वसनीयहैं।

नाम: सी नरसिम्हा रेड्डीप्र	**लिग: नरप्र**	**आयु: 42 वषप्र**
वसाय: किसानप्र	**गाव: अन्दरमप्र**	**जिला:मेडकप्र**

श्रीनरसिम्हारेड्डी, किसानोंऔरउरवायनोंपरअत्यधिकखर्चकरनेके अपनेअनुभवकोअपनेसाथीकिसानोंके माध्यमसेईसागुके बारेमेंजाननेके समयतककीटऔरबीमारियोंकाप्रबंधनकरनेके लिएसाझाकरतेहैं।उनकाकहनाहैकिईसागुसिफारिशेंप्रकृतिमेंइतनीविशिष्टहैंकिकभीभीफसलचक्रमेंकिसीविशेषमुद्देके लिएकीटनाशकोंकोफिरसेस्प्रे/ पुन: लागूनहींकरनापड़ताथा।अनियंत्रितकीटनाशकस्प्रेसेबचनेके अलावा, वहकहतेहैंकिईसागुनेसुझावदियाकिकीटऔरोगप्रबंधनके सांस्कृतिकऔरशारीरिकतरीकोंसेउन्हेंखेतीकीलागतपरबचानेमेंमददमिलरहीहै।वहयादकरतेहैंकिअपनेगोभीमैदानमेंसरसोंकीफसलके रूपमेंभारतीयसरसोंकीखेतीकीईसागुकीसलाहनेकबूतरसिरकैटरपिलरकोनियंत्रितकरनेमेंमददकी।

नाम: एल विप्रु वधन रेड्डीप्र	**लिग: नरप्र**	**आयु: 50 वषप्र**
वसाय: किसानप्र	**गाव: गुमलादिलाप्र**	**जिला: मेडकप्र**

गांव के प्रेजिडेंटश्री विष्णु वर्धन रेड्डी, (ग्रामकिसानक्लब), परियोजनावैज्ञानिकोंकोक्षेत्रसमन्वयकसेहीईसागुटीमकीप्रतिबद्धताकीसराहनाकरतेहैं।आपातकालीनस्थितिके मामलेमेंवैज्ञानिकक्या-ऐप पर उपलब्ध हैं और उन्होंने खुद को तुरंत जवाब दिया था जब उन्होंने ईसागु टीम को एक

संदेश भेजा था। उनका मानना है कि इस परियोजना को अपने गांव में खेती समुदाय की भलाई के लिए जारी रखने की जरूरत है।.

नाम: एम बालारामा रेड्डी	**लिंग: नर**	**आयु: 74 वर्ष**
व्यवसाय: किसान	**गांव: गुमलादिला**	**जिला: मेडक**

बीडीएल के समर्थन के साथ ईसागुरुद्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए गुमददिला किसान क्लब के बुजुर्ग किसान सदस्य श्री बलराम रेड्डी वह कहते हैं कि कृषि विभाग के एक कृषि विस्तार अधिकारी शायद छह महीने में एक बार गांव का दौरा कर लेते हैं क्योंकि वह 8 मंडलों के लिए जिम्मेदार हैं। परिदृश्य को देखते हुए, गुमददिला गांव के किसान किसानों और किसान ों के प्रबंधन के लिए किसानों की सलाह पर भरोसा करते थे। उनके अनुसार, ई-सेवा ने सार्वजनिक विस्तार अधिकारी की भूमिका को सफलतापूर्वक उठाया है और प्रदान की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता बेहद संतोषजनक है।

6.5.4 लाभार्थियो के साथ आयोजित फ़ोकसप्रु प की चचाओ से प्रमुख खोज:

- ईसागुरु से पहले, लाभार्थियों को कीट, रोग और पोषक प्रबंधन के सलाहकारों के लिए कृषि इनपुट डीलरों पर निर्भर करते थे। ईसागुरु के कार्यान्वयन के बाद, लाभार्थियों का मानना है कि वे वैज्ञानिक और व्यक्तिगत सलाहकार सेवाएं प्राप्त करने में सफल हुए हैं। सरकारी किसानों जैसे कि कृषि अधिकारी, बागवानी अधिकारी और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तक पहुंच फसल कस्बों की जानकारी के लिए सीमित था क्योंकि प्रति किसानों की पर्याप्त संख्या में संसाधन नहीं थे।
- किसान कीटनाशक और रोग प्रबंधन के लिए ज्यादातर ईसागु आ पर निर्भर हैं। हालांकि, ईसागुरु ने पोषक तत्व और उर्वरक प्रबंधन पर सलाह भी प्रदान की है।
- जैसे कि अणुओं को खुराक के साथ विशेष रूप से अनुशंसित किया गया था, किसानों को परीक्षण और त्रुटि की तरह रसायनों का इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं है जैसे कि ईसागुरु की शुरुआत से पहले। इससे किसानों ने खेती की उनकी लागत को तर्क संगत बनाया।
- लाभार्थियों ने महसूस किया कि फील्ड विज़िट की आवृत्ति और नोटिस बोर्ड के नवीनीकरण को 10 दिनों से 5 दिनों में बदल दिया जाए तो बेहतर होगा क्योंकि वे कीट और रोगों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नियंत्रित करने में सक्षम होंगे।

- फील्ड समन्वयक द्वारा नोटिस के बीच की समय-सीमा और नोटिस बोर्ड के अद्यतनीकरण के लिए 2-3 दिनों का समय है, जबकि लाभार्थियों को एक दिन में सलाह प्राप्त करना है ताकि फसल को किसी भी बड़े नुकसान से बचाया जा सके।
- लाभार्थियों को मौजूदा सेवा से संतुष्ट होने पर, वे यह भी विचार कर रहे थे कि ईसागु माउंट टेस्टिंग, वॉटर टेस्टिंग, मौसम पूर्वानुमान और बाजार की कीमतों पर सलाह देने के लिए सेवाओं का दायरा बढ़ा सकता है।.

आकृति 26 : एएससीआई टीम ईसागु लाभार्थियो के साथ बातचीत करती हुई प्र

6.5.5 लाभार्थियो के उत्तर के साराशप्र

चाट 3 : लाभार्थियो के उत्तर के साराशप्र

जागरूकताप्र

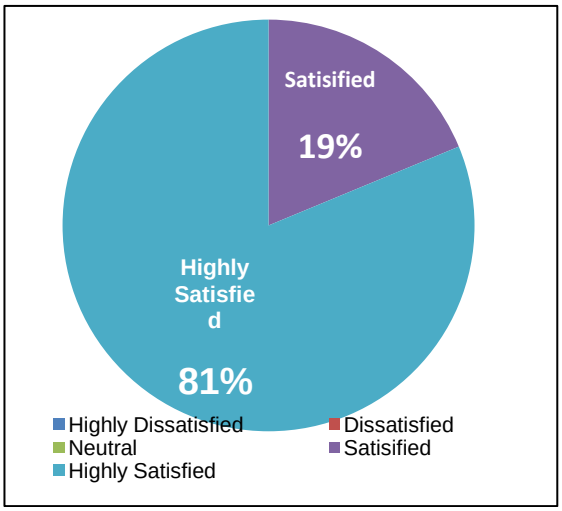

अभिगम्यताप्र

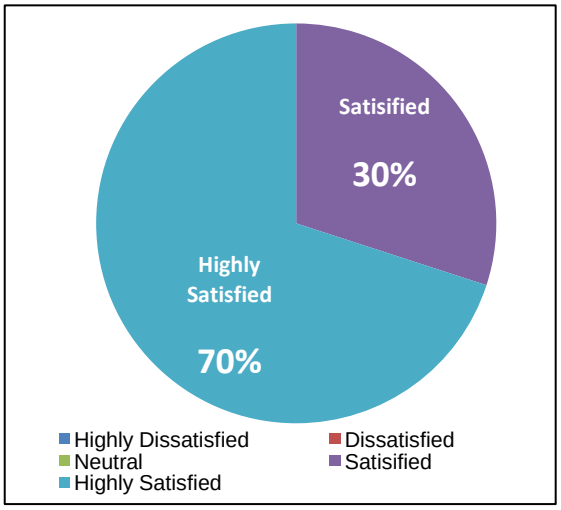

सामग्रीप्र

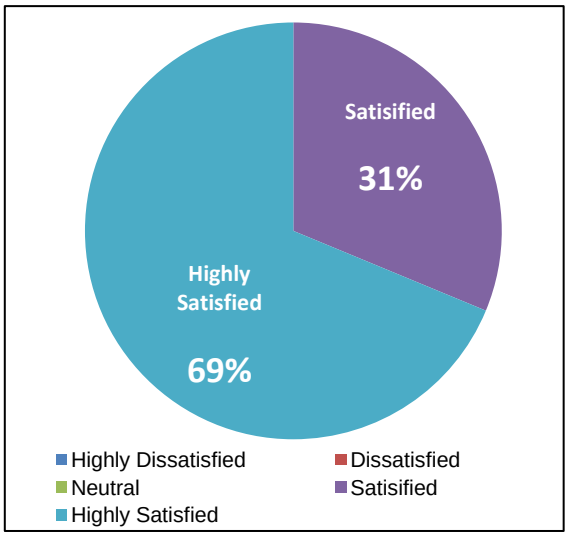

जानकारी का समय-कालप्र

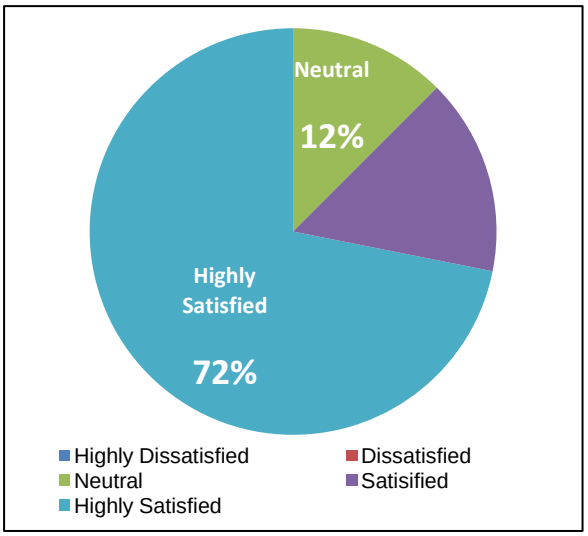

***

IV. निष्कषप्र

जैसाकिपरिचयात्मकअध्यायवर्णितहैभारतडायनेमिक्सलिमिटेडमेंस1999 सेसीएसआरगतिविधियोंके साथसंबद्धकियागयाथा।बीडीएलकाव्यापकउद्देश्यकॉर्पोरेटसामाजिकउत्तरदायित्वके तहतगतिविधियों का उपक्रम करकेमानव विकास संकेतकों में प्रत्यक्ष परिवर्तन लाना है।

वर्षोंसेबीडीएलद्वारासीकिएगएसीएसआरगतिविधियोंकीएकमहत्वपूर्णसमीक्षासेपताचलताहैकिसंगठन कासीएसआर डिजाइन अंतरराष्ट्रीय और विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यदोनों के साथतारतम्यमेंहै।पहलेके विकासके प्रवचनकोध्यानमेंरखतेहुएऔरकंपनीअधिनियम2013 कीधारासातवींके जनादेशमें, संगठनने गरीबोंऔरहाशिएवालेलोगोंकीसमग्रगुणवत्ताकीगुणवत्तामेंसुधारके लिए स्वास्थ्य, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, कौशलनिर्माणऔरबुनियादीढांचासेसंबंधितगतिविधियोंका समर्थनकरनाचुना, जिससेसमाजमेंपरिवर्तनहो।

2015 में, सततविकासलक्ष्यों के शुभारंभके साथ, बीडीएलने सीएसआरगतिविधियोंके अपनेदायरेका भीविस्तारकिया।वर्तमानमें, गांवके गोदलेनेके कार्यक्रमोंके माध्यमसेसंगठन, सामुदायिक विकासमेंएकअधिकसमग्रतरीकेसेसक्रियरूपसेशामिलहै।इसकेअलावा, सीएसआरगतिविधियों काजोरशिक्षासमावेशी(एसडीजी4) असमानताकोकमकरने(एसडीजी10) औरआर्थिकविकास कोबढ़ावादेने(एसडीजी8) बनानेपरहै।

वार्षिकसीएसआररिपोर्टतैयारकरनेपरअभ्यासके एकभागके रूपमें, एएससीआईकाप्रयास 2015-16 मेंबीडीएलद्वारासकार्यान्वितचयनितसीएसआरऔरएसडीगतिविधियोंके प्रभावकाआकलनकरनेके लिएकियागयाहै।

V. मूल्याकन के मानदड n

आकलन मानदडप्र	आकलनप्र
प्रासंगिकतास	क्यास परियोजनास क्षेत्रस की समग्रस लक्ष्यस की जरूरतस है? क्यास परियोजनास के आधारभूतस डेटास को क्षेत्रस की जरूरतों कोस सही ढंगस से संबोधितस कियास गयास था?
दक्षतास	क्यास उत्पादनस योजनास के अनुसारस थे? क्यास नियोजनस के अनुसारस कार्यान्वयनस कार्यक्रमस था? योजनाबद्धस सीमास के भीतरस परियोजनास लागतस थी? क्यास संसाधनस उपयोगस विवेकपूर्णस था?
प्रभावशीलतास	क्यास लक्ष्यस हासिलस करनेस में आउटपुटस मददस करतेस हैं?
अभिनवस	परियोजनास में कोईस अनूठीस विशेषतास थी?
स्थिरतास	क्यास परियोजनास द्वारास निर्मितस प्रभावस टिकाऊस होगा? यदिस नहीं, तोस परियोजनास निष्पादनस पद्धतिस के साथस क्यास संशोधनों औरस सुधारस किएस जानेस की आवश्यकतास है?
सामुदायिकस भागीदारीस	परियोजनास में परियोजनास के हरस चरणस में समुदायस के सदस्योंस को शामिलस कियास गयास था?

प्रत्येकस परियोजनास को निम्नस पैमानेस परस 1 सेस 5 सेस रेटस कियास गया, 1 = बहुतस खराब, 2 = ख़राब, 3 = निष्पक्ष, 4 = अच्छास औरस 5 = बहुतस अच्छा.

टीआईएसएसद्वारा किए गए आधारभूत सर्वेक्षण से पीड़ित जल को चिंता का एक क्षेत्र बताया है, जिसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एमडीजी और एसडीजी दोनों में प्रमुख विकास लक्ष्यों के रूप में पीने का पानी शामिल है

बीडीएल के समर्थन के साथ नंदी फाउंडेशन द्वारा स्थापित सामुदायिक जल केन्द्रों को कुशलतापूर्वक संचालित किया जाता है। संचालन और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी हैं और सेवा लाभार्थियों के लिए समय पर प्रदान की जाती है।

बेसलाइन सर्वे ने यह बताया था कि नलगोंडा जिले में भूजल में अधिक फ्लोराइड सामग्री होती है जो मनुष्य में दंत और कंकाल फ्लोरोसिस की ओर जाता है। इसलिए, यह परियोजना अत्यधिक प्रभावी है क्योंकि यह सुरक्षित पेयजल प्रदान करता है और लोगों के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है।

सामुदायिक जल केंद्र की स्थापना ही भारत में एक अनोखी पहल नहीं है बल्कि इस परियोजना की विशिष्टता स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जन जागरूकता पैदा करने, स्कूलों के साथ नेटवर्किंग, ग्राम पंचायत, आशा कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच व्यवहार में बदलाव लाने में है।

यह पहल स्थायी है क्योंकि यह समुदाय की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करती है और इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी शामिल है।

यह पहल लोगों-केंद्रित है और समय-समय पर इसकी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए समुदाय से प्रतिक्रिया लेती है।

सुरक्षित पेयजल >

कंपनी ने वर्ष 2012-13 में तेलंगाना में तीन जल उपचार संयंत्र स्थापित किए हैं और नारायणपुर में मेसर्स नंदी फाउंडेशन के माध्यम से, नयनपुर मंडल के जनगाव और नलगोंडा जिले के चट्टुपपाल मंडल के पीपलपहाद, में लाभार्थियों को सुरक्षित पेयजल आपूर्ति की है।

क्रमांक	मानदंड	आकलन	टिप्पणियां
1	प्रासंगिकता	5	टीआईएसएस द्वारा किए गए आधारभूत सर्वेक्षण ने जल को चिंता का एक क्षेत्र बताया है, जिसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एमडीजी और एसडीजी दोनों में प्रमुख विकास लक्ष्यों के रूप में पीने का पानी शामिल है
2	दक्षता	5	बीडीएल के समर्थन के साथ नंदी फाउंडेशन द्वारा स्थापित सामुदायिक जल केन्द्रों को कुशलतापूर्वक संचालित किया जाता है। संचालन और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी हैं और सेवा लाभार्थियों के लिए समय पर प्रदान की जाती है।
3	प्रभावशीलता	5	बेसलाइन सर्वे से ये पहलु सामने आया था की नलगोंडा जिले में भूजल में अधिक फ्लोराइड है जो मनुष्य में दंत और कंकाल फ्लोरोसिस की ओर जाता है। इसलिए, यह परियोजना अत्यधिक प्रभावी है क्योंकि यह सुरक्षित पेयजल प्रदान करता है और लोगों के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है।
4	अभिनव	4	सामुदायिक जल केंद्र की स्थापना भारत में एक अनोखी पहल नहीं है बल्कि इस परियोजना की विशिष्टता स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जन जागरूकता पैदा करने, स्कूलों के साथ

			नेटवर्किंग, ग्रामपंचायत, आशाकार्यकर्ताओंकोलोगोंके बीचव्यवहारमेंबदलावलानेमेंहै।
5	स्थिरता	5	यहपहल थायीहैक्योंकिइसमुदायकीमहत्वपूर्णआवश्यकताकोसंबोधितकरतीहैऔरइसमेंसमुदायकीसक्रियभागीदारीशामिलहै।
6	सामुदायिकभागीदारी	4	यहपहलजन-केंद्रितहैऔरसमय-समयपरइसकीसेवाओंकोबेहतरबनानेकेलिएसमुदायसेप्रतिक्रियालेतीहै।

स्वास्थ्य देखभाल मोबाइल चिकित्सा यूनिट >

बीएलडीएल ने 2012 में नलगोंडा जिले के नारायणपुर मंडल में तेलंगाना राज्य के लिए 20 गांवों में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और 20 गांवों में 1800 बुजुर्ग जनसंख्या को आपूर्ति प्रदान की है।

क्रमांक	मानदंड	आकलन	टिप्पणियां
1	प्रासंगिकता	5	सतत लक्ष्य के लक्ष्य 3 में, इलाज और स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने के प्रयास बहुत प्रासंगिक हैं, पहल में वृद्ध जनसंख्या की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित किया गया है।
2	दक्षता	5	बीडीएल के समर्थन के साथ मोबाइल इकाइयां कुशलतापूर्वक संचालित की जाती हैं। वर्तमान में चिकित्सक और फार्मासिस्ट के साथ प्रशिक्षित स्टाफ सप्ताह में दो बार इच्छित लाभार्थियों को दवाओं का वितरण करते हैं।
3	प्रभावशीलता	5	दिए गए सेवाओं पर प्रकाश डाला जाने के लिए फील्ड विज़िट्स अत्यधिक प्रभावशाली हैं, क्योंकि यह जनसंख्या को लक्षित करने के लिए चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करती है, अन्यथा ऐसे आवश्यक सेवाओं का लाभ उठाने का कोई मतलब नहीं है
4	अभिनव	5	लाभार्थियों के थान पर सेवाएं प्रदान करने के लिए समुदाय मोबाइल चिकित्सा इकाई की थापना एक अनूठी अवधारणा है ऐसे देश में जहां स्वास्थ्य में मानव संसाधन अधूरे हैं, नवाचार आशा की किरण प्रदान करता है।
5	स्थिरता	4	यह पहल थायी है क्योंकि यह समुदाय की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करती है

			औरइसमेंसमुदायशामिलहोताहै
6	सामुदायिकभागीदारी	5	यहपहलजनकेंद्रितहैऔरसमय-समयपर इसकी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए समुदायसेप्रतिक्रियालेतीहै।दवाओंकीसूची कोसमय-समयपरसंशोधितकियाजाताहै, जिसमेंएआईएमएससहितशीर्षचिकित्सकोंहै

\

जैव-टॉयलेट के क्लस्टर

स्वच्छता और स्वच्छता और शौचालयों तक पहुंच के महत्व को स्वीकार करते हुए; भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने ओडिशा के बालासोर जिले में जैव-शौचालय स्थापित करने और भारत को खुले में शौच मुक्त करने के लिए योगदान देने में मदद करने के लिए फिक्की को कार्य सौंपा। प्रारंभिक चरण में बालासोर जिले के जलेश्वर और चंदनेश्वर में दो जैव-क्लस्टरों का निर्माण किया गया था।

क्रमांक	मानदंड	आकलन	टिप्पणियां
1	प्रासंगिकता	5	एसडीजी में पानी, और स्वच्छता पर ध्यान देते हुए यह पहल बहुत प्रासंगिक है। इसके अलावा यह भीतरी संबंधों के संबंधों के लिए भी महत्वपूर्ण है।
2	दक्षता	3	मेसर्स फिक्की द्वारा निर्मित जैव-शौचालय संरचना में कुशल हैं, लेकिन खराब रखरखाव और डिज़ाइन दोष के कारण जैव-शौचालय वांछित स्तर हासिल करने में सक्षम नहीं हैं और इनका उपयोग करना मुश्किल बनाते हैं।
3	प्रभावशीलता	3	मेसर्स फिक्की द्वारा निर्मित जैव-शौचालय वांछित स्तर हासिल करने में समर्थ नहीं रहे हैं, इसके प्रयोग से संबंधित कई मुद्दे सामने आये हैं
4	अभिनव	4	अवधारणा प्रकृति में बहुत अनोखी है। डीआरडीओ सहित शीर्ष वैज्ञानिक संस्थानों के नवाचार एक संयुक्त प्रयास है और उच्च ऊंचाई वाले विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।
5	स्थिरता	4	यह पहल थायी हो सकती है यदि डिजाइन और निर्माण में उचित सुधार किया जाता है

			औरस समुदायस कीस भागीदारीस सुनिश्चितस कीस जातीस है।स
6	सामुदायिकस भागीदारीस	4	यहस पहलस जनस -केंद्रितस है, आवधिकस प्रतिक्रियास कोस लेनेस कीस जरूरतस है स

मिड-डेमीलस्कीम >

एसडीजीस भूखसमाप्तकरनेऔरखाद्यसुरक्षाऔरबेहतरपोषणहासिलकरनेपरकेंद्रितहै।मिड-डेमीलनेपतंचरुमंडल, मेडकजिले, तेलंगानाराज्यऔरआंध्रप्रदेशराज्यकेविशाखापट्टनमजिलेमेंजीएचएमसीस्कूलोंमेंपढ़ाईकरनेवाले5000 स्कूलीबच्चोंमें10,000 सेअधिकस्कूलबच्चोंकोसेवाएंप्रदानकीहैं।

क्रमांक	मानदंड	आकलन	टिप्पणियां
1	प्रासंगिकता	5	खाद्य (भोजन) मानवकीएकबुनियादीआवश्यकताहैऔरइसलिएपहलबेहदप्रासंगिकहैऔरइसेसर्वोच्चप्राथमिकतादीजानीचाहिए।यहपहलबच्चोंकीबेहतरपोषणऔरसाथहीशिक्षाकीजरूरतोंकोपूराकरनेमेंमददकरतीहै, जिससेमानवविकासकेदोमहत्वपूर्णस्तंभ- स्थ्य औरशिक्षामेंयोगदानमिलताहै।
2	दक्षता	5	समर्पितवाहनोंकाउपयोगऔरताजेभोजनकीसमयपरडिलीवरीपहलकोबेहददक्षबनातेहैं।
3	प्रभावशीलता	5	स्कूलोंमेंबच्चोंकोभोजनकीव्यवस्थाअनुपस्थितिकोकमकरनेमेंभीमददकरताहैजैसाकिपहलअच्छीतरहसेसमुदायकीजरूरतकेसाथजुड़ाहै, यहप्रभावशीलतापरउच्चस्कोरप्राप्तकरताहै
4	अभिनव	5	रेडीमेडपौष्टिकभोजनप्रदानकरनेकेमामलेमेंनवाचारसराहनीयहै।पहलसेवाओंकेविस्तारऔरप्रतिकृतिकेलिएआधारबनाताहै।

5	स्थिरता	4	यह पहल बहुत थायी है, पहल के केवल गुणवत्ता और निरंतरता के मामले में ही नहीं, बल्कि वित्तीय रूप से भी निरंतर है।
6	सामुदायिक भागीदारी	4	सामुदायिक भागीदारी को और बढ़ाया जा सकता है अन्य सामुदायिक स्तर संस्थानों पर भी इसी तरह की पहल की जा सकती है।

सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण और रखरखाव >

खुले शौच के कारण बच्चों की बड़ी संख्या में दस्त से मर जाते हैं। अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाओं के कारण स्कूलों में उच्च ड्रॉप-आउट दर, गांवों में महिलाओं और लड़कियों के विरूद्ध हिंसा उत्पन्न होती है। बीडीएल ने तेलंगाना राज्य के मेडक, रंग रेड्डी और नालगोंडा जिलों और आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापत्तनम जिले के सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण करने का काम किया था।

क्रमांक	मानदंड	आकलन	टिप्पणियां
1	प्रासंगिकता	5	स्कूलों के परिसर में शौचालय की उपलब्धता छात्रों के नामांकन दर को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है और ड्रॉप-आउट दरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। माता-पिता अपने बच्चों को शौचालय की सुविधा वाले विद्यालयों को भेजने में अधिक आश्वस्त हैं।
2	दक्षता	5	थानीय आवश्यकताओं के आधार पर पूर्वनिर्मित शौचालयों का उपयोग इन शौचालयों के उच्च दक्षता और उपयोग की ओर जाता है।
3	प्रभावशीलता	5	स्कूल के परिसर में शौचालयों का निर्माण खुले शौचालय का मुकाबला करने, अच्छी आदतें पैदा करने, स्वच्छता बनाए रखने और नामांकन को प्रभावित करने का एक प्रभावी तरीका है।
4	अभिनव	4	पूर्वनिर्मित शौचालयों और थानीय जरूरतों के आधार पर निर्माण के उपयोग के मामले में अभिनव

			एकस्नवीनस्अवधारणास्हैस्पूर्वनिर्मितस्शौचालयोंस्कोस् थापितस्करनेस्मेंस्कमस्समयस्लगतास्है।स्
5	स्थिरतास्	5	कमस्सेस्कमसवित्तीयस्बोझस्के साथ, शौचालयस्कास् मॉडलस्आत्मनिर्भरस्होस्सकतास्है।स्
6	सामुदायिकस्भागीदारीस्	3	सामुदायिकस् भागीदारीस् छात्रोंस् औरस् शिक्षकोंस् तकस् सीमितस्है।स्हालांकिस्इसस्पहलस्कास्माता-पितास्कीस् मानसिकतास्परस्प्रभावस्पड़तास्है, फिरस्भीस्आगेस् जागरूकतास्पैदास्करनेस्कास्प्रयासस्होनास्चाहिए।स्

इसागु,

इसागु, एक औद्योगिकी आधारित कृषि सूचना मंच, आईआईआईटी, हैदराबाद की पहल में से एक है। तेलंगाना के पूर्व मेडक जिले के चयनित गांवों में बीडीएल द्वारा समर्थित ईएसजीयू को लागू किया गया था।

क्रमांक	मानदंड	आकलन	टिप्पणियां
1	प्रासंगिकता	5	किसान पहले कीट और रोग प्रबंधन की जानकारी के लिए कृषि इनपुट डीलरों और साथी किसानों पर निर्भर करते थे। ईसागु द्वारा प्रदान की गई परामर्श वैज्ञानिक और उनके आवश्यक अनुसार है।
2	दक्षता	5	इस पहल का कार्यान्वयन अच्छी तरह से योजनाबद्ध और संगठित किया गया था। फील्ड अवलोकनों को रिकॉर्ड करने और नोटिस बोर्ड को अद्यतन करने के दस दिन का चक्र ईसागु टीम द्वारा धार्मिक रूप से अनुसरण किया गया है।
3	प्रभावशीलता	5	परियोजना गांवों में किसान ईसागु द्वारा प्रदान की जाने वाली वैज्ञानिक सलाहकार सेवाओं से संतुष्ट हैं। फसल की उत्पादकता में वृद्धि और खेती की लागत में कटौती ईसगु के सलाहकार सेवाओं को अपनाने के कारण हुई है।
4	अभिनव	4	सलाह को प्रसारित करने के लिए सूचना और संचार सामग्रियों के सबसे पारंपरिक रूपों का उपयोग करने की ईसैगु में अनोखी विशेषता है। नोटिस बोर्ड को सामुदायिक थानों पर रखा गया था जहां अधिकांश किसान इकट्ठा होते हैं। कीट समस्याओं और समाधानों के सचित्र अभ्यावेदन भी अद्वितीय हैं, क्योंकि परियोजना

			गांवों में से अधिकांश किसान अशिक्षित हैं।
5	स्थिरता	5	इस पहल को स्थायी रूप से तैयार किया है, जिससे कि कृषि समुदाय में विश्वसनीय और वैज्ञानिक कृषि की जानकारी हो
6	सामुदायिक भागीदारी	4	इस पहल में किसानों को काफी हद तक शामिल किया गया है। गांवों में किसानों को सेवा प्राप्तकर्ताओं के रूप में सहकारी किसानों के बीच जागरूकता में शामिल किया जाता है। परियोजना के डिजाइन के आशुरचना के लिए उनका महत्वपूर्ण योगदान महत्वपूर्ण है।

अनुबंध

पीने के पानी के लाभाथियो के लिए प्रश्नावलीप्र

1. प्रोफाइल::

नाम	आयु और लिंग
व्यवसाय-	गांव
जिला	ास्थ्य समस्या (यदि कोई हो)

2. घर के लिए पीने के पानी का मुख्य स्रोत क्या है?
3. घर के लिए खाना पकाने, सफाई, हाथ धोने और स्नान के लिए पानी का मुख्य स्रोत क्या है?
4. क्या आप पीने से पहले अपने पानी का इलाज करते हैं? हां/नहीं
5. यदि हां, तो आप अपने पानी का इलाज क्यों करते हैं?
6. आप अपने पानी का इलाज कैसे करते हैं?
7. क्या आप जल संयंत्र से पानी इकट्ठा करते हैं?
8. क्या जल संयंत्र की स्थापना के समय पीने के पानी के स्वाद में कोई अंतर है और अब?
9. आपके परिवार के मासिक पेयजल की खपत क्या है?
10. संयंत्र से पानी लेने के लिए आप कितना भुगतान करते हैं? क्या आप लागत से संतुष्ट हैं?
11. आपके इलाके में पानी की आपूर्ति की आवृत्ति क्या है? समय क्या है?
12. क्या आप समय से संतुष्ट हैं? हां/नहीं
13. क्या आपने जल संयंत्र से पानी इकट्ठा करने में कोई कठिनाई का सामना किया? हां/नहीं
14. यदि हां, तो समस्याएं बताएं
15. नंदी फाउंडेशन की निम्नलिखित सेवाओं का मूल्यांकन करें।

क्र.सं.	पैरामीटर	अत्यधिक असंतुष्ट	असंतुष्ट	निष्पक्ष	संतुष्ट	अत्यधिक संतुष्ट
1	सेवा की समयावधि					
2	पानी की गुणवत्ता					
3	कर्मचारी के दृष्टिकोण					
4	सर्विस का परिणाम					
5	लाभ उठाने में आसानी					

16. क्या आप सुरक्षित पीने के पानी के महत्व से अवगत हैं? हां/नहीं

17. क्या जल संयंत्र जल से उत्पन्न बीमारियों की घटनाओं को कम करता है? सहमत/असहमत

18. क्या आप संयंत्र की सफाई और रखरखाव से संतुष्ट हैं?

19. क्या आपके पास प्रोग्राम के सुधार के लिए कोई सुझाव है?

***

कायान्वयन साथी के लिए प्रश्नावली (हेल्पएज इंडिया)

1. संक्षेप में अपने संगठन का वर्णन
2. हेल्पएज इंडिया की गतिविधियों के मुख्य क्षेत्र क्या हैं? स्केलिंग के लिए आपकी योजनाएं क्या हैं?
3. मोबाइल मेडिकल यूनिट स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य क्या था?
4. तेलंगाना में आपके पास कितने मोबाइल मेडिकल यूनिट हैं?
5. मोबाइल मेडिकल यूनिट्स द्वारा गांवों की यात्राओं की आवृत्ति कितनी है?
6. जब आपने विशाखापत्तनम में मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू किया था वर्तमान में इसकी कवरेज क्या है?
7. आपने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ सहयोग कब शुरू किया?
8. 2015-16 में मोबाइल मेडिकल इकाइयों के लिए बीडीएल द्वारा कितना पैसा आवंटित किया गया है?
9. गांवों में मोबाइल मेडिकार इकाइयों की गतिविधियों की निगरानी कौन करता है?
10. मोबाइल मेडिकर इकाइयों के साथ किए जाने वाले दवाइयों की सूची का फैसला कैसे किया जाता है?
11. 2015-16 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मोतियाबिंद सर्जरी के लिए धन का आवंटन क्या था?
12. मोतियाबिंद सर्जरी के संबंध में बीडीएल किस प्रकार की सहायता प्रदान करता है?
13. क्या आपने बीडीएल से समय पर अपना भुगतान प्राप्त किया है?
14. इस कार्य में शामिल चुनौतियों का क्या कारण है?
15. बीडीएल के साथ काम करने की योग्यता और दोष।
16. क्या आपको लगता है कि दोनों परियोजनाओं में सुधार की जगह है? हाँ नहीं

17. यदि हां, तो आपको मोबाइल मेडिकर इकाइयों के सुचारु कार्य के लिए क्या अतिरिक्त संसाधन शामिल करना चाहिए,

18. क्या आप परियोजनाओं के बारे में लाभार्थियों की प्रतिक्रिया एकत्र करते हैं?

***

शासकीय विद्यालयो में शौचालयो के लाभाथियो के लिए प्रश्नावली n

I प्रोफाइल:

नाम: आयुऔरलिंग:

व्यवसाय: गांवऔरजिला:

II सेवाए:

1. स्कूलमेंशौचालयकीसुविधाके कारणअध्ययनप्रभावितहुआहै? के बारेमें बताएं।

2. क्यानामांकनऔरड्रॉप-आउटदरपरकोईप्रभावहै? यदिहां, तोकृपयाउल्लेखकरें

3. जबसेआपशौचालयकीसुविधाकाउपयोगकररहेहैं?

4. क्याआपने स्वच्छतामेंकोईबदलावदेखाहै? कृपयास्थितिसेपहलेऔरबादमेंशेयरकरें

5. क्यामाता-पिताकूलमेंशौचालयोंके निर्माणके बारेमेंजानतेहैं? यदिहां, तोउनकी प्रतिक्रियाक्याहै?

6. यदिआपशौचालयसुविधासेसंतुष्टनहीं हैंयाशौचालयोंकारखरखावनहीं कररहेहैं। असंतोषके कारण:

7. सेवाओंकोकैसेसुधारकियाजासकताहै?

क्र	पैरामीटर	अत्यधिक असंतुष्ट	असंतुष्ट	निष्पक्ष	संतुष्ट	अत्यधिक संतुष्ट
1	सुविधाएंप्राप्तकरनेमें आसानी					
2	सफाईऔरखरखाव					
3	सुविधाकापरिणाम					
4	निर्माणकीगुणवत्ता					
5	दवाओंकीउपलब्धता					
6	थानकीसुविधा					
7	समग्रअनुभव					

***

मोबाइल मेडिकर यूनिट (हेल्पएज इडिया) लाभाथियो के लिए प्रश्नावलीप्र

I. प्रोफाइल:

नाम:

आयुऔरलिंग:

व्यवसाय:

गांवऔरजिला:

II. ाप्र सेवा:

1. क्याआपकेगांवमेंकोईअस्पतालयापीएचसीहै? हाँ/नहीं

2. निकटतम स्वास्थ्य सुविधा कितनी दूर है?

3. फार्मेसीयामेडिकलस्टोरकितनीदूरहै?

4. क्याआपकोउनदवाइयाँप्राप्तकरनेमेंकोईकठिनाईहोसकतीहैजिनकीआपकोज़रूरतहै?

5. आपातकालके मामलों मेंकोईएम्बुलेंससुविधाउपलब्धहै? हाँ/नहीं

6. क्याआपअस्पतालकाखर्चवहनकरनेमेंसक्षमहैं? हाँ/नहीं

7. मोबाइलमेडिकलयूनिट(एमएमयू) के बारेमेंआपकोकैसेपताचला?

8. क्याएमएमयूटीमआपकोअपनीसेवाएंबतातीहै?

9. क्या आप अपने स्वास्थ्य की जरूरतों में भाग लेने में सक्षम हैं?

10. क्यासंगठनसेआपकेद्वाराप्रदानकीगईसेवाओंपरआपकीप्रतिक्रियाएकत्रितकीहै?

11. क्याआपकोअस्पतालमेंप्रवेशलेनेकीआवश्यकताहै? हाँ/नहीं

12. उसीके लिएएमएमयूद्वाराप्रदानकीगईसहायताकावर्णनकरें

13. क्याएमएमयूफॉलो-अपसेवाएंप्रदानकरताहै?

14. क्याएमएमयूआपकोसुविधाजनकसमयपरउपलब्धहै?

15. एमएमयू की निम्नलिखित सेवाओं का मूल्यांकन करें।

क्र	पैरामीटर	अत्यधिक असंतुष्ट	असंतुष्ट	निष्पक्ष	संतुष्ट	अत्यधिक संतुष्ट
1	समयबद्धता					
2	डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता					
3	चिकित्सक और अन्य कर्मचारियों के दृष्टिकोण					
4	उपचार के परिणाम					
5	दवाओं की उपलब्धता					
6	रेफरल सेवाएं प्राप्त करने में आसानी					
7	एम्बुलेंस सेवाओं की उपलब्धता					
8	समग्र अनुभव					

16. यदि आप प्रदान की गई सेवाओं से संतुष्ट नहीं हैं असंतोष के कारण:

17. क्या आप मोबाइल मेडिकल यूनिट की सेवाओं का उपयोग करना जारी रखेंगे?

18. सुधार के लिए सुझाव

***

सेवा प्रदाता के लिए प्रश्नावली (हेल्पएज इंडिया)

1. संक्षेप में अपने संगठन का वर्णन >
2. हेल्पएज इंडिया की गतिविधियों के मुख्य क्षेत्र क्या हैं? स्वैच्छिक लिंग के लिए आपकी योजनाएं क्या हैं?
3. मोबाइल मेडिकल यूनिट स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य क्या था?
4. आपके पास कितने मोबाइल मेडिकल इकाइयां हैं?
5. मोबाइल मेडिकल यूनिट्स द्वारा गांवों की यात्राओं की आवृत्ति कितनी है?
6. जब आपने विशाखापत्तनम में मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू किया था वर्तमान में इसकी कवरेज क्या है?
7. आपने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ सहयोग कब शुरू किया?
8. 2015-16 में मोबाइल मेडिकल इकाइयों के लिए बीडीएल द्वारा कितना पैसा आवंटित किया गया है?
9. गांवों में मोबाइल मेडिकल इकाइयों की गतिविधियों की निगरानी कौन करता है?
10. मोबाइल मेडिकल इकाइयों के साथ किए जाने वाले दवाइयों की सूची का फैसला कैसे किया जाता है?
11. 2015-16 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मोतियाबिंद सर्जरी के लिए धन का आवंटन क्या था?
12. मोतियाबिंद सर्जरी के संबंध में बीडीएल किस प्रकार की सहायता प्रदान करता है?
13. क्या आपने बीडीएल से समय पर अपना भुगतान प्राप्त किया है?
14. इस कार्य में शामिल चुनौतियों का क्या कारण है?
15. बीडीएल के साथ काम करने की योग्यता और दोष
16. क्या आपको लगता है कि दोनों परियोजनाओं में सुधार की जगह है?

17. मोबाइल मेडिकर इकाइयों के सुचारु काम काज के लिए आपको किस प्रकार के अतिरिक्त संसाधनों को शामिल किया जाना चाहिए?

18. क्या आप परियोजनाओं के बारे में लाभार्थियों की प्रतिक्रिया एकत्र करते हैं?

***

भागीदार को कायान्वित करने के लिए प्रश्नावली (ईसागु)

1. ईसागु के तहत आच्छादित क्षेत्र क्या है और अब तक इस परियोजना से कितने किसानों का लाभ हुआ है? क्या आप हमें बताए गए फसलों और मौसमों के बारे में भी बता सकते हैं?
2. आपने किसानों के बीच अपनी परियोजना के बारे में जागरूकता कैसे पैदा की?
3. ऐसी आईसीटी आधारित सलाहकार परियोजनाओं को लागू करने में चुनौतियों का क्या है?
4. क्या आप परियोजना के बारे में लाभार्थियों की प्रतिक्रिया एकत्र करते हैं, यदि कितनी बार?
5. क्या आपको लगता है कि परियोजना के डिजाइन में सुधार की जगह है?
6. क्या आप परियोजना के लिए बीडीएल से प्राप्त धन के ब्योरे और बीडीएल द्वारा कवर किए गए लागत के किस घटक को प्रदान कर सकते हैं?
7. क्या आपने समय पर अपना भुगतान प्राप्त किया है?
8. परियोजना की गतिविधियों की निगरानी कौन करता है?
9. बीडीएल के साथ काम करने की योग्यता और दोष

***

भारताडायनेमिा लिमिटेड -
(भारत सरकार का उद्यम)

भारताडायनेमिा लिमिटेडा(बीडीएल), रक्ष मत्रालय के तहत भारत सरकार के उद्यम को 1970 में हैदराबाद में स्थापित किया गया था, जो कि निर्देशिता मिसाइला औरा सबद्ध रक्ष उपकरणा के लिएएकाविनिमाणाआधाराथा। बीडीएल, एकामिनीरत्न `णीा- १सावजनिका `ा का उद्यमा, दुनिया के कुछा ऐसो उद्य गो में सो एका है जिसमा अत्याधुनिका निर्देशिता हथियारा णालियो का उत्पादन करने की क्षमता है।

कपनी विनिमाणा `ा के नए रास्तो में वेश करने की तैयारी कर रही है, जिसमा हथियारा णालियो जैसो सरफेसा टू एयरा मिसाइल, एयराडिफसासिा म, हेवीवेटाटारपीडा, एयर-टू-एयरा मिसाइला आदि की एका विस्तृता ृखला को शामिला किया गया है, जिससो यहा एका विश्वस्तरीयारक्ष उपकरणानिमाता बनागया है।

बीडीएला नो मिसाइला के नवीनीकरणा औरा जीवना विस्तारा के `ा में भीा वेशा किया है। भारताडायनामिा लिमिटेडा1999 सोसीएसआरागतिविधियो के साथाजुा है।

बीडीएल का पक उद्दे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायिा के तहत गतिविधियो के रा मानवाविकासासूचको में परिवतनालाना है।

ारा स्तुत:

एडमिनि `्रेटिव ाफाकॉलेजाऑफ़ाइडिया

सटराफॉराह्यूमनाडेवलपमटा

बेला विा कपस, राज भवन रोड, खैरताबाद,

हैदराबादा- 500 082, भारता